CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 21°C
न्यूनतम : 10°C

देहरादून, शुक्रवार 20 फरवरी 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 194 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | फाल्गुन शुक्ल पक्ष 2 विक्रमी सम्वत् 2082 | 2 रमज़ान 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

कौशल विभाग से सीधी सरकारी नौकरी नहीं: कपिल देव अग्रवाल पेज 2

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को भी हराया, ग्रुप स्टेज के चारों मैच जीते खेल टाइम्स

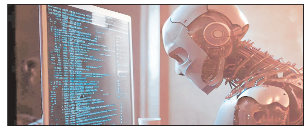

एआई : जीवनसाथी या रचनात्मकता का शत्रु सम्पादकीय

ईरान पर इसी हफ्ते हमला करेगा अमेरिका! पेज 12

दूसरा रोज़ा

रोज़ा ईमान की कसावट

रोजा ईमान की कसावट है। रोजा सदाकत की तरावट और दुनियावी ख्वाहिशों पर रुकावट है। दिल अल्लाह के जिक्र की ख्वाहिश कर रहा है, तो रोजा इस ख्वाहिश को रवानी देता है और ईमान को नेकी की खाद और पाकीजगी का पानी देता है, लेकिन रोजा रखने पर दिल दुनिया की ख्वाहिश करता है, तो रोजा इस पर रुकावट पैदा करता है। मुकद्दस रमजान में अल्लाह का फरमान है, कुरआन पाक के मानने वालों रोजा तुम पर फर्ज है।

चेन्नई में 15 अरब डॉलर के AI हब का ऐलान

भारत में बदलाव की रफ्तार अद्भुत, एआई समिट में बोले गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने भारत की तेजी से बदलती तस्वीर पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि भारत लौटना हमेशा खास होता है, क्योंकि हर दौरे में उन्हें देश में हो रहे बदलाव की रफ्तार और भी तेज नजर आती है।

पिचाई ने कहा कि देशभर में टेक्नोलॉजी और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर परिवर्तन हो रहा है, जो भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दे रहा है। अपने छात्र जीवन की यादें साझा करते हुए उन्होंने बताया कि जब वे आईआईटी खड़गपुर में पढ़ाई के दौरान विशाखापत्तनम से होकर गुजरते थे, तब वह एक साधारण तटीय शहर था। आज वही शहर वैश्विक एआई हब के रूप में उभर रहा है। पिचाई ने घोषणा करते हुए कहा कि गूगल वहां 15 अरब डॉलर के निवेश के तहत एक फुल-स्टैक -शेष पृष्ठ दो पर

अगले सात साल में 10 लाख करोड़ का निवेश करेंगे: मुकेश अंबानी

नई दिल्ली। एआई इंपैक्ट समिट में भारत के अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी ने भी बड़े ऐलान किए। उन्होंने कहा कि एआई का सबसे अच्छा दौर आना अभी बाकी है। एआई कई क्षेत्रों में नए दौर की शुरुआत कर सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया इस बात पर बहस कर रही है कि क्या एआई के कारण ताकत कुछ लोगों के हाथों में सिमट जाएगी। या एआई सभी के लिए मौके और सबके लिए आसान अवसर का माध्यम बनेगा। उन्होंने मौजूदा दौर में कृत्रिम बुद्धिमता के असर को रेखांकित करते हुए कहा कि आज एआई को लेकर दुनिया दोराहे पर खड़ी है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में भाषण नहीं देंगे बिल गेट्स

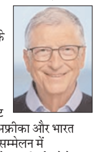

नई दिल्ली। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में वैश्विक तकनीकी हस्तियों की भागीदारी के बीच माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने अपना निर्धारित मुख्य भाषण रद्द कर दिया है। गेट्स फाउंडेशन ने एक्स पर जानकारी दी है कि समिट में उनके स्थान पर फाउंडेशन के अफ्रीका और भारत कार्यालयों के अध्यक्ष अंकुर वोरा सम्मेलन में प्रतिनिधित्व करेंगे और संबोधन देंगे। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब हाल में जारी दस्तावेजों में दिवंगत अमेरिकी वित्तीय कारोबारी जेफ्री एपस्टीन से गेट्स के कथित जुड़े होने के संबंध में ईमेल संवाद उजागर हुआ है।

डीपफेक रोकने के लिए एआई कंटेंट पर लेबल लगे: पीएम

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फार्मूला दिया। पीएम ने कहा कि जैसे खाने के पैकेट पर न्यूट्रिशन लेबल होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी ऑथेंटिसिटी लेबल होना चाहिए, ताकि फर्क पता चल सके।

समिट को गुरुवार को नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के अलावा गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन जैसे लीडर्स ने संबोधित किया। 16 फरवरी से शुरू समिट 20 फरवरी तक चलेगी। इसमें आज 110 से ज्यादा देश, 20 से ज्यादा देशों के प्रमुख और करीब 100 सीईओ और फाउंडर्स शामिल हुए हैं।

- **एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में प्रधानमंत्री ने एआई के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया**

मुकद्दस रमज़ान की दिली मुबारकबाद
कोहिनूर आर्ट ज्वैलर्स
एक अनमोल रिश्ता
- ONLY HALLMARK & HUID CERTIFIED GOLD JEWELLERY SHOWROOM
- LIFE TIME FREE SERVICE
KAJ
सोना, चांदी के जेवरातों के क्रेता व विक्रेता
68- Majra, Dehradun (Uttarakhand)
Mob- 7830677750, 7900900991

फ्री खाना मिलेगा, तो लोग काम क्यों करेंगे: सुप्रीम कोर्ट

अदालत ने कहा: मुफ्त बिजली-पानी देने से काम करने की आदत खत्म हो जाएगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्रीबीज कल्चर (मुफ्त की रेवड़ियां) पर कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेगी, तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को कड़ी फटकार लगाई है।

दरअसल, राज्य सरकार ने कुछ समुदायों के लिए बिजली टैरिफ में सब्सिडी स्कीम की घोषणा की थी। कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इसमें कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं और फिर भी वे विकास को नजरअंदाज करते हुए मुफ्त की घोषणाएं कर रहे हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए, ताकि वे कमा सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सब कुछ मुफ्त मिल जाएगा, तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं? अचानक चुनाव के आसपास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे, तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा। हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं, यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें, जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टीकरण की नीति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने 2024 के विद्युत संशोधन नियमों के नियम 23 को चुनौती दी है। इसमें उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो-महीने में लगभग 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देती है, बिना किसी शर्त के यानी उपभोक्ता चाहे कितना भी खर्च करे, पहली 100 यूनिट के लिए बिल नहीं देना होता। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि बिजली दरों की घोषणा के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक मुफ्त बिजली देने का फैसला क्यों किया।

फ्रीबीज कल्चर को लेकर शीर्ष अदालत ने कहा लोगों को रोजगार दें सरकारें

पांच मई से सीएए मामले में अंतिम सुनवाई होगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) 2019 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 200 से ज्यादा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई 5 मई से शुरू होगी।

बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को अपनी दलील रखने के लिए डेढ़ दिन और केंद्र सरकार को एक दिन का समय दिया जाएगा। अदालत ने बताया कि सुनवाई 12 मई तक पूरी कर ली जाएगी इनमें इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की याचिका भी शामिल है।

- **याचिकाकर्ताओं को अपनी दलील रखने के लिए डेढ़ दिन और केंद्र सरकार को एक दिन का समय मिलेगा**

उत्तराखंड हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

उच्च न्यायालय को त्वरित खाली कराया गया | जांच पड़ताल में कुछ भी नहीं मिला संदिग्ध

शाह टाइम्स ब्यूरो

नैनीताल। उत्तराखंड के विभिन्न अदालतों में आरडीएक्स रखे होने के धमकी भरे मेल पिछले तीन-चार दिन से लगातार मिल रहे हैं। गुरुवार को इसी तरह का एक मेल उत्तराखंड हाईकोर्ट भी पहुंचा, जिसमें कोर्ट परिसर को खाली करने अल्टीमेटम दिया गया था, साथ ही दोपहर के समय विस्फोट किए जाने की धमकी दी गई। इस धमकी के कारण गुरुवार को पूर्वान्ह में कोर्ट का कामकाज रोकना पड़ा।

बता दें कि गुरुवार की पूर्वान्ह में इस मेल की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधिकारी-कर्मचारी समेत बम निरोधक दस्ते समेत डॉग स्क्वाड आदि के साथ मौके पर पहुंचे, जिसके बाद कोर्ट रूम खाली कराए गए और हाईकोर्ट के सभी प्रमुख गेटों पर पुलिस बल तैनात कर हाईकोर्ट में प्रवेश कर रहे लोगों की गहन तलाशी ली गई। इस दौरान हाईकोर्ट के अधिवक्ता बार सभागार के बाहर व मंदिर के सामने प्रांगण में जमा रहे। डॉग स्क्वाड व बम निरोधक दस्ते ने सभी कोर्ट सहित रजिस्ट्री ऑफिस व अन्य अनुभागों का गहन छानबीन की लेकिन छानबीन में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वहीं, हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल ने इस धमकी के बाद हाईकोर्ट परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने पैवेलियन होटल से गेट नंबर 7 तक सड़क किनारे लंबे समय से खड़े वाहनों को हटाने को कहा, ताकि आपातकालीन स्थिति में सड़क में आवागमन सामान्य हो, उनके साथ हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश चंद्र सिंह रावत, महासचिव सौरभ अधिकारी तथा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार सहित अन्य अधिवक्ता भी शामिल थे। हाईकोर्ट में बलास्ट किये जाने का धमकी भरा ई-मेल प्राप्त होने के बाद हाईकोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

आईजी दिखीं एक्टिव मोड में

नैनीताल। आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि हाईकोर्ट में धमकी भरा ई-मेल प्राप्त होने के बाद बम निरोधक दस्ते व डॉग स्क्वाड द्वारा की गई गहन छानबीन ने कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

हाईकोर्ट में स्थानीय पुलिस के साथ ही एसटीएस तथा पीएसी तैनात की गई है। अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के धमकी भरे मेल पिछले कई दिनों से नैनीताल जिले के अलावा अल्मोड़ा, बागेश्वर तथा पिथौरागढ़, चंपावत, उत्तरकाशी, देहरादून व हरिद्वार में भी आए हैं। बताया कि सभी ईमेल पर विधित कार्यवाही चल रही है और एसटीएफ की टीम आईपी एड्रेस ट्रेस करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किए हुए है, जिसमें अब तक मिले तथ्यों में ये मेल विदेशों से भी आई हैं, जिनका गहनता से परीक्षण किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली सहित 22 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुरुवार को देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने उत्तराखंड, दिल्ली समेत 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को लेटर लिखकर एसआईआर से जुड़ी तैयारी का काम जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने लेटर में बताया कि दिल्ली, कर्नाटक सहित शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों मेंएसआईआर प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। लेटर में आगे कहा गया है कि चुनाव आयोग ने पिछले साल 24 जून को आदेश दिया था कि पूरे देश मे एसआईआर किया जाएगा।

कुलदीप सेंगर और सीबीआई समेत सभी दोषियों को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्नाव हिरासत में मौत मामले में कुलदीप सिंह सेंगर और सीबीआई समेत सभी दोषियों को नोटिस जारी किया है। उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता ने कुलदीप सिंह सेंगर समेत दोषियों की सजा बढ़ाने की मांग करते हुए अर्जी दाखिल की थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्नाव हिरासत में मौत मामले में एक सख्त कदम उठाया है। कोर्ट ने इस मामले में कुलदीप सिंह सेंगर और सीबीआई सहित सभी दोषियों को नोटिस जारी किया है।

कांग्रेस का दावा: राहुल गांधी को मिली गोली मारने की धमकी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। करणी सेना के एक कार्यकर्ता ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दी है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने गुरुवार को यह दावा किया। उन्होंने धमकी वाला वीडियो भी सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है।

पवन खेड़ा ने लिखा कि पूरा आरएसएस-भाजपा तंत्र एक गोडसे फैक्ट्री है। तथाकथित करणी सेना द्वारा राहुल गांधी और '25 सांसदों' के खिलाफ दी गई धमकी कोई अलग-थलग पड़ी घटना नहीं है। यह एक सुनियोजित और कपटपूर्ण साजिश का हिस्सा है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि कट्टरपंथ ऐसे ही काम करता है। वे पहले एक झूठ बनाते हैं, पॉलिटिकल अथॉरिटी उसे आगे बढ़ाती हैं और तब तक फैलाती हैं, जब तक उनके फालोअर्स के मन में नफरत और हिंसा नहीं भर जाती। तब भी गोडसे बनाया गया था। आज फिर एक और गोडसे को तैयार किया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद कोटा पुलिस ने आरोपी राज आमेरा को पकड़ लिया है। न्यूज एजेंसी के रिपोर्टर ने राजा आमेरा से बात की। उसने कहा कि मुझे वीडियो की जानकारी नहीं है। विपक्ष ने फेक आईडी बनाकर वीडियो बनाया है। मैं सनातन से जुड़ा हुआ हूं। देश को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता हूं। पुलिस के पकड़ने पर आमेरा ने हाथ जोड़कर कहा कि मुझे वीडियो के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वीडियो में खुद को करणी सेना का बताते हुए शख्स ने संसद में ओम बिरला के चैंबर में हुई घटना का जिक्र किया। शख्स की पहचान राज आमेरा के रूप में हुई है। वह कोटा के उद्योग नगर का है। करणी सेना का संभागीय प्रवक्ता है। करीब 3 दिन पहले ही प्रवक्ता बनाया गया है। राज आमेरा ने कहा कि ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के 25 सांसदों ने जो बदतमीजी की है। वह बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस सब के पीछे राहुल गांधी जिम्मेदार हैं। मैं चेतावनी देता हूं अगर दोबारा ऐसी घटना हुई तो उन 25 सांसदो के घर में तोड़फोड़ करेंगे और राहुल गांधी सुन लें उनके घर में घुसकर गोली मारेंगे। इसका जिम्मेदार प्रशासन होगा। मेरी मांग है कि उन 25 सांसदों पर कार्रवाई हो। मोदी सरकार में मंत्री किरेन रिजिजू को जो बयान सामने आया, उसे सुनने के बाद हम लोग काफी गुस्से में हैं। मेरी इस धमकी के बाद अगर मुझे जेल हो जाए, तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। पवन खेड़ा ने धमकी वाला वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि पहले किरेन रिजिजु ने झूठ बोला। उन्होंने देश को गुमराह किया कि कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा में ओम बिरला का अपमान किया। फिर भाजपा सांसदों ने यह दोहराना शुरू किया कि राहुल गांधी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।

- **पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने करणी सेना के कार्यकर्ता का वीडियो शेयर किया**
- **आरोपी कोटा राजस्थान से पकड़ा गया**

गगनयान मिशन के ड्रोग पैराशूट का क्वालिफिकेशन टेस्ट सफल

नई दिल्ली। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए ड्रोग पैराशूट का क्वालिफिकेशन लेवल लोड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

क्वालिफिकेशन लेवल टेस्ट में अधिकतम उड़ान भार से ज्यादा लोड डालकर पैराशूट की मजबूती और सुरक्षा मार्जिन की जांच की गई। इस टेस्ट के बाद पक्का हुआ कि भारत मजबूत और बड़ी क्षमता वाले रिबन पैराशूट को डिजाइन और बनाने में पूरी तरह सक्षम है। साथ ही पैराशूट असली मिशन जैसी परिस्थितियों में भी सुरक्षित और ठीक तरह से काम करेगा। गगनयान मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाने के लिए ड्रोग पैराशूट बहुत जरूरी है। जब कैप्सूल पृथ्वी के वातावरण में लौटता है, तो यही पैराशूट उसकी तेज गति को कम करने में मदद करता है। यह टेस्ट बुधवार (18 फरवरी) को चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल) की रेल ट्रैक राकेट स्लेड सुविधा में किया गया।

- **डीआरडीओ ने ज्यादा लोड डालकर किया चेक, ये एस्ट्रोनाट्स की धरती पर वापसी में जरूरी**

संक्षिप्त समाचार

दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने की संघ प्रमुख भागवत से मुलाकात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक से भी अलग-अलग मुलाकात की। हालांकि इसे औपचारिक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है, लेकिन प्रदेश में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार और संगठनात्मक फेरबदल की चर्चाओं के बीच इन मुलाकातों ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार संघ प्रमुख ने गुरुवार सुबह दोनों नेताओं से करीब 10-10 मिनट तक अलग-अलग मुलाकात की। इससे पहले बुधवार रात करीब आठ बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ के निराला नगर स्थित संघ कार्यालय परिसर में पहुंचकर संघ प्रमुख से भेंट की।

मैच में मधुमक्खियों का हमला, अंपायर की जान गई

उन्नाव। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन के वरिष्ठ अंपायर मानिक गुप्ता की क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के हमले में मौत हो गई। मानिक गुप्ता केडीएम लीग के मुक.ाबले में अंपायरिंग कर रहे थे। क्रिकेट मैच के दौरान मधुक्खियों के एक झुंड ने अंपायर और खिलाड़ियों को पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से चपेट में आए कई अन्य खिलाड़ियों के घायल होने की खबर हैं। उन्नाव जिले में शुक्लागंज मे स्थित सप्रू मैदान पर क्रिकेट का लीग मैच खेला जा रहा था। मैच के दौरान ही अचानक मधुमक्खियों के एक झुंड ने हमला कर दिया। सफेद कपड़ों में होने के कारण मधुमक्खियों ने अंपायर मानिक गुप्ता और जगदीश शर्मा को सबसे ज्यादा निशाना बनाया।

विपक्ष ने भर्ती, आईटीआई और निवेश नीति पर योगी सरकार को घेरा

भर्तियों में बड़े स्तर पर किया गया भ्रष्टाचार

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ युवाओं और किसानों को लगातार किया जा रहा गुमराह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में गुरुवार को भर्ती प्रक्रिया, आईटीआई संच.ालन और निवेश नीति को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली।

समाजवादी पार्टी के विधायक संग्राम सिंह यादव ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोक सेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की भर्तियों में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। उनका कहना था कि युवाओं और किसानों को लगातार गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को बाबा साहेब के संविधान पर भरोसा नहीं है और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा ने प्रदेश में आईटीआई संचालन को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि आईटीआई को चलाने के लिए अपनाए गए पीपीपी मॉडल के कारण गरीब छात्रों पर महंगी फीस का बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकार इस फैसले पर पुनर्विचार करेगी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को राहत देने के लिए कोई ठोस कदम उठाएगी। आराधना मिश्रा ने यह भी कहा कि कई जिलों में आईटीआई भवन बनकर तैयार हैं, लेकिन उनका संचालन शुरू नहीं हो पाया है। इससे विद्यार्थियों को कक्षाओं के लिए जिला मुख्यालय तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इस पर सरकार की ओर से जवाब दिया गया कि जहां संस्थान संचालित नहीं हो रहे हैं, वहां शीघ्र ही स्टाफ की भर्ती कर उन्हें चालू किया जाएगा। निवेश से जुड़े सवालों पर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए सरकार ने 32 से अधिक औद्योगिक नीतियां बनाई हैं। इन नीतियों के तहत निवेश प्रस्तावों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जा रही है और पिछड़े जिलों विशेषकर पूर्वांचल और बुंदेलखंड को प्राथमिकता दी गई है।

छह वर्षों तक बिजली दरों में एक भी पैसा वृद्धि नहीं: ऊर्जा मंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही के दौरान गुरुवार को ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने समाजवादी पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सपा सरकारों ने प्रदेश को 'बीमारू' बनाकर रखा था। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से प्रदेश में प्रति व्यक्ति बिजली खपत 724 यूनिट तक पहुंच गई है, जो अब तक का उच्च स्तर है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब लगातार छह वर्षों तक बिजली दरों में एक भी पैसा वृद्धि नहीं की गई। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह पहली बार है जब गरीब उपभोक्ताओं को बकाया बिल जमा करने पर 25 प्रतिशत तक की छूट दी गई। साथ ही किसानों के बिजली बिल भी माफ किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार के सभी निर्णय जनता, विशेषकर पिछड़े वर्गों और पिछड़े क्षेत्रों के विद्युतीकरण को ध्यान में रखकर लिए जा रहे हैं।

कौशल विभाग से सीधी सरकारी नौकरी नहीं: कपिल

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ प्रतियोगी परीक्षाओं से ही होती है नियुक्ति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने विधानसभा में प्रश्नों का उत्तर देते हुए स्पष्ट किया कि कौशल विकास विभाग के अंतर्गत सीधी सरकारी नौकरी देने का कोई प्रावधान नहीं है।

उन्होंने कहा कि सरकारी सेवाओं में नियुक्ति प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से ही होती है और यही व्यवस्था सभी शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू है। मंत्री अग्रवाल ने बताया कि विभाग का मुख्य फोकस युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार योग्य बनाना है। विभिन्न औद्योगिक संगठनों और इंडस्ट्री एसोसिएशनों के साथ नियमित समन्वय स्थापित कर प्रशिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में अवसर दिलाने की दिशा में काम किया जा रहा है। प्रशिक्षण साझेदारों को लक्ष्य दिया गया है कि कम से कम 70 प्रतिशत प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने बताया कि युवाओं को रोजगार से सीधे जोड़ने के लिए प्रत्येक नोडल आईटीआई में मासिक रोजगार मेले आयोजित किए जाते हैं, जबकि प्रत्येक तीन माह पर मंडल स्तरीय रोजगार मेले आयोजित होते हैं। इसके अलावा पूरे प्रदेश में पांच बड़े रोजगार मेलों के आयोजन की भी योजना है, जिनमें प्रतिष्ठित कंपनियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें हुनरमंद बनाकर रोजगार उपलब्ध कराना है। कौशल विकास योजनाओं के माध्यम से युवाओं को व्यापक अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गाय को राज्य माता के दर्जे पर सीएम मौन: शंकराचार्य

वाराणसी, वार्ता

ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गुरुवार को कहा कि 'गाय को राज्य माता घोषित करने' और 'गो-मांस निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध' की उनकी मुख्य मांगों पर 20 दिन बीत जाने के बाद भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है।

विद्यामठ में पत्रकारों से बात.चीत करते हुए उन्होंने कहा कि इन मांगों को लेकर दिया गया 40 दिनों का अल्टीमेटम आधा बीत चुका है, लेकिन सरकार की ओर से ठोस पहल दिखाई नहीं दी। शंक.राचार्य ने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा बटुकों के सम्मान से संबंधित टिप्पणी पर कहा कि ष्यह उनकी व्यक्तिगत भावना हो सकती है। बटुकों पर बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रयागराज की एक घटना को लेकर दोनों उपमुख्यमंत्रियों के बयानों के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा कि वे क्यों बोल रहे हैं और क्या कह रहे हैं, यह वही बेहतर जानते हैं। शंकराचार्य ने आरोप लगाया कि गोवंश की स्थिति पर सरकार की ओर से अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की गोरक्षा के मुद्दे पर चुप्पी और अन्य विषयों पर मुखरता को लेकर संत समाज में सवाल उठ रहे हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए नए मौके खोले

नई दिल्ली, वार्ता

■ शी लीड्स भारत से बढ़ रही महिलाओं की आय

राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में जारी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में इस बात पर जोर दिया गया है कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अलग-अलग क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है, जिसमें जमीनी स्तर पर महिलाओं को मजबूत बनाने पर खास ध्यान दिया गया है।

इस समिट में दिखाया गया कि कैसे एआई के माध्यम से विभिन्न प्रकार की पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए उद्यमिता की नई परिभाषा दे रही हैं, जिससे उन्हें भाषा, बाजार पहुंच और सीमित संसाधनों जैसी रुकावटों को दूर करने में मदद मिल रही है। इस संदर्भ में 'शी लीड्स भारत' संगठन उन ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए काम कर रहा है जो छोटे कारोबार चलाती हैं, इसके लिए वह उन्हें ढांचागत प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सहायता दे रहा है। यह संगठन महिला उद्यमियों को अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म 'मेरी सहेली ऐप' पर ऑनबोर्ड कर सहायता प्रदान करता है, जहां उन्हें बेहतर कीमत, बेहतर मार्जिन और ऐसी सेवाओं तक पहुंच मिलती है जो गांव के स्तर पर आने वाली चुनौतियों का समाधान पेश करती हैं। 'शी लीड्स भारत' अभी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात समेत पांच राज्यों में सक्रिय है और इसके पास 40,000 महिला उद्यमियों का नेटवर्क है, जिन्हें 'सहेली' के नाम से जाना जाता है। इस पहल से महिलाओं के नेतृत्व वाले ग्रामीण एंटरप्राइजेज को मजबूत करने और एआई के जिम्मेदार और प्रयोगात्मक इस्तेमाल से समावेशी प्रगति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। शी लीड्स भारत पहल से जुड़ी रुचि सिंह से बात की है जो वाराणसी जिले के सेवापुरी ब्लॉक के नवाहनीपुर गांव के अग्रणी बाजार की सहेली भी हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। रुचि एक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की सक्रिय सदस्य भी हैं जो समुदाय उन्मुख उद्यमिता में उनके गहरे जुड़ाव को दिखाता है। अपने इस सफर में, रुचि डिजिटल उपकरण के कम इस्तेमाल से आगे बढ़कर अपने काम में स्मार्टफोन और एआई सक्षम प्लेटफॉर्म का आत्मविश्वास से इस्तेमाल करने लगी हैं। वह अपने गांव की दूसरी महिलाओं के लिए एक रोल मॉडल बन गई हैं, जो अब सलाह और प्रेरणा के लिए उनसे उम्मीद करती हैं।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर जापान सिटी और सिंगापुर सिटी के लिए 500-500 एकड़ भूमि प्रस्तावित

लखनऊ। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (ईडा) ने जापान सिटी और सिंगापुर सिटी के विकास को लेकर औपचारिक प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। 18 फरवरी को जारी पत्र में प्राधिकरण ने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त को अवगत कराया है कि प्राधिकरण क्षेत्र में इन दोनों प्रस्तावित सिटीज के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है। प्राधिकरण के सीईओ आरके सिंह ने बताया कि इन दोनों सिटी को लेकर भूमि अधिग्रहण से संबंधित योजना तैयार कर ली गई है। योगी आधिकारिक प्रस्तावित जापान और सिंगापुर यात्रा के संदर्भ में प्राधिकरण क्षेत्र के अंतर्गत जापान सिटी और सिंगापुर सिटी के लिए क्षेत्र चिन्हित कर सूचना उपलब्ध कराए जाने की अपेक्षा की गई थी। इसी क्रम में प्राधिकरण ने सेक्टर-5ए और सेक्टर-7 को इन परियोजनाओं के लिए प्रस्तावित किया है। प्राधिकरण की महायोजना के अंतर्गत सेक्टर-7 और सेक्टर-5ए मल्टीपर्पज औद्योगिक क्षेत्र के रूप में नियोजित हैं। इन क्षेत्रों में औद्योगिक उपयोग न्यूनतम 70 प्रतिशत निर्धारित है। इसके साथ ही आवासीय उपयोग अधिकतम 12 प्रतिशत, वाणिज्यिक उपयोग अधिकतम 13 प्रतिशत तथा संस्थागत सुविधाएं न्यूनतम 5 प्रतिशत तक निर्धारित हैं।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 82498.14

निफ्टी 25454.35

सोना रु. 156900
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 248297
प्रति किलो

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से सेंसेक्स 1,236 अंक लुढ़का

मुंबई, वार्ता

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को तेज गिरावट रही और बीएसई का सेंसेक्स 1,236.11 अंक (1.48 प्रतिशत) गिरकर 82,498.14 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 365 अंक यानी 1.41 प्रतिशत लुढ़ककर 25,454.35 अंक पर बंद हुआ।

चौतरफा बिकवाली के बीच मझौली और छोटी कंपनियों में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.63 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.27 प्रतिशत उतर गया। ईरान के आसपास अमेरिका के सैन्य तैनाती बढ़ाने की खबरों से यूरा.पीय बाजारों के साथ घरेलू बाजार में भी निवेश धारना प्रभावित हुई है। ऑटो, रियलटी और मीडिया समूहों के सूचकांक दो प्रतिशत से अधिक टूट गए। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, बैंकिंग, एफएमसीजी, आईटी, धातु और तेल एवं गैस समूहों में एक से दो प्रतिशत की गिरावट रही। सेंसेक्स की सभी कंपनियां लाल निशान में रहीं। इंडिगो का शेयर करीब सवा तीन फीसदी और महिंद्रा एंड महिंद्रा का लगभग तीन फीसदी नीचे बंद हुआ। अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, बीईएल, अडानी पोर्ट्स, क्वालिटी वॉल, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा और आईटीसी के शेयर दो से तीन प्रतिशत तक गिर गए। इटरनल, पावरग्रिड, हिंदुस्तान यूनीलिवर, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फिनसर्व, टाइटन, एलएंडटी और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच टूट गए। बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, सनफार्मा और टीसीएस में भी गिरावट रही।

सोना 1.56 लाख के पार, चांदी 4,000 से ज्यादा महंगी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में गुरुवार को बार फिर सोने-चांदी की कीमतों में चमक देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर आज शुरुआती कारोबार में ही सोना-चांदी हरे निशान में ट्रेड कर रहे थे। वैश्विक संकेतों और घरेलू मांग के बीच आज सोना और चांदी दोनों ही बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। 2 अप्रैल 2026 की एक्सपायरी वाला सोना 1,139.00 (0.73 प्रतिशत) की भारी बढ़त के साथ 1,56,900.00 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है। चांदी की कीमतों में भी आज अच्छी तेजी है। 5 मार्च 2026 की एक्सपायरी वाली चांदी 4,029.00 (1.65 प्रतिशत) के रिकॉर्ड उछाल के साथ 2,48,297.00 प्रति किलो पर ट्रेड कर रही है। पिछले कुछ दिनों से लगातार सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। जानक.ारों के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने का असर सोने-चांदी की कीमतों पर पड़ सकता है। तनाव बढ़ने पर सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ सकती है और सोने-चांदी के भाव चढ़ सकते हैं। चांदी की कीमतों में आई तेजी ने निवेशकों को हैरान कर दिया है, लेकिन भारी उछाल के बावजूद चांदी अपने रिकॉर्ड स्तर से अब भी काफी दूर है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज चांदी2,48,297.00 प्रति किलो पर ट्रेड कर रही है।

चावल, दालें मजबूत, गेहूं, चीनी नरम, खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। दालों में भी तेजी रही। गेहूं और चीनी की कीमतों में गिरावट देखी गई, जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत पांच रुपये बढ़कर 3,859 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं का भाव 10 रुपये घटकर 2,852 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

आटा भी नौ रुपये सस्ता हुआ। दाल-दलहनों में तेजी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 17 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंग दाल 12 रुपये और मसूर दाल 10 रुपये महंगी हुई। चना दाल का भाव नौ रुपये और उड़द दाल का चार रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 101 रिंगिट बढ़कर 4,117 रिंगिट प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.52 प्रतिशत की वृद्धि में 0.52 प्रतिशत की बढ़त में 59.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 64 रुपये प्रति क्विंटल घट गई। पाम ऑयल के दाम 49 रुपये और सूरजमुखी तेल के 15 रुपये कम हुए। सरसों तेल भी 13 रुपये सस्ता हुआ। सोया तेल की कीमत 13 रुपये और वनस्पति की 26 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव नौ रुपये प्रति क्विंटल गिर गए। चीनी भी चार रुपये सस्ती हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल.दलहन: दाल चना 7799.76 रुपये, मसूर काली 8110.59 रुपये, मूंग दाल 10148.45 रुपये, उड़द दाल 10692.65 रुपये, तुअर दाल 11119.02 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काज़ीज़ादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त

भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

भारत स्थापित करना चाहता है समतामूलक समुद्री व्यवस्था: राजनाथ

विशाखापत्तनम। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को विशाखापत्तनम में बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास मिलन 2026 का उद्घाटन किया और कहा है कि भारत अंतर्राष्ट्रीय कानून और नौवहन की स्वतंत्रता पर आधारित एक समतामूलक समुद्री व्यवस्था स्थापित करना चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को मिलकर काम करना होगा। पारंपरिक खतरों के साथ-साथ उभरती चुनौतियां भी मौजूद हैं। समुद्री डकैती, समुद्री आतंकवाद, अवैध मछली पकड़ना, तस्करी, साइबर जोखिम और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी समस्याएं गंभीर हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं, जिससे मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों की मांग भी बढ़ी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि कोई भी एक नौसेना इन चुनौतियों से अकेले नहीं निपट सकती, इसलिए सहयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय जल से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए युनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द लॉ आफ द सी एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चेन्नई में.... एआई हब स्थापित कर रहा है। इसमें बड़े पैमाने पर कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर और एक नया सबसी केबल गेटवे शामिल होगा। इस पहल से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और देश में एआई क्षमताओं का विस्तार होगा। समिट को संबोधित करते हुए पिचाई ने कहा कि डिजिटल खाई को एआई खाई में बदलने नहीं दिया जा सकता। इसके लिए कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी में निवेश जरूरी है। उन्होंने बताया कि गूगल अमेरिका और भारत के बीच चार नए सबसी फाइबर आप्टिक सिस्टम विकसित कर रहा है। यह पहल हाल ही में घोषित 'अमेरिका-इंडिया कनेक्ट' कार्यक्रम का हिस्सा है। पिचाई ने स्वीकार किया कि एआई कार्यक्षेत्र में बड़े बदलाव लाएगा। कुछ नौकरियां ऑटोमेट होंगी, कुछ भूमिकाएं बदलेंगी और कई नई करियर संभावनाएं जन्म लेंगी। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि 20 साल पहले प्रोफेशनल यू-ट्यूब क्रिएटर जैसी कोई अवधारणा नहीं थी, जबकि आज दुनिया भर में लाखों लोग इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। भारत 16 से 20 फरवरी तक इस समिट की मेजबानी कर रहा है। यह आयोजन 'लोग, धरती और तरक्की'- इन तीन प्रमुख सूत्रों पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया। इस समिट में कई देशों और वैश्विक संस्थानों की भागीदारी रही, जो भारत की बहुपक्षीय सहयोग की नीति और एआई के जरिये वैश्विक चुनौतियों का समाधान खोजने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सच से बहुत डरते हैं मोदी और भाजपा दोनों: कांग्रेस

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि मोदी तथा भारतीय जनता पार्टी सच से बहुत डरते हैं इसलिए उनकी पोल खोलते कई एआई वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म से हटा दिए गए हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी एआई पर बहुत बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन असल में वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता से थरथर कांपते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पिछले 6 हफ्तों में कांग्रेस के एआई से बने 9 वीडियो देश के प्रधानमंत्री उनके नेतृत्व वाली केंद्र और भाजपा शासित राज्य सरकारों ने डिलीट करवाए हैं। मैं साफ कर दूं कि ये सभी वीडियो क़ानून के तहत बने थे, जिनमें एआई डिस्क्लेमर थे। सभी वीडियो के पूरी अवधि में एआई सृजित लिखा था-जो दिखाता है कि हमने किसी को गुमराह करने की कोशिश नहीं की, लेकिन भाजपा और खुद प्रधानमंत्री मोदी सच से इतना डरते हैं कि वो सच के 'नाट्य रूपांतरण' से भी खौफ खाते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि इस वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे मोदी ने जनरल नरवणे और सेना को यह कहकर जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया- जो उचित समझो, वही करो। कैसे उन्होंने राष्ट्र हित की अनदेखी करते हुए, अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे मोदी, एप्स्टीन की सलाह पर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प को खुश करने में जुट गए और उन्होंने फिर कैसे अमेरिका के इशारे पर रूस से तेल खरीदना बंद किया। उन्होंने कहा कि इस वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे श्री मोदी ने अमेरिका के किसानों को फायदा पहुंचाया और भारत के किसानों के हक की बलि चढ़ा दी और कैसे उन्होंने उद्योगपति अडानी पर अमेरिका में कसते कानूनी शि.कंजे से बौखलाकर ट्रम्प के आगे सरेंडर किया। उनका कहना था कि वीडियो में यह भी दिखाया गया है कि कैसे मोदी तीन महिला सांसदों से डरकर, सदन छोड़कर भाग गए। वीडियो में जो कुछ दिखाया गया है इनमें से कोई भी बात काल्पनिक या गलत नहीं है। ए सारे वही मुद्दे हैं, जिस पर विपक्ष और पूरा देश सवाल पूछ रहा है, जो भारत के संसद में गूंज रहे हैं। कांग्रेस सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की चेयरपर्सन ने बताया कि इस वीडियो में बताया गया था कि कैसे एआई वीडियो डिलीट करवाए जा रहे हैं और एआई वीडियो को डिलीट करने का आदेश भाजपा शासित राज्य सरकारों-बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र- की पुलिस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भेजा गया। इनमें से कुछ एआई वीडियो को डिलीट करवाने का आदेश सीधे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मंत्रालय से आया है।

राहुल गांधी को करणी सेना की कथित धमकी पर भड़कीं कांग्रेस

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को करणी सेना के एक कथित कार्यकर्ता द्वारा गोली मारने की धमकी दिए जाने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस ने इस मामले को गंभीर सुरक्षा चूक बताते हुए केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा और संघ परिवार के संगठनों ने जो माहौल बनाया है उसमें गांधी को संसद में बोलने तक नहीं दिया जा रहा है। विपक्ष के नेता का सम्मान नहीं किया जा रहा है। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि करणी सेना के एक कार्यकर्ता ने गांधी और 25 सांसदों को मार डालने की धमकी दी है लेकिन इस पर अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि यह अराजकता का स्पष्ट मामला है। उन्होंने आगे कहा कि हम जानते हैं कि अपने विपक्ष के नेता की रक्षा कैसे करनी है। राहुल गांधी भी जानते हैं कि अपनी रक्षा कैसे करनी है, उन्हें अपनी जान की कोई परवाह नहीं है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी इस मामले पर सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

राज्यपाल की अनुमति के बाद बजट सत्र की अधिसूचना जारी

■ नौ मार्च से भराड़ीसैंण विधानसभा में होगा बजट सत्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्यपाल ने उत्तराखंड की पंचम विधानसभा को उसके वर्ष 2026 के प्रथम सत्र के लिए 9 मार्च सुबह 11:00 से विधानसभा भवन भराड़ीसैण गैरसैंण जिला चमोली में बहुत करने की अनुमति दी है। विधानसभा सचिवालय की ओर से इस बारे में अधिसूचना जारी की गई है।

ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण स्थित भराड़ीसैंण विधानसभा में 9 से 13 मार्च तक बजट सत्र होगा। पिछले वर्ष भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में मरम्मत कार्य के चलते प्रदेश सरकार ने देहरादून विधानसभा भवन में बजट सत्र आहूत किया था। कैबिनेट ने बजट सत्र की तिथि व स्थान तय करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अधिकृत किया था। मुख्यमंत्री ने पहले ही संकेत दिए थे बजट सत्र गैरसैंण में ही होगा। विधानसभा को अब तक पक्ष व विपक्ष के विधायकों से 500 से ज्यादा प्रश्न मिल चुके हैं। सत्र आहूत होने में अभी समय है, जिससे प्रश्नों की संख्या बढ़ सकती है। इसके अलावा सरकार की ओर से कई विधयेक, वार्षिक प्रतिवेदन रिपोर्ट पर सदन पटल पर रखे जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण पहले ही कह चुकी है कि भराड़ीसैंण विधानसभा में बजट सत्र कराने के लिए हमारी तैयारी पूरी है। विधानसभा सचिवालय के कर्मचारी व्यवस्थाओं में लगे हैं।

गैरसैंण: 12 साल में केवल 10 सत्र, 35 दिन चली सदन की कार्यवाही

■ इस बार 9 से 13 मार्च तक होगा बजट सत्र

■ पहली बार साल 2014 में गैरसैंण में विधानसभा विशेष सत्र टेंट में किया गया था आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने आगामी विधानसभा बजट सत्र गैरसैंण के भराड़ीसैंण में स्थित विधानसभा भवन में आहूत करने का फैसला लिया है,जिसके लिए तिथियों का भी ऐलान कर दिया गया है। इसके तहत आगामी विधानसभा बजट सत्र 9 से 13 मार्च तक 5 दिवसीय सत्र आहूत होने जा रहा है।

पहली बार साल 2014 में गैरसैंण में विधानसभा विशेष सत्र टेंट में आयोजित किया गया था। जिसके बाद से पिछले 12 सालों में गैरसैंण में 35 दिनों तक सदन की कार्यवाही चली है। उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण जन भावनाओं से जुड़ा हुआ है।यही वजह है कि सरकारें जनता को साधने और जन भावनाओं को देखते हुए गैरसैंण में विधानसभा सत्र आहूत करने का निर्णय लेती रही है। उत्तराखंड के चमोली जिले के गैरसैंण में पहला विशेष विधानसभा सत्र 9 जून 2014 को आयोजित हुआ था, जो टेंट में आयोजित किया गया था।ये विशेष सत्र 9 से 11 जून 2014 तक चला। तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत की सरकार ने इसे राज्य आंदोलनकारियों की मांग को

सम्मान देने के लिए गैरसैंण में सत्र आहूत किया था।

गैरसैंण में साल 2014 में पहला विधानसभा सत्र आहूत होने के बाद गैरसैंण में सत्र आहूत करना का सिलसिला शुरू हो गया। जिसके बाद से लगभग हर साल गैरसैंण में विधानसभा सत्र आहूत होता रहा। हालांकि, साल 2019 और साल 2022 में एक भी सत्र गैरसैंण में आहूत नहीं किया गया।लेकिन हर साल सत्र आहूत किया जाता रहा। साल 2014 के बाद साल 2015 में भी तत्कालीन हरीश रावत सरकार ने टेंट में 2 नवंबर 2015 को विधानसभा सत्र आहूत किया था। फिर गैरसैंण के भराड़ीसैंण में बने स्थायी विधानसभा भवन बनने के बाद पहला सत्र 17 नवंबर 2016 को आहूत हुआ था।इस विधानसभा सत्र को तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने ऐतिहासिक बताया था, क्योंकि इससे पहले गैरसैंण में दो सत्र टेंट में हो चुके थे।

गैरसैंण में कब- कब हुआ विधानसभा सत्र

- 9 से 11 जून 2014 तक गैरसैंण में टेंट में विधानसभा विशेष सत्र आहूत हुआ था।
- 2 से 3 नवंबर 2015 तक गैरसैंण में टेंट में विधानसभा सत्र हुआ था।
- 17 से 18 नवंबर 2016 तक गैरसैंण के भराड़ीसैंण में बने स्थायी विधानसभा भवन में विधानसभा सत्र हुआ था।
- 7 से 8 दिसंबर 2017 तक भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में सत्र हुआ था।
- 20 से 26 मार्च 2018 तक भराड़ीसैंण में बजट सत्र हुआ था।
- साल 2019 में भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में कोई भी सत्र नहीं हुआ।
- 3 से 7 मार्च 2020 तक भराड़ीसैंण में बजट सत्र हुआ था।
- 1 से 6 मार्च 2021 तक भराड़ीसैंण में बजट सत्र हुआ था।
- साल 2022 में भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में कोई भी सत्र नहीं हुआ।
- 13 से 16 मार्च 2023 तक भराड़ीसैंण में बजट सत्र आहूत हुआ था।
- 21 से 23 अगस्त 2024 तक भराड़ीसैंण में विधानसभा सत्र हुआ था।
- 19 से 20 अगस्त 2025 तक भराड़ीसैंण में विधानसभा सत्र आहूत हुआ था।

नैन बाग और न्यायालयों को उड़ाने की धमकी से मचा हड़कंप

■ ई-मेल के बाद उत्तराखंड के सभी कोर्ट हाई अलर्ट पर

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में एक बार फिर अराजक तत्वों ने ई-मेल के जरिए दहशत फैलाने की को. शिश की है। नैन बाग (नैन लाख) क्षेत्र के साथ-साथ प्रदेश के कई महत्वपूर्ण न्यायालयों को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस दो. हरी चुनौती के बाद शासन से लेकर प्रशासन तक में हड़कंप मच गया है। आनन-फानन में राजधानी समेत कई जिलों की सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बना दिया गया है।

न्यायालयों की सुरक्षा बढ़ाई गई, सघन चेकिंग जारी: धमकी भरे ई-मेल में उत्तराखंड के प्रमुख न्यायालयों को निशाना बनाने की बात कही गई है। इसके तुरंत बाद नैनीताल हाईकोर्ट समेत देहरादून, हरिद्वार और अन्य जिला न्यायालयों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने अदालतों के प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर और सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

निशाने पर देवभूमि के न्याय मंदिर

ई-मेल के जरिए देहरादून, नैनीताल और अन्य संवेदनशील इलाकों के न्यायालयों को बम से दहलाने की बात कही गई है।आईबी और स्थानीय इंटेलिजेंस यूनिट धमकी के पैटर्न की जांच कर रही है ताकि यह पता चल सके कि यह किसी की शरारत है या कोई बड़ी साजिश। कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले हर वाहन और व्यक्ति की बारीकी से जांच की जा रही है। बिना पहचान पत्र के प्रवेश वर्जित कर दिया गया है

आरोपी जल्द होंगे सलाखों के पीछे होंगे

एसएसपी प्रमेंद्र डोभाल ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि पुलिस हर एक इनपुट को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा की धमकी भरे ई-मेल के पीछे की साजिश का पर्दाफाश करने के लिए साइबर सेल और एसटीएफ को लगा दिया गया है। नैन बाग और न्यायालयों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जल्द ही आरा. 'पी सलाखों के पीछे होंगे।

चारधाम यात्रा और आगामी कुंभ मेले की तैयारियों की दी गई जानकारी

■ पुलिस महानिदेशक दीपक सेठ ने की राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से गुरुवार को लोक भवन में पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को चारधाम यात्रा की तैयारियों तथा आगामी कुंभ मेले' के लिए प्रस्तावित सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील स्थलों की निगरानी एवं अंतर विभागीय समन्वय की तैयारियों से अवगत कराया।

राज्यपाल ने कहा कि कुंभ जैसे विश्वस्तरीय आयोजन में एआई एवं अत्याधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जाए,' ताकि भीड़ प्रबंधन, संदिग्ध गति. विधियों की पहचान तथा रियल-टाइम मॉनिटरिंग प्रभावी ढंग से की जा सके।

उन्होंने कहा कि 'कुंभ क्षेत्र में एडवांस्ड एवं एकीकृत कंट्रोल रूम की स्थापना की जाय जो विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों, सीसीटीवी नेटवर्क, ड्रोन सर्विलांस तथा ट्रैफिक मॉनिटरिंग सिस्टम से समन्वित हो।' इससे त्वरित निर्णय लेने एवं आपात स्थितियों में प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सकेगी। राज्यपाल ने प्रदेशभर में चल रहे सघन सत्यापन अभियान को और अधिक फोकस एवं परिणामोन्मुखी ढंग से अनवरत संचालित करने पर बल दिया।

आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत राज्यपाल ने निर्देश दिए कि यात्रा मार्गों, पड़ाव स्थलों एवं मंदिर परिसरों में सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन, आपदा प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण की पूर्व तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं

जन जन के द्वार अभियान से आम जन को मिली राहत: सीएम

शाह टाइम्स ब्यूरो

चिन्यालीसौड़ / उत्तरकाशी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को विकास खंड परिसर चिन्यालीसौड़ में आयोजित जन-जन की सरकार,जन -जन के द्वार कार्यक्रम में विभागीय स्टालों का निरीक्षण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम से आम जन को राहत मिली है तथा प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक सुगम और पारदर्शी हुई है। इस अभियान के तहत अब तक 600 से अधिक शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों में पाँच लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया, जबकि 40 हजार से ज्यादा लोगों को विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को छोटी-छोटी

■ प्रशासनिक व्यवस्था बनी और अधिक सुलभ और पारदर्शी, कार्यक्रम में विभागीय स्टालों का निरीक्षण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया

समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय तक न जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया में सनातन का उद्घोष हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया का सिरमौर बनेगा प्रधानमंत्री ने जो विकसित भारत का संकल्प लिया है उसमें उत्तराखंड भी अपना महत्वपूर्ण रूप से योगदान देगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव उत्तराखंड शासन आनन्द वर्द्धन, यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल, दर्जाधारी राज्य मंत्री रामसुंदर नौटियाल, प्रताप पंवार, गीताराम गौड़, गढ़वाल समन्वयक किशोर भट्ट, प्रदेश मीडिया प्रभारी भाजपा मनवीर चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा डॉ. स्वराज विद्वान, ब्लाक प्रमुख रणबीर सिंह महंत, नगर पालिका अध्यक्ष मनोज कोहली, एवं जिलाधिकारी प्रशान्त आर्य, पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय, सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चिन्यालीसौड़ और गौचर हवाई पट्टी का सेना के माध्यम से किया जाएगा संचालन : धामी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हैली सेवा के विस्तार के लिए सरकार ने अहम निर्णय लिए है। उन्होंने कहा कि चिन्यालीसौड़ एवं गौचर हवाई पट्टी से हैली सेवा शुरू होगी। दोनों हवाई पट्टी सेना के माध्यम से संचालित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू हो जाएगी। सरकार ने यात्रा की तैयारी पहले से ही शुरू कर दी है। ताकि यात्री, श्रद्धालु यहां से अच्छा अनुभव लेकर जाएं।

कार्यक्रम में अब तक पांच लाख से अधिक नागरिकों ने किया प्रतिभाग

मुख्य सचिव आनन्द वर्द्धन ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जन-जन की सरकार,जन जन के द्वार अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया है। जिसमें अब तक 5 लाख से अधिक नागरिकों ने प्रतिभाग किया तथा 40 हजार से अधिक नागरिकों के विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र जारी किए गए। ग्रामीणों की छोटी-छोटी समस्याओं के निस्तारण के लिए संयुक्त टीमें गठित कर समस्याओं का मौके पर समाधान किया जा रहा है।

सीएचसी चिन्यालीसौड़ एवं महाविद्यालय का उच्चीकरण को सीएम घोषणा में शामिल करने का आश्वसन: महिला सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने तय किया है कि हमारी बहनों द्वारा उत्पादित उत्पादों की देश ही नही बल्कि दुनिया में पहचान मिल सके जिसके लिए निरंतर काम किया जा रहा है। कहा कि महिलाओं द्वारा जो भी उत्पाद बनाये जा रहे है उसकी देश और दुनिया में मांग बढ़ी है। इस दिशा में राज्य सरकार ने अब तक दो लाख से अधिक लखपति दीदियों को सशक्त किया है।

जलकल्याण पर प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है धामी सरकार: भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने ष्जन जन की सरकार, जन जन के द्वार अभियान को कल्याणकारी राज्य की अवधारणा स्थापित करने वाला बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने अभियान के सफलतापूर्वक 2 महीने पूरे होने पर मुख्यमंत्री धामी का आभार व्यक्त करते हुए इसे जनसंवाद से समस्या निवारण की श्रेष्ठतम पहल बताया। इस अभियान के आंकड़े, अंत्योदय कल्याण के सिद्धांत को धरातल पर उतारने की कहानी बयां कर रहे हैं।

उन्होंने मीडिया में जारी प्रतिक्रिया में कहा कि, सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रदेश के चौमुखी विकास के साथ प्रत्येक व्यक्ति के जलकल्याण पर प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। आज पीएम मोदी द्वारा निर्धारित वर्तमान दशक को

■ अभियान के सफल 2 महीने, जनसंवाद से समस्या निवारण की श्रेष्ठतम पहल : भाजपा

उत्तराखंड का दशक बनाने के लक्ष्य पर राज्य आगे बढ़ गया है। राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, उद्योग, पर्यटन, स्वास्थ्य, कृषि, बागवानी, शिक्षा आदि तमाम क्षेत्रों में विकास के अनेकों आयाम जोड़े गए हैं। जिसका सीधा-सीधा लाभ, आम जनता के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव और खुशहाली लाने वाला साबित हुआ है।

उन्होंने कहा, हमारी डबल इंजन सरकार के इन्हीं कामों पर प्रदेश की जनता, बार-बार संतुष्टि की मुहर लगा रही है। लेकिन हम इतने से भी संतुष्ट होने वाले नहीं है और यह अभियान अंत्योदय कल्याण की भावना के अंतर्गत चलाया गया। जिसका लक्ष्य था प्रत्येक राज्यवासी को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और उनकी समस्या का निवारण करना। पहले 45 दिन की समयावधि तय की गई थी, जिसे जनहित में बढ़ाया गया। इन दो महीनों में अभियान के जो परिणाम सामने आए हैं वह बेहद उत्साहवर्धक और संतोषजनक हैं। किसी भी सरकार की कल्पना से करे हैं कि न्याय पंचायत स्तर पर जनता के द्वार पर बहुउद्देशीय शिविर लगाए जाएं।

उसमें भी सफलता ऐसी कि कैंप में 5 लाख से अधिक लोग प्रतिभागी बनें और उसमें से लगभग 3 लाख लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिले।उन्होंने सरकार के इस प्रयास को जनसेवा के क्षेत्र में अभूतपूर्व पहल बताया है।

मौके पर ही हो गया 60 फीसदी समस्याओं का त्वरित समाधान

इस अभियान की सबसे खासियत रही, नौकरशाही की जटिलताओं को कम करना और प्रशासन का खुद जनता के मध्य पहुंचकर सीधा संवाद स्थापित करना। जिसका लाभ यह रहा कि मौके पर ही 60 फीसदी समस्याओं का त्वरित समाधान हो गया। ये नई पहल थी किसानों को सब्सिडी पर बीज, उर्वरक और कृषि यंत्र जैसे कल्टीवेटर आदि बांटे गए, दैनिक जीवन से जुड़े अनेकों प्रमाणपत्र जारी हुए, अनेकों योजनाओं का सिंगल विंडो सिस्टम से लाभ जनता को मिला। पंचायत स्तर कर नोडल अधिकारी नियुक्त होने से अभियान का प्रबंधन और प्रभाव शानदार रहा।

पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्रों से 8 आरोपी पकड़े

देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) देहरादून के निर्देशों पर जिले में वारंटियों के खिलाफ पुलिस का अभियान जोर-शोर से जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 08 वारंटियों को गिरफ्तार किया है।

न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंटों के शत-प्रतिशत पालन के लिए एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को सख्त हिदायत दी थी। इन निर्देशों के अनुपालन में 19 फरवरी की रात पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस टीमों ने विभिन्न मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 8 अभियुक्तों को उनके घरों और अन्य ठिकानों पर दबिश देकर दबोच लिया।बसंत विहार पुलिस ने श्री देव सुमन नगर निवासी नवीन उर्फ काकू और संगम विहार निवासी राजकुमार सुभाष चन्द, सागर और अभय उर्फ अब्बू को हिरासत में लिया।

एक मार्च से ऑनलाइन पोर्टल पर होगा रोगियों का पंजीकरण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सचिव आयुष रंजना राजगुरु ने सख्त निर्देश दिए कि प्रदेश के आयुष चिकित्सालयों में रोगी पंजीकरण की व्यवस्था को पूर्णत: ऑनलाइन पोर्टल पर स्विच किया जाए, जिसे आगामी 01 मार्च, 2026 से अनिवार्य रूप से लागू करने का लक्ष्य रखा गया है।

सचिव आयुष रंजना राजगुरु की अध्यक्षता में बीते दिवस हुई आयुष विभाग के महत्वपूर्ण एजेन्डा बिंदुओं पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक में कई निर्देश दिए गए बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत प्राप्त बजट, राष्ट्रीय आयुष मिशन के कार्यों और श्सेंट्रल ऑफ एक्सीलेंसश के लिए जारी 4 लाख की सीमा के भीतर रिनोवेशन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। । इसके अतिरिक्त, उन्होंने अधिकारियों को प्रतिमाह न्यूनतम 8 चिकित्सालयों का अनिवार्य

■ उत्तराखंड में आयुष चिकित्सालयों में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य उपलब्ध कराने पर जोर, सचिव आयुष ने की ने विभागीय कार्यों की व्यापक समीक्षा

निरीक्षण करने और दवाओं के स्टॉक रजिस्टरों को नियमित रूप से मेंटेन करने के निर्देश दिए, जिन्हें भविष्य में ऑनलाइन पोर्टल पर स्थानांतरित किया जाएगा।

विभागीय कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से सचिव महोदया ने निर्देश दिए कि जिले के समस्त कार्मिकों की गतिविधियों और प्रगति की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाए।

औषधि निरीक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे फार्मेसियों का नियमित निरीक्षण करें, सैंपल्स एकत्रित करें और अपनी रिपोर्ट को विभागीय पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपडेट करें। बैठक में आयुष मानव संसाधन के युक्तिकरण और उनके नियमित प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया गया ताकि जन-सामान्य को आयुष चिकित्सा सेवाओं का पूर्ण लाभ मिल सके और उपलब्ध विशेषज्ञों की सेवाओं का भी क्षमतानुसार सम्यक उपयोग सुनिश्चित हो सके।

बैठक के दौरान 10/25 शैय्यायुक्त चिकित्सालयों, जैसे कि मुनिकीरेती, कोटद्वार, झाझरा, बडकोट और चंबा आदि में उच्चीकरण एवं उपकरणों की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

सूबे में नकलविहीन होंगी बोर्ड परीक्षाएं: डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की हाईस्कूल (10वीं) व इंटरमीडिएट (12वीं) की परीक्षाएं आगामी 21 फरवरी से शुरू होगी। इस बार प्रदेश भर में 2 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। बोर्ड परीक्षा को नकल. विहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी कराने के लिये विभागीय अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे दिये गये हैं, साथ ही संवेदनशील व अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने को भी कहा गया है।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि आगामी 21 फरवरी से शुरू होने वाली उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि 10वीं व 12वीं कक्षाओं की परिषदीय परीक्षाएं निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के लिए गाइडलाइन जारी कर दी गई है, जिसमें विभागीय अधिकारियों, जिला प्रशासन व पुलिस विभाग को आपसी समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिये गये हैं। डॉ. रावत ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं के लिहाज से संवेदनशील एवं अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर अतिरिक्त व्यवस्था करने, विशेष उड़नदस्तों की तैनाती तथा लगातार निगरानी करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये गये हैं। परीक्षा केन्द्रों के आसपास धारा-144 के नियमों का पालन, अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक तथा प्रश्नपत्रों की सुरक्षित आपूर्ति, संग्रहण व गोपनियता सुनिश्चित करने को केन्द्र व्यवस्थापकों, निरीक्षकों और संबंधित अधिकारियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। डॉ. रावत ने बताया कि बोर्ड परीक्षा में इस बार लगभग 2 लाख 15 हजार से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे, इसके लिये प्रदेशभर में 1261 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं, जिसमें 156 संवेदनशील जबकि 6 अति संवेदनशील केन्द्र हैं।

■ संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश, 21 फरवरी से शुरू होंगी 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं

आमजन के जीवन में आएगा सकारात्मक परिवर्तन

धामी के नेतृत्व में यह पहल प्रशासनिक संवेदनशीलता और पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हुई साबित

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम प्रदेश में सुशासन की सशक्त मिसाल के रूप में उभरकर सामने आया है। यह अभियान केवल एक प्रशासनिक पहल भर नहीं, बल्कि शासन को सीधे आमजन तक पहुँचाने की प्रभावी कार्यशैली के रूप में स्थापित हुआ है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि जनकल्याणकारी योजनाएँ कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि प्रदेश के दूरस्थ, पर्वतीय और सीमांत क्षेत्रों तक वास्तविक रूप से पहुँचें। अधिकारियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में पहुँचकर जनसमस्याओं का मौके पर समाधान किया गया, जिससे

बड़ी संख्या में नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ। रिकॉर्ड स्तर पर लाभार्थियों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि शासन व्यवस्था अब अधिक सक्रिय, उत्तरदायी और जनोन्मुखी बनी है।

यह पहल प्रशासनिक संवे. दनशीलता और पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई है। शिकायतों के त्वरित निस्तारण, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और संवाद की खुली व्यवस्था ने जनता के विश्वास को सुदृढ़ किया है। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों की भागीदारी और भरोसा दोनों मजबूत हुए हैं।

कार्यक्रम ने यह भी स्पष्ट किया है कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, स्वरोजगार, खाद्य सुरक्षा तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अब एक सतत अभियान के रूप में प्रदेश में सुशासन, सेवा और विकास की नई परंपरा स्थापित कर रहा है। यह कार्यक्रम प्रशासन और जनता के बीच दूरी कम कर उत्तराखंड को प्रगतिशील एवं जनकेंद्रित राज्य के रूप में सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जनसंवाद बन रहा कार्यक्रम की विशेष पहचान : सीएम

■ शिविर में 127 शिकायतें दर्ज, 78 का मौके पर किया गया निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

चिन्यालीसौड़/ उत्तरकाशी प्रदेश में संचालित महत्वकांक्षी अभियान 'जन जन की सरकार, जन जन के द्वार' अभियान में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहभागिता कर कार्यक्रम को नई ऊर्जा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने जनसमस्याओं को सीधे सुनने और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान की सराहना की और इसे सरकार की जनप्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बताया।

चिन्यालीसौड़ विकासखण्ड मुख्यालय में आयोजित शिविर और जन सुनवाई कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन आनंद वर्धन सिंह की उपस्थिति में कुल 127 शिकायतें दर्ज हुई जिनमें से 78 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शिविर में उपनल कार्मिकों द्वारा मुख्यमंत्री को समान कार्य समान वेतन लागू करने पर धन्यवाद देते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

शिविर में मां रेणुका देवी क्लस्टर की सुनीता देवी द्वारा बताया कि उनके क्लस्टर द्वारा स्थानीय उत्पाद बनाए जाते हैं और समूह द्वारा यात्रा रूट पर आउटलेट लगाने की मांग की गई जिस पर मुख्यमंत्री द्वारा जिलाधिकारी को यात्रा रूट पर रीप के माध्यम से आउटलेट स्थापित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। अंजु भंडारी द्वारा मशरूम उत्पादन प्रक्रिया हेतु कम्पोस्ट यूनिट स्थापित करने में सहायता करने की मांग की जिस पर मुख्यमंत्री द्वारा संबंधित विभाग को प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिए।

सभासद सिद्धार्थ नौटियाल द्वारा चिन्यालीसौड़ में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गाइनोकोलॉजिस्ट की कमी तथा विकासखंड मुख्यालय के सड़क मार्ग की खराब स्थिति की समस्या बताई जिस पर मुख्यमंत्री ने अधिशासी अभियंता लोनिवि को एक सप्ताह में सड़क को ठीक करने के निर्देश दिए। शीशपाल चंद रमोला द्वारा ग्राम पंचायत बड़ीमणि में दैवीय आपदा से सामुदायिक भवन के क्षतिग्रस्त होने और वहां पर भूस्खलन के उपचार हेतु सुरक्षा दीवार लगाने की मांग की जिस पर मुख्यमंत्री द्वारा संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

विकासखण्ड चिन्यालीसौड़ मुख्यालय में आयोजित शिविर में मुख्यमंत्री द्वारा रेणुका देवी क्लस्टर को रू. 4.50 लाख का चेक वितरित किया। उद्यान विभाग द्वारा सेब की अति सघन बागवानी हेतु उत्कृष्ट काश्तकार अजयपाल, अतोल सिंह, जुद्धवीर सिंह और भूपेन्द्र सिंह को सेकंड किश्त मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदान की गई। समाज कल्याण विभाग द्वारा 13 कान की मशीन वितरित की गई।

बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रशासन मुस्तैद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् रामनगर (नैनीताल) की ओर से आयोजित 21 फरवरी को हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट परीक्षाओं में नकल की रोकथाम और परीक्षाओं को शान्तिपूर्वक ढंग से संपन्न कराने को लेकर जिला कार्यालय में बैठक अहम आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने की जिनमें जनपद के सेक्टर मजिस्ट्रेट पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्र व्यवस्थापक, पर्यवेक्षक, खण्ड शिक्षा अधिकारी आदि मौजूद थे।

मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र बिष्ट ने बताया कि परिषदीय परीक्षा के लिए जनपद में 69 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं, इनमें 4 संवेदनशील तथा 65 सामान्य परीक्षा केन्द्र है। परीक्षाएं 21 फरवरी से 20 मार्च तक एकल पाली में प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक संपंन होंगी। बताया कि जनपद में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट परीक्षा में कुल 6521 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिनमें से हाईस्कूल के 3306 तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थी 10। वहीं इण्टरमीडिएट संस्थागत परीक्षार्थी 3180 तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थी 25 सम्मिलित होंगे। सभी परीक्षा केन्द्र सेक्टर मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, कस्टोडियन, पर्यवेक्षक आदि की नियुक्ति की गई है। बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं को लेकर जनपद में 2 संकलन केन्द्र राइंका रतूड़ा एवं अउराइंका अगस्त्यमुनि बनाये गये हैं। प्रभावी निरीक्षण एवं अनुश्रवण को लेकर जनपद व विकासखण्ड स्तर पर सचल दल का गठन किया जा चुका है। जनपद के सभी परीक्षा केन्द्रों को उत्तर पुस्तिका एवं गोपनीय सामाग्री वितरित की जा चुकी है। जनपद स्तर पर त्वरित सूचनाओं अथवा समस्याओं के समाधान के लिए मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कन्ट्रोल रूम का निर्माण किया जा चुका है। एडीएम श्याम सिंह राणा ने व्यवस्थापकों और मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया है कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गोपनीय सामग्री का वितरण पहले ही किया जा चुका है।

जनगणना-2027 को त्रुटिरहित एवं सफल बनाने को अधिकारियों को व्यापक प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार ।आगामी जनगणना-2027 की तैयारियों के क्रम में जिला कार्यालय सभागार में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के शुभारम्भ अवसर पर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने उपस्थित चार्ज अधिकारियों, चार्ज सहायकों एवं संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे प्रशिक्षण को पूर्ण गंभीरता एवं उत्तरदायित्व के साथ ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसकी सूचनाएँ देश की विकास नीतियों, योजनाओं एवं संसाधनों के न्यायसंगत वितरण का आधार बनती हैं। कहा कि इसे शत-प्रतिशत शुद्धता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।जिलाधिकारी ने जनगणना निद. ेशालय से आए अधिकारियों से अपेक्षा की कि प्रशिक्षण सत्र व्यवहारिक, संवादात्मक एवं रोचक हो, ताकि चार्ज अधिकारी जमीनी स्तर पर कार्य करते समय किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करें।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित अधिकारी ही इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम की सफलता की कुंजी हैं और उनके माध्यम से ही विश्वसनीय एवं प्रमाणिक आंकड़े संकलित किए जा सकेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना के दौरान आमजन का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करें, ताकि प्रत्येक नागरिक सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराए और यह राष्ट्रीय दायित्व सफलतापूर्वक संपन्न हो सके ।गौरतलब हो कि भारत में पूर्व जनगणना वर्ष 2011 में संपन्न हुई थी। अब आगामी जनगणना-2027 का प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना वर्ष 2026 में तथा द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना वर्ष 2027 में किया जाना प्रस्तावित है। राज्य में प्रथम चरण का कार्य 25 अप्रैल 2026 से 24 मई 2026 तक संचालित होगा। इसके अतिरिक्त 10 अप्रैल 2026 से 24 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी, जिसके अंतर्गत परिवार पहली बार वेब पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके उपरांत प्रगणक द्वारा उक्त विवरण का सत्यापन किया जाएगा। द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना का कार्य 09 फरवरी 2027 से 28 फरवरी 2027 तक संचालित होगा।

दिव्यांगों को मुख्य धारा से जोड़ना व आत्मनिर्भर बनाना है

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद टिहरी गढ़वाल के मुख्यालय स्थित विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की जिला प्रबंधन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के उस विशेष वर्ग को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है जो शारीरिक रूप से अक्षम हैं।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित यह केंद्र वर्तमान में जिला अस्पताल बौराड़ी में संच. ालित किया जा रहा है जिसका लाभ दूर दराज के क्षेत्रों से आने वाले लोगों को मिल रहा है। इस केंद्र के माध्यम से दिव्यांगजनों को न केवल आवश्यक सहायता

उपकरण और कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जा रहे हैं बल्कि उन्हें शैक्षिक सेवाएं और व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उनके जीवन स्तर को सुधारने का भी निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

बैठक के दौरान जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के नोडल अधिकारी सुशील बहुगुणा ने एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण देते हुए मार्च 2025 से फरवरी 2026 तक की प्रगति रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक वर्ष में विभाग ने जमीनी स्तर पर काफी सक्रियता दिखाई है जिसके तहत जिले भर में कुल 8990 यूडीआईडी कार्ड बनाए गए हैं।

इसके साथ ही 6827 ऐसे दिव्यांगजनों का चिन्हीकरण किया गया है जिन्हें पेंशन का लाभ मिल रहा है। प्रशासन द्वारा इस अवधि में 9502 जरूरतमंदों को कृत्रिम अंग व्हीलचेयर कान की मशीन और छड़ी जैसे आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं ताकि उनका जीवन कुछ आसान हो सके। इसके अलावा 8997 लोगों के नए दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाए गए हैं जिससे उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके।

शारीरिक रूप से अक्षम लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में भी प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। स्वरोजगार से जुड़ने के लिए कुल 21 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें से 12 लोगों को सफलतापूर्वक स्वरोजगार से जोड़ दिया गया है। इन लोगों ने परचून की दुकान दूध डेयरी टेंट हाउस सिलाई केंद्र लघु उद्योग और गारमेंट की दुकान जैसे उद्यम शुरू कर अपनी आजीविका को मजबूत किया है और दूसरों के लिए प्रेरणा बने हैं। इसके साथ ही विद्यालयों में चलाए गए विशेष जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 2100 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल ने बाल विकास विभाग को कड़े निर्देश दिए कि वे जनपद में निवासरत कुल दिव्यांगजनों की एक सटीक और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें। वहीं शिक्षा विभाग को उनकी शैक्षिक स्थिति का ब्यौरा प्रस्तुत करने तथा लीड बैंक अधिकारी को बैंक ऋण से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं ताकि स्वरोजगार के इच्छुक लोगों को भटकाना न पड़े। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय गौरव जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रेष्ठा भाकुनी एलडीएम मनीष मिश्रा सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

फिर दहला न्यायालय! रुद्रप्रयाग कोर्ट को दोबारा धमकी भरा ई-मेल, अफरा-तफरी के बीच खाली कराया परिसर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद मुख्यालय स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय रुद्रप्रयाग को एक बार फिर धमकी भरा ई-मेल मिलने से हड़कंप मच गया। वीरवार को जनपद न्यायाधीश के माध्यम से पुलिस को सूचना दी गई कि न्यायालय की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर अज्ञात स्रोत से गंभीर धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ है।

लगातार दूसरी बार मिली इस तरह की धमकी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। न्याय के मंदिर को निशाना बनाए जाने से आमजन में भी दहशत का माहौल देखा गया।

अलर्ट पर पुलिस महकमा, मिनटों में घिरा कोर्ट परिसर

सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भारी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे।

एहतियातन पूरे न्यायालय परिसर को खाली कराया गया। अभिसूचना इकाई, बम निरोधक दस्ता, श्वान दल, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग और ड्रोन टीम ने मोर्चा संभाला। न्यायालय भवन के प्रत्येक कक्ष, रिकॉर्ड रूम, पार्किंग स्थल और आसपास के क्षेत्र की सघन चेकिंग की गई। कुछ समय के लिए अदालत की कार्यवाही भी प्रभावित रही और परिसर के बाहर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घंटों चला हाई-अलर्ट सर्च ऑपरेशन, नहीं मिली संदिग्ध वस्तुख्र

करीब कई घंटों तक चले तकनीकी निरीक्षण और सर्च अभियान के बाद किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। हालांकि पुलिस ने इसे बेहद संवे. दनशील मामला मानते हुए सुरक्षा में कोई ढिलाई न बरतने के निर्देश दिए हैं। साइबर टीम ई-मेल की आईपी डिटेल, सर्वर लोकेशन और डिजिटल ट्रेल खंगाल रही है। धमकी भेजने वाले अज्ञात तत्वों की पहचान के लिए विशेष जांच शुरू कर दी गई है।

माहौल बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

एसपी नीहारिका ने साफ शब्दों में कहा है कि न्यायालय जैसे संवे. दनशील संस्थान को निशाना बनाना गंभीर अपराध है। ऐसे कृत्य करने वालों को चिन्हित कर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जनपद में फिलहाल सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था सामान्य बताई जा रही है, लेकिन न्यायालय परिसर सहित अन्य संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त निगरानी बढ़ा दी गई है।बहरहाल, लगातार मिल रही धमकियों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर न्यायालय को बार-बार निशाना बनाने के पीछे किसकी साजिश है? पुलिस अब इस पूरे प्रकरण की तह तक जाने की तैयारी में है।

मां छिन्नमस्ता के दरबार में नौ दिवसीय अनुष्ठान शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। सिलगढ़ पट्टी के ग्राम भंणगा में स्थित 10 महाविद्याओं में से एक, मां छिन्नमस्ता के अत्यंत सिद्ध और गुप्त तीर्थ में एक बार फिर भक्ति का सैलाब उमड़ने वाला है। फरवरी 2011 के बाद, अब 13 वर्षों के लंबे अंत. राल के बाद मां भगवती का भव्य महायज्ञ शुरू हो गया है। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह है और लंबे समय से शांत पड़े गांव में धियाणियों और प्रवासियों के आगमन से रौनक लौट आई है।

धार्मिक ग्रंथों और स्कंद पुराण के केदारखंड के अनुसार, सूर्यप्रयाग के उत्तर भाग में देवी के इस परम गुप्त पीठ की स्थिति का वर्णन मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, प्राचीन काल में यहां भगवान शिव और माता पार्वती का निवास था। मान्यता है कि एक बार देवी छिन्नमस्तिका पिनपिना के सौड़ की ओर जा रही थीं, तभी उन्हें पहाड़ी के शिखर पर एक दिव्य मंदिर दिखा। उस स्थान तक पहुंचने के लिए देवी ने लाल गाय का रूप धारण कर एक बड़े खेत को पार किया। जाखनी गांव के लोगों के गाय को देखकर शोर मचाने पर देवी ने कन्या का रूप धर लिया और अंततः इसी स्थान पर अपने विकराल छिन्नमस्ता स्वरूप में प्रकट हुईं। लोक मान्यताओं के अनुसार, देवी छिन्नमस्ता के प्रकट होने के साथ ही यहां सौम्य स्वरूपा मां पिठसैणी का भी आविर्भाव हुआ। मंदिर के बाहर आज भी माता पार्वती की एक अत्यंत सुंदर पाषाण प्रतिमा स्थापित है। इस स्थान की एक विशिष्ट परंपरा यह भी है कि पिठासैणी को दान देने के कारण अगस्त्यकुल के देवता यहां नहीं आते हैं।

एक नजर ....

असामाजिक तत्वों पर पुलिस अधीक्षक का कड़ा रुख

रुद्रप्रयाग। जनपद में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर के निर्देशन में बुधवार रात पूरे जनपद में एक व्यापक चेकिंग एवं सत्यापन अभियान चलाया गया। इस अभियान से जहां कानून तोड़ने वालों में हड़कंप मचा रहा, वहीं आम जनता ने पुलिस की इस सक्रियता की सराहना की। पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने स्पष्ट किया कि जनपद में शांति व्यवस्था भंग करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सड़कों पर पुलिस की बढ़ती विजिबिलिटी और रात के समय इस तरह की प्रभावी पेट्रोलिंग से अपराधियों के हौसले पस्त करना पुलिस की प्राथमिकता है। बुधवार की रात चले इस विशेष अभियान की कमान खुद क्षेत्राधिकारी रुद्रप्रयाग प्रबोध कुमार घिल्डियाल और क्षेत्राधिकारी गुप्तकाशी विकास पुण्डीर ने संभाली। पुलिस टीम ने जनपद के सभी प्रवेश द्वारों और संवेदनशील स्थानों पर भारी पुलिस बल के साथ नाक. ाबंदी कर संदिग्ध वाहनो को खंगाला।

संस्कृत शिक्षा बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं शुरू

रुद्रप्रयाग। संस्कृत शिक्षा बोर्ड की पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष (हाईस्कूल) एवं उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष (इंटरमीडिएट) की परिषदीय परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। परीक्षाएं 27 फरवरी तक संचालित होंगी। इधर, मुख्यालय स्थित 108 स्वामी सच्चिदानंद संस्कृत महाविद्यालय वेदभवन संस्कृत महाविद्यालय परीक्षा केंद्र में धारा-163 प्रभावी है। उप जिला मजिस्ट्रेट सोहन सिंह सैनी ने बताया कि जनपद के परिषदीय परीक्षाओं को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सफलतापूर्वक संपादित कराने के लिए परीक्षा केंद्र पर धारा-163 प्रभावी रहेगी। बताया कि उक्त परीक्षाएं 27 फरवरी, तक आयोजित होंगी तथा परीक्षा की अवधि में परीक्षा केंद्र के 100 गज की परिधि में पांच से उससे अधिक व्यक्तियों के एक साथ एकत्रित होने पर निषिद्ध किया गया है। इसके अलावा परीक्षा केंद्र के निकट बिना अनुमति आग्नेयास्त्र, लाठी, डंडा, चाकू, हॉकी, स्टिक अथवा कोई तेज धार वाला शस्त्र प्रतिबंधित रहेगा। कहा, उल्लंघन करने पर कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

बचत, निवेश और करियर चयन पर छात्रों को दी जानकारी

श्रीनगर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बालिका छात्रावास में वित्तीय साक्षरता एवं एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी अश्वनी रावत ने की। दो दिवसीय आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में आर्थिक जागरूकता विकसित करना तथा उन्हें भविष्य की वित्तीय योजना के प्रति प्रेरित करना रहा। छात्रावास द्वारा गत वर्ष के मेधावी विद्यार्थियों हिमांशु, मुकेश, रितिक, अभिषेक एवं किशन सहित पूर्व छात्र हिमांशु और मुकेश को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधक विनय सिंह रावत, बाजार विशेषज्ञ सीताराम बहुगुणा, पोस्टमास्टर नरेंद्र सिंह पुंडीर तथा आयकर सलाहकार मनमोहन नेगी उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को बचत की आदत विकसित करने, बैंकिंग सेवाओं के सही उपयोग, डिजिटल भुगतान, सुरक्षित निवेश विकल्प, आयकर की मूल अवधारणा, पैन कार्ड तथा आयकर रिटर्न भरने की प्रक्रिया की जानकारी दी। साथ ही अनुशासन, परिश्रम और सही आर्थिक निर्णय लेने की आवश्यकता पर बल दिया। दूसरे दिन छात्रावास के पूर्व छात्रों एवं विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

सड़क सुरक्षा माह के समापन पर चालकों के स्वास्थ्य की गहन जांच

■ चंबा टैक्सी यूनियन परिसर में परिवहन और स्वास्थ्य विभाग ने लगाया निशुल्क चिकित्सा शिविर सुरक्षित सफर के लिए वाहन चालकों का शारीरिक रूप से स्वस्थ होना है बेहद जरूरी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों के प्रति व्यापक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह 2026 का विधिवत समापन हो गया है। इस समापन अवसर पर जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल के दिशा निर्देशों के अनुपालन में जनपद के चंबा टैक्सी यूनियन परिसर में एक विशाल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

यह विशेष शिविर परिवहन विभाग और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक वाहन चलाने वाले चालकों और परिचालकों के स्वास्थ्य की बारीकी से जांच करना था। सुबह से ही टैक्सी यूनियन परिसर में चालकों की भीड़ जुटने लगी और उन्होंने इस स्वास्थ्य शिविर का भरपूर लाभ उठाया।

शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की विशेषज्ञ टीम ने चालकों और परिचालकों के स्वास्थ्य का गहन परीक्षण किया। इस दौरान मुख्य रूप से रक्तचाप, मधुमेह और आंखों की रोशनी की जांच की गई क्योंकि सुरक्षित वाहन संचालन के लिए दृष्टि का बिल्कुल सही होना और शारीरिक रूप से फिट रहना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 70 से अधिक चालकों और परिच. ालकों ने अपनी जांच करवाई और स्वास्थ्य विशेषज्ञों से आवश्यक परामर्श लिया। विशेषज्ञों ने चाल. कों को खानपान और दिनचर्या को बेहतर रखने को लेकर भी उचित सलाह दी ताकि लंबी दूरी की यात्रा के दौरान उन्हें थकान या किसी अन्य शारीरिक परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस मौके पर उपस्थित एआरटीओ सत्येंद्र राज ने चालकों को संबोधित करते हुए सड़क सुरक्षा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि यातायात को सुरक्षित बनाने और किसी भी प्रकार की सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए वाहन चालक का पूरी तरह से शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ और दक्ष होना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों के नियमित आयोजन से न केवल चालकों के बीच अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है बल्कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में भी काफी हद तक सहायता मिलती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग की ओर से तनीषा, विनय, दिनेश तथा परिवहन विभाग की ओर से शैलेंद्र बिष्ट, नरेंद्र मिया, नवीन और विपिन ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारतीय ज्ञान परम्परा अनुभव पर आधारित : डा. परिहर

श्रीनगर। गढ़वाल विश्वविद्यालय के चौरास परिसर में भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अमरजीत परिहार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा को केवल एक विषय के रूप में नहीं, बल्कि सभी शैक्षणिक विषयों के साथ समन्वित रूप में समझने की आवश्यकता है। उन्होने भारतीय ज्ञान परम्परा अनुभव, अवलोकन और प्रकृति के साथ संतुलन पर आधारित है, इसलिए इसे शिक्षा की मुख्यधारा में लाना समय की मांग है। एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. डीएस नेगी ने कहा कि विश्वविद्यालय में संचालित प्रत्येक विषय से संबंधित भारतीय ज्ञान को पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों को आमंत्रित कर संवाद की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

अम्मा, मंत्री नहीं, आपकी बेटी मिलने आई है...

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। रोजमर्रा की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यस्तताओं से अलग उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने गुरुवार को वृद्धाश्रमों में रह रही माताओं के बीच समय बिताया। उन्होंने डालनवाला स्थित प्रेम धाम और अम्बीवाला स्थित मां गौरी ओल्ड एज होम पहुंचकर वहां रह रही महिलाओं से मुलाकात की और उनकी समस्याओं व जरूरतों को करीब से जाना।

■ कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने वृद्ध महिला आश्रमों की महिलाओं के साथ बिताया दिन
■ उनके सुख-दुख और समस्याएं जानी, विभाग को दिए निस्तारित करने के आदेश

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि एक बेटी के रूप में इन माताओं के बीच भावनात्मक एवं अनुरागयुक्त समय व्यतीत करना मेरे लिए अत्यंत अनूठा अनुभव रहा। कई माताएं पारिवारिक उपेक्षा या अन्य कारणों से यहां रहने को विवश हैं। हमारा दायित्व है कि उनके जीवन को सम्मान, सुरक्षा और संबल प्रदान करें।

मुलाकात के दौरान महिलाओं ने बताया कि वृद्धावस्था के कारण उन्हें बार-बार चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता पड़ती है, लेकिन अस्पताल आने-जाने में सहयोग की कमी रहती है। इस पर मंत्री ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कुछ महिलाओं ने ग्राम पंचायत स्तर पर ओल्ड एज केयर होम स्थापित करने का सुझाव भी दिया, ताकि गांवों में रहने वाले बुजुर्ग एक स्थान पर एकत्र होकर आपसी संवाद के माध्यम से भावनात्मक संबल प्राप्त कर सकें। इस पर मंत्री ने अधिकारियों से प्रस्ताव का परीक्षण कर व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि हम जल्द ही 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक समग्र योजना लाएंगे। साथ ही वृद्धाश्रमों में रह रही माताओं को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाएगा, ताकि वे अप्रिय स्मृतियों से दूर रहकर सकारात्मक वातावरण में जीवन व्यतीत कर सकें।

उन्होंने महिलाओं को आगामी महिला दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया। उन्होंने महिलाओं से कहा कि उन्हें कार्यक्रम ले जाने के लिए वह एक बस भेजेंगी और वही बस उन्हें छोड़ने भी आएगी।

इस अवसर पर राज्य परियोजना अधिकारी मोहित चौधरी, आरती बलोदी, मीना बिष्ट, आशा कंडारी, सिस्टर अपर्णा, प्रतिभा बहुगुणा जोशी, अनीता बिष्ट, रेखा देवी, उषा देवी, रमेश लाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

काश बच्चे बड़े ना होते, छोटे ही रहते: प्रेम धाम आश्रम में एक महिला से जब मंत्री ने पूछा कि उन्हें अपने अतीत से क्या शिकायत है। तो महिला ने बड़े दार्शनिक अंदाज में जवाब दिया कि काश उनके बच्चे कभी बड़े ना होते और वह हमेशा छोटे ही रहते। महिला का कहना था कि बड़े होने के बाद बच्चे अपने-अपने परिवारों में व्यस्त हो गए और मां का ख्याल करना उन्होंने छोड़ दिया।

इस पर मंत्री ने महिला से कहा कि यहां जितनी भी महिलाएं हैं, उन्हें ही अपना परिवार समझिए और कोई समस्या हो तो महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग से कभी भी संपर्क किया जा सकता है।

मंत्री के गले लगकर फूटकर रो पड़ी महिला

मां गौरी ओल्ड एज होम में जब कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या महिलाओं से उनके परिवार के बारे में बातचीत कर रही थी तो उषा देवी नाम की एक महिला मंत्री के गले लगा कर फूट फूट कर रो पड़ी। उसका कहना था कि उसके बेटे के निधन के बाद वह दुनिया में बिल्कुल अकेली रह गई है और परिवार के दूसरे लोग भी उनका साथ नहीं दे रहे हैं। इस पर कैबिनेट मंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि यहां उनके हर सुख दुख का ध्यान रखा जाएगा। वही प्रेम धाम में रह रही पूर्व अध्यापिका बीना एडवड्र्स से जब कैबिनेट मंत्री ने पूछा कि वह उनसे और क्या उम्मीद करती हैं, तो बीना का कहना था कि बाकी सारी सुविधाएं तो मिल रही हैं लेकिन अपनेपन की बात करने वाला कोई नहीं मिलता, इसलिए आप यहां आते रहा करो।

'अतिथि देवो भवः' के भाव से होगा श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

■ चारधाम यात्रा को लेकर डीएम ने ली विभागीय बैठक

देहरादून। मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशन में चारधाम यात्रा-2026 को सरल, सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए देहरादून जिला प्रशासन ने कमर कस ली है।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने गुरुवार को ऋषिपर्णा सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि चारधाम यात्रा केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि सेवा का अवसर है और इसमें धन की कमी बाधा नहीं बनेगी।

जिलाधिकारी सविन बंसलने सभी विभागों को 15 अप्रैल तक समस्त व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के आदेश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि यदि किसी विभाग को अतिरिक्त बजट की आवश्यकता है, तो जिला प्रशासन तत्काल गैप फंडिंग के जरिए धनराशि उपलब्ध कराएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए ऋषिकेश में 30 और विकासनगर में 20 पंजीकरण काउंटर स्थापित किए जाएंगे, जो 24 घंटे संचालित होंगे।

साथ ही मोबाइल टीमें भी तैनात रहेंगी ताकि श्रद्धालुओं को पंजीकरण में असुविधा न हो।

यात्रा मार्ग पर चिकित्सा सुविधाओं को लेकर प्रशासन विशेष गंभीर है। मार्ग में विशेषज्ञ चिकित्सकों, एंबुलेंस और टेस्टिंग किट की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। परिवहन विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि केवल फिटनेस जांच के बाद ही वाहनों को ग्रीन कार्ड जारी किए जाएं। यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया में जर्मन हैंगर, शुद्ध पेयजल, भोजन और आधुनिक बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, एसपी जया बलूनी, एडीएम केके मिश्रा सहित नगर निगम, लोनिवि, जल संस्थान और पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

लोकल से ग्लोबल की ओर बढ़ावा दे रहा चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सवः जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

चम्पावत। प्रदेश के ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को जनपद चम्पावत के टनकपुर में आयोजित 'चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सवख्2026' में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों, स्वयं सहायता समूहों एवं स्थानीय उद्यमियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने पशु सखियों की मोबाइल फोन और विभिन्न स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को चौक तथा कृषकों को फार्म मिशनरी बैंक भी वितरित किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री गणेश जोशी ने बाल विकास विभाग द्वारा 25 बच्चों का सामूहिक जन्म दिवस भी कैक काटकर मनाया। अपने संबोधन में ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि इस बार महोत्सव को "शीतकालीन कॉर्बेट महोत्सव" की थीम के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में विंटर टूरिज्म को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल पर्यटन को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि स्थानीय कला, संस्कृति और उत्पादों को भी व्यापक पहचान दिलाते हैं।

ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि महोत्सव में मधुबनी चित्रकला एवं समकालीन कला कार्यशालाएं, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत, गौरव सैनानी समिति अध्यक्ष कैप्टन भानी चन्द, जिलाधिकारी मनीष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) डॉ. जी.एस. खाती सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कैबिनेट में आएगा पदक विजेताओं के लिए सीधे नौकरी का प्रस्ताव

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों के 243 पदक विजेताओं को सीधे नौकरी का प्रस्ताव इस महीने 25 फरवरी को कैबिनेट में आ सकता है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आउट ऑफ टर्न जॉब का प्रस्ताव कैबिनेट में लाने का आश्वासन दिया है।

प्रदेश में पिछले साल हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में मेजबान उत्तराखंड के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा। खिलाड़ियों ने 24 स्वर्ण, 35 रजत और 44 कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। सरकार की ओर से नई खेल नीति में पदक विजेताओं के लिए आउट ऑफ टर्न नौकरी की व्यवस्था की है।

इसके तहत राष्ट्रीय खेलों के पदक विजेता खिलाड़ियों को नौकरी दी जानी है, लेकिन राष्ट्रीय खेलों के एक साल बाद भी पदक विजेताओं को नौकरी नहीं मिल पाई है।

चार धाम यात्रा में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर की चर्चा

■ केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मिले कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

नई दिल्ली/देहरादून। गुजरात दौरे से लौटते हुए प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डॉ. रावत ने केन्द्रीय मंत्री से चार धाम यात्रा में स्वास्थ्य सुविधाओं के लेकर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान डॉ. रावत ने उन्हें आगामी चार धाम यात्रा पर आने का न्योता दिया। जिसे केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने सहर्ष स्वीकार किया।

कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि उन्होंने गुजरात दौरे से लौटते समय नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी नड्डा से मुलाकात कर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान डॉ. रावत ने चार धाम यात्रा में तीर्थयात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की। डॉ. रावत ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को यात्रा को लेकर राज्य सरकार द्वारा की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा केदारनाथ एवं बदरीनाथ धाम में आधुनिक चिकित्सा इकाई स्थापित कर दी गई है। जिनका शुभारम्भ इसी यात्रा सीजन में किया जायेगा। उन्होंने बताया कि चार धाम यात्रा मार्गों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती के साथ ही चिकित्सकों का पूल भी तैयार किया जा रहा है।

जिसमें राज्य की विभिन्न चिकित्सा इकाईयों में तैनात चिकित्सकों के साथ ही राज्य मेडिकल कॉलेज, एम्स ऋषिकेश के चिकित्सकों के साथ देशभर के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के चिकित्सकों की सेवाएं ली जायेगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिये एम्स ऋषिकेश, राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर व देहरादून की सेवा ली जायेगी। उन्होंने बताया कि यात्रा में 108 आपातकालीन सेवा, एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस के साथ ही कार्डिक एम्बुलेंस सेवा की त्रिस्तरीय व्यवस्था सुविधाएं रहेगी। इसके अलावा डॉ. रावत ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्य की ओर भेजी गई पीआईपी में प्रस्तावित नई कार्यक्रमों के संचालन के लिये अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराने की भी मांग केन्द्रीय स्वासथ्य मंत्री से की। जिस पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया। इस दौरान डॉ. रावत ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को आगामी चार धाम यात्रा पर आने का न्योता दिया, जिसे केन्द्रीय मंत्री ने सहर्ष स्वीकार किया।

रेंजर ग्राउंड में 21 फरवरी से सजेगा 'दिव्य कला मेला'

देहरादून। राजधानी के रेंजर ग्राउंड में आगामी 21 फरवरी से 01 मार्च तक शदिव्य कला मेलाश का भव्य आयोजन होने जा रहा है। भारत सरकार के नेशनल हैंडीकैप्ड फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के तत्वाधान में आयोजित इस मेले का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सीधे बाजार और रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। प्रदेश में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हो रहे इस मेले में उत्तराखंड के सभी 13 जनपदों के साथ-साथ अन्य राज्यों के दिव्यांग कलाकार और कारीगर अपने उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री करेंगे।

मेले में दिव्यांगजनों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प और अन्य उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि मेले में उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ-साथ दिव्यांग कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। खास बात यह है कि देहरादून के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्र-छात्राएं भी इस मेले का हिस्सा बनेंगे।

गर्ब्याल ने किया हाउस ऑफ हिमालयाज के वेयरहाउस का उद्घाटन

■ वेयरहाउस ग्रामीण उत्पादकों के उत्पादों के सुरक्षित भंडारण एवं प्रभावी विपणन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सचिव, ग्राम्य विकास धीराज सिंह गर्ब्याल ने हाउस ऑफ हिमालयाज के वेयरहाउस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह वेयरहाउस ग्रामीण उत्पादकों के उत्पादों के सुरक्षित भंडारण एवं प्रभावी विपणन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे स्थानीय उद्यमों को सशक्त बनाने तथा उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

उद्घाटन कार्यक्रम के बाद सचिव ग्राम्य विकास की अध्यक्षता में आईफेड के सहयोग से संचालित ग्रामीण उद्यम त्वरित प्रोत्साहन परियोजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में कई बिंदुओं पर विशेष रूप से बल दिया गया, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को पर्यटन क्षेत्र में स्वरोजगार से जोड़ने हेतु टूरिस्ट गाइड, पर्वतारोहण आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।

पर्वतीय क्षेत्रों में मिलेट्स, विशेषकर कोणी, चीणा, मडुवा एवं झंगोरा आदि फसलों के लिए कृषि विभाग के सहयोग से सीड बैंक स्थापित किए जाएं।

मिलेट्स के क्लस्टरों को चिन्हित कर जैविक प्रमाणन की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाए। पर्यटन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर इको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए। सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं।

जुगरान ने किया पिटकुल एमडी को पद से हटाने का स्वागत

देहरादून। भाजपा नेता रवीन्द्र जुगरान ने उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय द्वारा पिटकुल के एमडी पीसी ध्यानी को उनके पद से हटाये जाने के निर्णय का स्वागत किया। रवीन्द्र जुगरान ने कहा कि तृतीय श्रेणी कर्मचारी के पद से एमडी पिटकुल तक पहुंचने का पीसी ध्यानी का सफर कई गलत कारनामों से भरा पड़ा है। रवीन्द्र जुगरान ने कहा कि उत्तराखण्ड को उर्जा प्रदेश बनाने के सपने को पीसी ध्यानी जैसे लोगों ने बट्टा लगाया है। रवीन्द्र जुगरान ने कहा कि अलग उत्तराखण्ड राज्य निर्माण के आंदोलन के समय उत्तराखण्ड को उर्जा प्रदेश बनाने का स्वप्न देखा करते थे जिसे भ्रष्ट व्यवस्था व ध्यानी जैसों ने बट्टा लगाया। रवीन्द्र जुगरान ने कहा कि उत्तराखण्ड शासन को चाहिये की ध्यानी की प्रथम नियुक्ती से लेकर अब तक के कार्यकाल की जांच होनी चाहिये।

यूजेवीएन लिमिटेड

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

मुख्य कार्यालय "उज्जवल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006, सिन नं: U40101UR2001SGC025866
दूरभाष सं0 0135-2763508, 2763808, फैक्सः 0135-2763507 वैबसाइटः www.ujvnl.com

सं0 146 | दिनांक 19.02.2026

ई-निविदा सूचना

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (जानपद-अनुरक्षण), यमुना भवन, यमुना कालोनी, देहरादून इच्छुक निविदादाताओं से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित करता है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत हैः

निविदा सं0. 16/EE(C-M)/DDN/2025-26

कार्य का नाम न्यू कॉरपोरेट ऑफिस बिल्डिंग उज्ज्वल, महारानीबाग, जी0एम0एस0रोड में स्थापित वी0आर0एफ0 टाईप एच0वी0ए0सी0 वातानुकूलित संयंत्र के विस्तृत वार्षिक अनुरक्षण वर्ष 2025-26 से सम्बन्धित कार्य।

अनुमानित लागतः ₹ 33.38 लाख (जी0एस0टी0 अतिरिक्त)

वेबसाइट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि 21.02.2026 को 17.00 बजे से।

वेबसाइट पर निविदा जमा करने की अन्तिम तिथिः 16.03.2026 को 17.00 बजे तक।

अन्य जानकारी हेतु कृपया ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://uktenders.gov.in" देखें।

अधिशासी अभियन्ता (जानपद-अनुरक्षण)

" बिजली के दुरूपयोग से बचें"

सदन में हंगामा और रात में सोने वाले विपक्ष की सत्रावधि पर चिंता पाखंडः भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

■ जब विपक्ष भी कार्यमंत्रणा समिति के अंदर, फिर अवधि पर आपत्ति क्यों बाहरः भाजपा

देहरादून। भाजपा ने कांग्रेसी आरोपों पर पलटवार किया कि सदन में जिनके विधायक दिन में हंगामा और रात सोने का काम करते हों उनकी सत्र की अवधि पर चिंता पाखंड है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने विपक्षी आपत्ति पर हैरानी जताई कि सत्र की अवधि को कार्यमंत्रणा समिति, सदन के बिजनेस पर निर्धारित करती है, जिसमें विपक्ष भी शामिल है। साथ ही निशाना साधा कि सार्थक चर्चा के लिए समय से अधिक, मंशा का सही होना अति आवश्यक होता है।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, आगामी 9 मार्च से गैरसैण में होने वाला बजट सत्र, प्रदेश की आर्थिक समृद्धि और जनकल्याणकारी योजनाओं को सामने लेकर आने वाला है। अब चूंकि ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैण देवभूमि की जनभावनाओं का केंद्र है, ऐसे में वहां बजट सत्र का आयोजन होना गौरवशाली अवसर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सत्र के दौरान नीतिगत एवं जनता के मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा होगी। सरकार और सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष को भी अनावश्यक राजनैतिक बयानबाजियों के बजाय पूरी तैयारी से सदन में आना चाहिए।

उन्होंने सत्र की अवधि कम होने के कांग्रेसी आरोप पूरी तरह उनका राजनैतिक पाखंड बताया। वहीं आईना दिखाते हुए कहा कि सत्र में क्या-क्या काम होगा और कितनी उसकी समय अवधि होगी। यह सब विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति निर्धारित करती है जिसमें नेता प्रतिपक्ष एवं अन्य विपक्षी सदस्य भी शामिल रहते हैं। अब क्योंकि जितना बिजनेस समिति को सदन के लिए वर्तमान सत्र में आवश्यक लगा होगा, उसके आधार पर समयावधि तय की गई है। वहीं निशाना साधा कि समय से अधिक, मंशा का सही होना अतिआवश्यक होता है किसी भी सार्थक चर्चा के लिए। साथ ही कटाक्ष किया, अभी तक के सभी सत्रों का रिकॉर्ड देखें तो अधिकांश समय कांग्रेस एवं विपक्षी विधायक सदन में शोरगुल और हंगामे में व्यस्त रहते हैं। वे सत्ता पक्ष द्वारा शुरू सार्थक चर्चा में न तो भाग लेते हैं और न ही उस बहस को शांति से होने देते हैं। जबकि हमारी तरह विपक्ष भी भली भांति जानता है कि सदन, जनता के मुद्दों को उठाने का लोकतांत्रिक मंच है। अब चूंकि जनता की समस्या, उनके कल्याण की योजना और प्रदेश का विकास विपक्ष की प्राथमिकता में नहीं रहता है। इसीलिए तय रणनीति के अनुसार सत्र के पहले घंटे से ही वह हंगामा कर सदन की कार्यवाही बाधित करने का प्रयास करते हैं।

कार्यालय सहायक अभियन्ता, सिंचाई उपखण्ड कर्णप्रयाग

पत्रांक :- 37/स.अ.-द्वितीय/टी-4 | दिनांक : 19.02.2026

निविदा सूचना संख्या-14/स.अ.-द्वितीय/2025-26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु वर्गीकृत श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 07.03.2026 को 11:30 बजे तक मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन 15:00 बजे उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा खोली जायेंगी। निविदा से सम्बन्धित शर्तें तथा प्रपत्र दिनांक 19.02.2026 से 06.03.2026 तक सायं 17:00 बजे तक किसी भी कार्यदिवस पर इस कार्यालय से निर्धारित मूल्य अदा करने पर प्राप्त किये जा सकते है।

क्र. सं.	कार्य का नाम		धरोहर धनराशि	कार्यावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की वर्गीकृत श्रेणी
दैवीय आपदा (शि.वि.)						
1	रा.इ.का. हंसकोट में विद्यालय प्रांगण की क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार का मरम्मत कार्य।		24000.00	03 माह	1000+18% GST	ई अथवा उच्चीकृत
2	रा.इ.का. भगवती में विद्यालय मुख्य भवन की सुरक्षा दीवार का मरम्मत कार्य।	जोब नं. 01	15000.00	03 माह	500+18% GST	ई अथवा उच्चीकृत
3		जोब नं. 02	12000.00	03 माह	500+18% GST	ई अथवा उच्चीकृत
4	रा.उ.प्रा.वि. नाखोली में विद्यालय के आगे की क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार का मरम्मत कार्य।		16200.00	03 माह	1000+18% GST	ई अथवा उच्चीकृत
5	रा.क.जू.हा. स्कूल असेड में भवन के क्षतिग्रस्त भागों का मरम्मत कार्य।		19200.00	03 माह	1000+18% GST	ई अथवा उच्चीकृत
6	रा.प्रा.वि. सिलोडी में क्षतिग्रस्त छत एवं किचन कम स्टोर के पीछे की क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार का मरम्मत कार्य।		14000.00	03 माह	500+18% GST	ई अथवा उच्चीकृत
7	रा.प्रा.वि. पालछुनी में क्षतिग्रस्त शौचालय का पुनर्निर्माण कार्य।		17000.00	03 माह	1000+18% GST	ई अथवा उच्चीकृत

निविदा से सम्बन्धित अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड से देखी जा सकती है।

सहायक अभियन्ता
सिंचाई उपखण्ड कर्णप्रयाग

जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार कार्यक्रम में
245 लोगों को विभिन्न योजनाओं से किया लाभान्वित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी प्रशासन पीआर चौहान की अध्यक्षता में विकासखंड बहादराबाद की न्याय पंचायत लालढांग के लाला ओम प्रकाश ज्ञान दीप कन्या इंटर कालेज में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित जन कल्याणकारी योजनों से 245 क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया तथा विभिन्न विभागों के माध्यम से 72 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र निर्गत किए गए,इस शिविर में 560 लोगों द्वारा किया गया प्रतिभाग। आयोजित शिविर ने क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 68 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें 22 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया,शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि विधायक हरिद्वार ग्रामीण अनुपमा रावत ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि इस बहुउद्देशीय शिविर में जो भी जनता में क्षेत्रीय जनता का समस्याओं दर्ज कराई गए है उन समस्याओं का त्वरित निराकरण करना सुनिश्चित करे।

इस अवसर पर उन्होंने बहुउद्देशीय शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए स्टालों का भी निरीक्षण किया।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन पीआर चौहान ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन समस्याओं का जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम में निस्तारण नहीं हो पाया है संबंधित अधिकारी उनका तत्परता से संज्ञान लेते हुए उनका समय सीमा के अंतर्गत निस्तारण करना सुनिश्चित करे,इसमें किसी भी प्रकार से कोई भी शिथिलता एवं लापरवाही न बरती जाए। शिविर में सदस्य जिला पंचायत गैण्डीखाता ब्रजमोहन पोखरियाल, श्रीमती राजेश्वरी, नंद किशोर, सुनील सिंह बिष्ट, कमलेश द्विवेदी, जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रमोद पांडे, खंड विकास अधिकारी बहादराबाद मानस मित्तल सहित क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधानगण, पंचायत सदस्यगण, अधिकारी व कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

शारदीय कांवड़ यात्रा संपन्न के बाद हरिद्वार में मंदी का दौर शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। शारदीय कांवड़ यात्रा और शिवरात्रि का पर्व संपन्न होने के बाद हरिद्वार में फिर से मंदी का दौर शुरू हो गया है। अपर रोड, मोती बाजार और अन्य बाजारों में दुकानदार ग्राहकों के लिए तरस रहे हैं। मंदी का सामना कर रहे हरिद्वार के व्यापारी अब होली के बाद गर्मी के सीजन और चार धाम यात्रा से अच्छा कारोबार चलने का इंतजार कर रहे हैं। शारदीय कांवड़ यात्रा के बाद बोर्ड परीक्षा और कोई बड़ा स्नान पर्व नहीं होने के चलते हरिद्वार में श्रद्धालुओं की आवाजाही कम हो जाती है। ऐसे में यात्रा कारोबार पर निर्भर रहने वाला व्यापार मंद पड़ जाता है। इन दिनों हरिद्वार के होटल, रेस्टोरेंट और धर्मशालाएं भी यात्री विहीन दिख रहे हैं। अप्रैल में बैशाखी स्नान से हरिद्वार के बाजारों में यात्रीयों और श्रद्धालुओं की चहल

पहल एक बार फिर शुरू हो जाएगी और बाजारों में छाया सन्नाटा दूर हो जाएगा। दरअसल हरिद्वार का पूरा व्यापार गर्मी के सीजन और चारधाम यात्रा पर निर्भर है। गर्मी के सीजन और चारधाम यात्रा के दौरान पड़ने वाले स्नान पर्वों और कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार में जमकर व्यापार होता है। कांवड़ मेले के बाद बंगाली सीजन और गुजराती सीजन के चलते यात्रियों और श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। दीपावली के बाद कार्तिक पूर्णिमा स्नान संपन्न होने के बाद यात्रीयों की संख्या घटने लगती है। इसके बाद शारदीय कांवड़ यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं से हरिद्वार में एक बार फिर चहल पहल बढ़ जाती है।

सात साल की उम्र में फैज ने रखा जीवन का पहला रोजा
रोजा रखकर मुल्क के लिए अमन चैन की मांगी दुआ

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पवित्र रमजान माह के दौरान जहाँ हर तरफ इबादत का दौर जारी है, वहीं बच्चों में भी रोजा रखने को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। ज्वालापुर निवासी सरफराज सलमानी के 7 वर्षीय पुत्र उमर फैज ने अपना पहला रोजा पूरी श्रद्धा और खुशी के साथ रखा है। मासूम उमर फैज ने इतनी कम उम्र में सुबह सहरी से लेकर शाम इफ्तार तक बिना कुछ खाए-पिए खुदा की इबादत की। बच्चे की इस हिम्मत और जज्बे को देखकर परिवार के लोग और आसपास के पड़ोसी बेहद खुश हैं। शाम को इफ्तार के समय परिवार ने उमर का हौसला बढ़ाया और उसे ढेर सारी दुआएं दीं।पिता सरफराज सलमानी ने बताया कि उमर सुबह से ही रोजा रखने की जिद कर रहा था। परिवार ने पहले मना किया बच्चा कहा रख पाएगा उसकी इस छोटी सी उम्र में धर्म और इबादत के प्रति ऐसी लगन देखकर हर कोई उसकी तारीफ कर रहा है। रोजा मुकम्मल होने पर मासूम उमर के चेहरे पर भी अलग ही खुशी नजर आई।

कार में लगी भीषण आग, जलकर राख

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्यामपुर कांगड़ी क्षेत्र में सिद्धसोत मंदिर के पास गुरुवार दोपहर एक चलती गाड़ी में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी गाड़ी जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि गाड़ी में सवार दो लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर को मायापुर फायर स्टेशन को सूचना मिली कि सिद्धसोत मंदिर के पास एक महिंद्रा ग्न्ट 300 कार में आग लग गई है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की एक यूनिट तुरंत मौके के लिए रवाना हुई। रास्ता कच्चा और तंग होने के कारण फायर कर्मियों को घटनास्थल तक पहुँचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जब तक टीम पहुँची, गाड़ी पूरी तरह आग की लपटों में घिरी हुई थी। फायर कर्मियों ने फोम की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक गाड़ी पूरी तरह जल चुकी थी। गाड़ी में सवार दोनों व्यक्ति पूरी तरह सुरक्षित हैं। फायर यूनि टीम में एलएफएम जयवीर सिंह, चालक राहुल शर्मा, वीरेंद्र सिंह, सुरेश, काजल शामिल रहे।

कक्षा 12 के छात्रों को विदाई

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री मिथिलेश सनातन धर्म इंटर कालेज कनखल में आशीर्वाद समारोह का आयोजन कर कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं को विदाई दी गयी। इस दौरान छात्रो नें विद्यालय की परंपरा का पालन करते हुए मंगलाचरण, हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ और मां सरस्वती की आराधना की। इसके बाद केक काटकर कालेज में अपने आखिरी दिन को यादगार बनाया। विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनाक्षी शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि लगन और मेहनत के साथ परीक्षाएं दें और अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होकर विद्यालय, अपना और अपने परिवार का नाम रोशन करें। वरिष्ठ शिक्षक गगन वीर सिंह, रूपाली राजपूत, रश्मि एवं समस्त स्टाफ ने भी विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बिजनौरी महासभा ने निर्बल परिवार की कन्या का विवाह कराने पर संजीव कुमार शर्मा को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। बिजनौरी महासभा ने सराहनीय पहल करते हुए निर्बल परिवार की कन्या का विवाह संपन्न कराने वाले समाजसेवी संजीव कुमार शर्मा को 'बिजनौर रत्न' सम्मान से सम्मानित किया है। सम्मान समारोह में उपस्थित गणमान्य लोगों ने उनके सामाजिक योगदान की प्रशंसा की। बिजनौरी महासभा के संयोजक विपिन शर्मा ने कहा कि संजीव कुमार शर्मा ने ग्रामीण क्षेत्र के एक जरूरतमंद परिवार की कन्या का विवाह कर सामाजिक दायित्व निभाया है। जोकि सराहनीय व समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य समाज में नई चेतना और जागरूकता का संचार करते हैं। बिजनौरी महासभा के संयोजक प्रमोद गिरि एवं मनोज शर्मा ने कहा कि आज के समय में जब लोग व्यक्तिगत स्वार्थ में व्यस्त रहते हैं, ऐसे में संजीव कुमार शर्मा जैसे समाजसेवी मानवता की मिसाल पेश कर रहे हैं। उनका यह प्रयास सामाजिक एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने संजीव कुमार शर्मा को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार समाजहित में कार्य करते रहने की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता ओमकार आजाद, रूकन राजपूत, मनोज शर्मा, मनोज गिरि ने भी विचार व्यक्त किए।

दो हफ्तों में 19 गांवों तक पहुंचा सोलानी नदी संरक्षण अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सोलानी नदी के संरक्षण को लेकर पीपल्स साइंस इंस्टीट्यूट द्वारा उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से चलाया जा रहा जन-जागरूकता अभियान मात्र दो सप्ताह में 19 गाँवों तक पहुँच गया है। 5 फरवरी से शुरू अभियान के तहत 17 विद्यालयों में कार्यक्रम, 7 स्वयं सहायता समूहों के साथ संवाद और किसान-युवा बैठकों का आयोजन कर करीब 1400 लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान स्वच्छता, ठोस कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक के दुष्प्रभाव, जल संरक्षण और सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों की जानकारी दी गई। अभियान का समापन प्रत्येक स्थल पर पर्यावरण शपथ और जागरूकता पोस्टर लगाने के साथ किया गया। टीम सदस्यों ने इसे नदी संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

भीम आर्मी जय भीम संगठन की बैठक आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। थाना क्षेत्र के गांव बिशनपुर में भीम आर्मी जय भीम संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष अंकुश शेरवाल तथा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष कविता कालयान का पदाधिकारियों और ग्रामीणों द्वारा फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। बैठक की शुरुआत बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अंकुश शेरवाल ने कहा कि जय भीम संगठन कोई राजनीतिक संगठन नहीं है। बल्कि यह सर्व समाज का संगठन है। संगठन का उद्देश्य समाज के सभी दबे-कुचले, शोषित एवं वंचित वर्गों की आवाज उठाना और उन्हें न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा कि आज समाज में शिक्षा, एकता और जागरूकता की अत्यंत आवश्यकता है। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष कविता कालयान ने तीन महिलाओं को पद देकर संगठन से जोड़ा है। आदि महिलाओं से भी जुड़कर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज में समानता और सम्मान के लिए महिलाओं की भागीदारी जरूरी है। अपने संबोधन में भीमराव अंबेडकर को याद करते हुए कहा कि बाबा साहब ने देश को एक सशक्त संविधान दिया जो सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने और सामाजिक एकता बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान और आगामी गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में रविन्द्र पालीवाल, मनीष कुमार, मोनू कुमार प्रधान, रकम सिंह, राजवीर, विकास कुमार, शारुख सलमानी, फुरकान अली, इमाम हुसैन, इंद्रा देवी, हिमांशी, लक्ष्मी, रानी होल्कर आदि पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे

टैक्सी मैक्सी ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने की चारधाम यात्रा को लेकर बैठक बुलाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। टैक्सी मैक्सी ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर चारधाम यात्रा को लेकर अधिकारियों द्वारा हरिद्वार के पर्यटन कारोबारियों के साथ बैठक नहीं करने पर रोष जताते हुए तत्काल बैठक बुलाने की मांग की है। ज्ञापन की प्रति जिलाधिकारी को भी प्रेषित की गयी है। एसोसिएशन के अध्यक्ष गिरीश भाटिया, सचिव संजय शर्मा व कोषाध्यक्ष इकबाल सिंह ने कहा कि अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू हो रही है। चारधाम यात्रा को लेकर उच्चाधिकारियों ने ऋषिकेश में बैठक का आयोजन किया। हरिद्वार चारधाम यात्रा का प्रमुख केंद्र है। लेकिन यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर अभी तक हरिद्वार के पर्यटन कारोबारियों के साथ कोई बैठक नहीं की गयी। जो कि हरिद्वार के साथ सौतेला व्यवहार करने जैसा है और इसे लेकर स्थानीय पर्यटन कारोबारियों में रोष है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन की मांग है कि हरिद्वार में बैठक का आयोजन किया जाए। जिससे हरिद्वार के पर्यटन व्यवसायियों को यात्रा को लेकर सरकार के दिशा निर्देशों की जानकारी मिल सके और उत्तराखंड में पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए अपने सुझाव शासन और प्रशासन तक पहुंचा सकें। ज्ञापन सौंपने वालों में कई पर्यटन कारोबारी शामिल रहे।

संत मंडल आश्रम में 22 को होगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार के पूर्व विधायक ब्रह्मलीन आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश मुनि के 15वें निर्वाण दिवस पर 22 फरवरी को भीमगोड़ा स्थित संत मंडल आश्रम में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। संत मंडल आश्रम के परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी राममुनि महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि ब्रह्मलीन स्वामी जगदीश मुनि की स्मृति में प्रमोद शर्मा, महेश धीमान, सत्यवान सिंह, ओपी सिंह, विनोद शर्मा के संयोजन व मेदांता हॉस्पिटल, श्री जगदीश सेवा संघ एवं संत मंडल आश्रम धर्मार्थ समिति के सहयोग से सवेरे साढ़े दस बजे से दोपहर तीन बजे तक आयोजित किए जा रहे निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच कर परामर्श देंगे। स्वामी राम मुनि ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने की अपील भी की।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता, अपहरण का मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली रानीपुर क्षेत्र से एक किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। सुमन नगर निवासी एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी नाबालिग बेटी 17 फरवरी से लापता है। घटना के समय वह और उनके पति किसी कार्य से घर से बाहर गए हुए थे। घर पर चार वर्षीय छोटा बेटा मौजूद था। इसी दौरान उनकी बेटी घर से कहीं चली गई। जब वे लौटे तो बेटी घर पर नहीं मिली। आसपास के रिश्तेदारों और परिचितों के यहां खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। कोतवाली प्रभारी आशुतोष राणा ने बताया कि मामले में अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। किशोरी की तलाश की जा रही है।

होटल के कमरे में शराब पीकर युवकों ने मचाया हुड़दंग, कर्मचारी को पीटकर किया घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र अंतर्गत रानीपुर मोड़ स्थित एक होटल में कमरे के भीतर शराब के नशे में हुड़दंग मचा रहे युवकों को रोकने पर होटल कर्मचारी से मारपीट का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के रानीपुर मोड़ स्थित होटल गेटवे गंगा में 17 फरवरी को निखिल पुत्र चुन्नीलाल निवासी गली नंबर 1, पीठ बाजार ज्वालापुर ने कमरा बुक कराया था। उसके साथ 4-5 अन्य युवक भी कमरे में ठहरे हुए थे। आरोप है कि सभी युवक कमरे के भीतर शराब के नशे में गाली-गलौज और हुड़दंग कर रहे थे। जिस कारण होटल में रह रहे अन्य मेहमानों की असुविधा को देखते हुए होटल कर्मचारी अंकित कुमार पुत्र सुरेश पाल सिंह, मूल निवासी नगला पिथौरा (मुजफ्फरनगर), हाल निवासी होटल गेटवे गंगा, रानीपुर मोड़ ज्वालापुर द्वारा कई बार युवकों को समझाने का प्रयास किया आरोप है कि समझाने पर युवक भड़क गए और अंकित कुमार को कमरे के अंदर खींचकर मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में पीड़ित के सिर, नाक और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। साथ ही आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कुंदन सिंह राणा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

गांजा तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली सिडकुल पुलिस ने गांजा तस्करी कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक किलो गांजा बरामद हुआ है। एसएसपी ने मादक पदार्थो की तस्करी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों के अनुपालन में पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में सिडकुल पुलिस ने गांजा तस्करी कर रहे विरेन कश्यप पुत्र सोम कश्यप निवासी ग्राम रावली महदूद को काला गेट से सूर्य नगर जाने वाला बाग के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से गांजा बरामद कर लिया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस टीम में अपर उपनिरीक्षक हरीश शाह, कां. हरि सिंह व रिपेन्द्र शामिल रहे।

स्कॉलरशिप 'उड़ान' से मेधावी छात्रों को शिक्षा में मिलेगा प्रोत्साहन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मेधावी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से Era International Public School ने 'स्कॉलरशिप उड़ान' योजना शुरू की है। यह पूरी तरह मेरिट आधारित पहल है, जिसके तहत छात्रों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के अनुसार विभिन्न श्रेणियों में फीस में छूट व अन्य सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। योजना के अंतर्गत 95 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को पूर्ण फीस माफी के साथ निःशुल्क पुस्तकें व स्टेशनरी दी जाएगी, जबकि 90-95 प्रतिशत अंक वालों को 70 प्रतिशत, 80-90 प्रतिशत को 50 प्रतिशत तथा 70-80 प्रतिशत अंक वाले छात्रों को 25 प्रतिशत फीस छूट का लाभ मिलेगा।

इसके अलावा 60-70 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैब व लाइब्रेरी शुल्क में विशेष रियायत दी जाएगी। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष गर्ल चाइल्ड बेनिफिट भी शामिल किया गया है। विद्यालय प्रशासन के अनुसार, योजना का उद्देश्य आर्थिक बोझ कम करना, समान अवसर उपलब्ध कराना और छात्रों के भविष्य निर्माण में सहयोग देना है। सीमित सीटों पर पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा

सूचना

मेरे आधार कार्ड संख्या 243957455826 में मेरा नाम "खुशी (KHUSHI)" दर्ज है, जो त्रुटिपूर्ण है। मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरा सही नाम "कुमारी खुशी (KUMARI KHUSHI)" अंकित है। भविष्य में मेरा सही नाम "कुमारी खुशी" ही मान्य किया जाए। कुमारी खुशी, पुत्री विनोद कुमार, निवासी ग्राम कटारपुर अली, हरिद्वार।

सूचना

मेरे पिताजी स्व. श्याम सुन्दर यादव के मृत्यु प्रमाणपत्र (रजिस्ट्रेशन नं० D1988300400014) में उनके पिता का नाम त्रुटिवश राम दास लिखा है जबकि उनका वास्तविक व सही नाम रोंगे दास है, मनीष यादव पुत्र स्व. श्याम सुन्दर यादव, निवासी प्रेमनगर बाजार डोईवाला देहरादून ।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित मूल विक्रय विलेख गुम/खो गए हैं :- श्री शिवमूरत द्वारा श्रीमती राम पियारी के पक्ष में निष्पादित मूल विक्रय विलेख, पंजीकरण संख्या 3610, दिनांक 09.08.1991, एस.आर.ओ. हरिद्वार में पंजीकृत है व श्रीमती सुमन बजाज द्वारा श्रीमती सुविधा गर्ग उर्फ उषा अग्रवाल के पक्ष में निष्पादित विक्रय विलेख का मूल अंतिम पृष्ठ, पंजीकरण संख्या 5555, दिनांक 11.06.2010, एस.आर.ओ. हरिद्वार में पंजीकृत है। उक्त दस्तावेज संपत्ति खसरा संख्या 48, गोविंदपुरी, हरिद्वार, शेखुपुरा, परगना ज्वालापुर, हरिद्वार से संबंधित हैं। सभी संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुविधा गर्ग उर्फ उषा अग्रवाल ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु केनरा बैंक, आरएएच, हरिद्वार के पक्ष में बंधक सृजित करने का इरादा रखती हैं। अतः आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त गुम दस्तावेजों के आधार पर किसी भी व्यक्ति के साथ कोई लेन-देन या सौदा न करें। यदि किसी व्यक्ति ने उक्त दस्तावेजों के आधार पर कोई लेन-देन किया है या कर रहा है, तो कृपया इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें। श्रीमती सुविधा गर्ग उर्फ उषा अग्रवाल, फोन नंबर 9528558499

सूचना

मेरे व्यवहारी मौहम्मद साबिर पुत्र श्री रहम इलाही की सम्पत्ति मुतालिका खसरा नं0 725, स्थित मौहल्ला भारतनगर रूडकी बाहर हदूद परगना व तहसील रूडकी जिला हरिद्वार के दो पुराने असल बैनामे जो की रणवीर सिंह त्यागी व अशोक कुमार त्यागी पुत्रगण रूपचन्द ने असलम पुत्र अजरम के हक में किया था जो बही नं0-1 जिल्द नं0-3164, पृष्ठ नं0-123 से 144, क्रमांक नं0-14098 दिनांक 27.12.2006 पर पंजीकृत है व दुसरा असलम पुत्र अजरम ने मोहम्मद शमीम पुत्र नजर हसन के हक में दिनांक 22.06.2012 ई0 मे किया था जिसका बही नं0-1 जिल्द नं0-2204, पृष्ठ नं0-325 से 336, क्रमांक नं0-7236 दिनांक 22.06.2012 पर पंजीकृत है जो कही खो गये है व मौहम्मद साबिर उक्त सम्पत्ति को मोहसीन मलिक पुत्र यामिन अली को बेच रहा हैं तथा मोहसीन मलिक पीरामल फाईनेंस लि० से लोन लेने की इच्छुक है यदि किसी को यह दस्तावेज मिलता है या किसी को कोई आपत्ति हो, तो कृप्या 7 दिन के अंदर सम्पर्क करे, उसके बाद इसका प्रयोग अमान्य होगा। विरेन्द्र सिंह एडवोकेट, चैंबर नंबर 27, तहसील रूड़की मो0 नं0 9412073170

पत्नी से मिलने आए युवक से मारपीट, दो पर मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र में पत्नी से मिलने आए एक युवक को रास्ते में रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घायल युवक की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूर्वी दिल्ली निवासी शनि पुत्र गणेशचंद ने तहरीर देकर बताया कि वह 17 फरवरी की रात करीब साढ़े नौ बजे अपने पिता के साथ हरिद्वार पहुंचा था। दोनों वाल्मीकि बस्ती स्थित भारत टेलर की दुकान के सामने से होकर गुजर रहे थे। इसी दौरान उसे उसका साला सोनू मिला, जिसने घर चलकर मिलने की बात कही। वह अपने पिता के साथ पत्नी मेघा से मिलने के लिए आगे बढ़ा। आरोप है कि उसके पिता बहू से मिलने के लिए कुछ कदम आगे निकल गए, जबकि वह पीछे आ रहा था। इसी बीच पीछे से संजय बिष्ट और अभी बिष्ट ने उसे रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में युवक की दाहिनी आंख और माथे पर गंभीर चोटें आईं। किसी तरह वह आरोपियों के चंगुल से छूटकर वहां से निकल सका। जाते-जाते दोनों ने दोबारा सामने आने पर जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड हरिद्वार।

पत्रांक 1985 / ग्रा0नि0वि0/स्था0-एक/निविदा सूचना-15/2025-26 दिनांक: 17/02/2026

॥ निविदा आमंत्रण सूचना ॥

महानिदेशक राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य की सीलबन्द निविदा तालिका के कॉलम-08 के अनुसार विभाग में भवन कार्यों में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 06.03.2026 को अपरान्ह 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं, जो कि उसी दिन अपरान्ह 2:00 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा प्रधिकृत प्रतिनिधि द्वारा निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्रा किसी भी कार्य दिवस में निविदा डालने की तिथि से एक दिन पूर्व तक प्रखण्ड कार्यालय से निर्धारित निविदा शुल्क एवं जी0एस0टी0 ई-चालान के माध्यम से जमा कर दिनांक 05.03.2026 तक सायं 5:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है। निविदा शुल्क के चालान में कार्य का नाम अंकित होना अनिवार्य है। अवकाश होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस में बेची/खोली जायेंगी।

क्र0 स0	कार्य विवरण नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा शुल्क एवं जी0एस0टी0 का मूल्य	कार्य पूर्ण की अवधि	निविदा का वैद्यता	पंजीकृत ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद हरिद्वार के विकासखण्ड रूड़की, राज्य कर भवन में संचालित समस्त कार्यालयों में आन्तरिक मरम्मत एवं रंग रोगन सम्बन्धित कार्य।	19.95	0.60	1500.00 + 18% GST	06 माह	45 दिन	ई एवं उच्चतर भवन निर्माण।

नोट: निविदा की अन्य शर्तें एवं कार्य से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड हरिद्वार में किसी भी कार्य दिवस में एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती हैं।

अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण निर्माण विभाग,
प्रखण्ड हरिद्वार ।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।
सैफ सलमानी
ब्यूरो चीफ
शाह टाइम्स हरिद्वार
कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

बाढ़ सुरक्षा को पुस्ता स्वीकृत होने पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल

सहसपुर। विकासखण्ड सहसपुर अंतर्गत नून नदी के दायें तट पर स्थित ग्राम दयानगर एवं जामुनवाला के खेल मैदान की बाढ़ सुरक्षा हेतु पुस्ता स्वीकृत होने पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। वर्षों से बरसात के समय बाढ़ की आशंका से चिंतित ग्रामीणों को इस निर्णय से बड़ी राहत मिली है।विधायक सहदेव सिंह पुंडीर के प्रयासों से स्वीकृत इस पुस्ता निर्माण कार्य से न केवल खेल मैदान सुरक्षित रहेंगे, बल्कि आसपास की आबादी को भी संभावित जलभराव और कटाव से संरक्षण मिलेगा। क्षेत्रवासियों ने कहा कि यह निर्णय युवाओं के खेल भविष्य और गांव की आधारभूत संरचना दोनों को मजबूती देने वाला कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि सहसपुर क्षेत्र में विकास कार्य इसी प्रकार गति पकड़ते रहेंगे। इस दौरान मेघ सिंह, कैप्टेन परमवीर, सुरेंद्र सामंत, अभय सिंह, परिणिता थापा, संदीप धनई सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

किसानों की समृद्धि की दिशा में ऐतिहासिक पहल

■ 'ईच ड्रॉप मोर क्रॉप' उत्तराखंड की पहली अभिनव सिंचाई योजना है: विधायक प्रधानमंत्री मोदी के विजन को समर्पित

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। 1611.88 लाख की लागत से निर्मित ग्राम पपड़ियांन, तोली भूड़, लांघा एवं ग्राम पष्टा (लोअर पीपलसार एवं अपर रुद्रपुर क्षेत्र) की स्प्रिंकलर आधारित लिफ्ट सिंचाई योजना का लोकार्पण प्राथमिक विद्यालय, लांघा में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने कहा कि "'ईच ड्रॉप मोर क्रॉप' अर्थात बूंद-बूंद का सदुपयोग करना, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करने का संकल्प है। उत्तराखंड की अपनी तरह की यह पहली अभिनव स्प्रिंकलर आधारित लिफ्ट सिंचाई योजना उसी सोच का परिणाम है।" उन्होंने बताया कि 1611.88 लाख की लागत से तैयार यह योजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी। इससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी तथा किसानों की आय में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

कहा यह योजना क्षेत्र के किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी तथा "सिंचाई बढ़ाएं-खुशहाली लाएं" के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख नारायण ठाकुर, प्रधान तोली भूड़ भरत सिंह तोमर, प्रधान पपड़ियांन आशीष बिष्ट, प्रधान लांघा उजाला तोमर, प्रधान पष्टा महेंद्र सिंह, प्रधान रुद्रपुर रवि कुमार, बीडीसी सदस्य आशीष तोमर, खजान नेगी, रमेश पुण्डीर, अनुज गुलेरिया, चंद्रपाल सिंह तोमर, कपिल, जागरोशन, प्रताप सिंह तोमर, संदीप चौहान, दीपक तोमर, गोपाल सिंह, इसके अलावा संबंधित विभाग के अधिशासी अभियंता प्रदीप कुमार एवं सहायक अभियंता निशांत ध्यानी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

सहिया-चकराता स्टेट हाईवे पर बर्फबारी के बाद गिरे पेड़ों से हादसे का खतरा

■ संकरी पहाड़ी सड़क होने से वाहनों को निकलने में हो रही परेशानी

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। बर्फबारी के बाद सहिया-चकराता स्टेट हाईवे पर कई स्थानों पर पेड़ टूटकर सड़क पर आ गिरे हैं, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। 23 फरवरी को हुई भारी बर्फबारी से कमजोर और पुराने पेड़ जड़ से उखड़ गए या तनों से टूटकर मार्ग के बीचों-बीच गिर पड़े। हाईवे के विभिन्न हिस्सों में सड़क के बीच और किनारों पर पड़े पेड़ों के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही है।

संकरी पहाड़ी सड़क होने के कारण एक समय में केवल एक ही वाहन निकल पा रहा है। आमने-सामने से वाहन आने पर चालकों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्थानीय निवा. सियों प्रदीप जोशी, राजेंद्र सिंह, शूरवीर सिंह चौहान, गौरव चौहान, अर्जुन सिंह और श्रीचंद जोशी आदि ने बताया कि यदि शीघ्र ही पेड़ों को हटाने की कार्रवाई नहीं हुई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मार्ग को साफ कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यह स्टेट हाईवे क्षेत्र की जीवनरेखा है, जो सहिया, चकराता सहित आसपास के दर्जनों गांवों को जोड़ता है। इसी मार्ग से दैनिक जरूरतों की आपूर्ति, छात्र-छात्राओं का आवागमन, मरीजों की आवाजाही और पर्यटकों का सफर निर्भर करता है।

इस संबंध में कार्यालय अधीक्षक संदीप जोशी ने दूरभाष पर बताया कि संबंधित विभाग को गिरे पेड़ों को हटाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। टीम को मौके पर भेजा जा रहा है और जल्द ही मार्ग को पूरी तरह साफ कर दिया जाएगा।

सरस्वती विद्या मंदिर कॉलेज में सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर की मनाई गई जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बाबूगढ़ विकासनगर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिव. राव गोलवलकर, छत्रपति शिवाजी तथा स्वामी राम कृष्ण परमहंस की जयंती उत्साह पूर्वक मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य कलीराम भट्ट, मुख्य वक्ता रघुनाथ सिंह सैनी (प्रांतीय संगठन मंत्री भारत रक्षा मंच) रितु ठाकुर (जिला महामंत्री भारत रक्षा मंच) बाज सिंह, छत्रपाल सिंह, विकासनागर आदि के द्वारा माँ सरस्वती तथा महापुरूषों के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर किया गया।

मुख्य वक्ता रघुनाथ सिंह सैनी ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजीराजे भोसले भारत के एक महान राजा एवं रणनीतिकार थे जिन्होंने 1674 ई. में पश्चिम भारत में हिन्दवी स्वराज या मराठा साम्राज्य की नींव रखी।

इसके लिए उन्होंने मुगल साम्राज्य के शासक औरंगजेब से संघर्ष किया। सन् 1674 में रायगढ़ में उनका राज्याभिषेक हुआ और व 'छत्रपति' बने। विद्यालय के आचार्य विकासनागर ने माधवराव सदाशिव. राव गोलवलकर के विषय में बताते हुए कहा कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक तथा विचारक थे। इनके अनुयायी इन्हें प्राय: 'गुरूजी' के ही नाम से अधिक जानते हैं। हिन्दुत्व की विचारधारा का प्रवर्तन करने वालों में उनका नाम प्रमुख है। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

सेपियंस विद्यालय का राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री चैंम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। सेपियंस विद्यालय विकासनगर के छात्रों ने 'मुख्यमंत्री चौंपियनशिप प्रतियोगिता' 2026 की राज्य स्तर में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता का आयोजन 16 फरवरी से 17 फरवरी 2026 को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून में किया गया, जिसमें सेपियंस स्कूल विकासनगर की छात्रों ने हिस्सा लिया और शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में योगेश व सिद्धार्थ ने कबड्डी में रजत पदक अपने नाम किया। विजेता खिलाड़ियों को विंटर ट्रेक सूट, समर शॉर्ट्स, टी शर्ट, शॉक्स, शूज पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए गए।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक सहित प्रधानाचार्य नवीन तनेजा, विद्यालय निदेशिका रश्मि गोयल, विद्यालय प्रशासिका बेबी राठौर, स्कूल ऐकेडेमिक प्रमोटर नंदी बिष्ट, अश्विनी कुमार, सुमालती उनियाल तथा समस्त अध्यापकों ने प्रशिक्षक बीएस राय, सतीश चौहान, सूरज चौहान, संजय चौहान तथा प्रतिभागी को शुभकामनाएं दी।

एक उत्पाती व तीन वारंटी गिरफ्तार

सहसपुर। सड़क पर सरेआम उत्पात करते हुए एक व्यक्ति को सहसपुर पुलिस द्वारा धारा 170 बीएनएस में किया गिरफ्तार किया है। विशाल पुत्र अनिल निवासी कालागढ़ वर्कचार्ज कालोनी पौड़ी गढ़वाल निवासी चोई बस्ती सहसपुर किसी बात को लेकर लड़ाई झगड़ा कर रहा था लेकिन पुलिस के समझाने पर भी अभद्र भाषा का प्रयोग व हिंसा पर उतारू हो गया। जिसे पुलिस ने शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। वहीं सहसपुर पुलिस ने वारंटियों के विरूद्ध प्रचलित अभियान में तीन वारंटियों सुभाष चंद पुत्र कली राम निवासी ग्राम देवथला पो. रूद्रपुर थाना सहसपुर, सागर पुत्र रंगीलाल निवासी देवथला रूद्रपुर सहसपुर व अभय उर्फ अब्बू पुत्र फूल सिंह निवासी देवथला रूद्रपुर कोतवाली सहसपुर को गिरफ्तार कर तीनों वारंटियों को कोर्ट में पेश किया। जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम में एसआई राजीव धारीवाल, सिपाही पदम सिंह, होमगार्ड प्रीतम सिंह व अनुज कुमार शामिल रहे।

शिक्षा के क्षेत्र में रुद्रप्रयाग की बड़ी उपलब्धि

■ डॉ. राधोलाल उत्तरांचली को 'डीलिट' की सर्वोच्च उपाधि

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के साथ ही समाज सेवा के लिए समर्पित जनपद के शिक्षक डॉ. राधेलाल उत्तरांचली को दिल्ली में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में देश की प्रतिष्ठित अकादमिक उपाधि डीलिट (डॉक्टर ऑफ लिटरेचर) से सम्मानित किया गया। काशी हिन्दी विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुखमंगल सिंह, कुल. पति डॉ. संभाजी राजाराम बाविस्कर तथा कुलसचिव इन्द्रजीत तिवारी ने डॉ. उत्तरांचली को संयुक्त रूप से उपाधि प्रदान की।

डॉ. उत्तरांचली को यह सम्मान उनकी ओर से शिक्षा और समाज के उत्थान के लिए किए गए शोधपरक और निस्वार्थ कार्यों के लिए दिया गया। गौरतलब है कि डीलिट की उपाधि अकादमिक जगत का सर्वोच्च सम्मान मानी जाती है, जो केवल पीएचडी धारकों को ही उनके असाधारण योगदान के आधार पर दी जाती है। डॉ. उत्तरांचली को पूर्व में भी शिक्षा व समाज सेवा में मानद डॉक्टरेट सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा चुका है। डॉ. राधेलाल उत्तरांचली न केवल एक कुशल शिक्षक हैं, बल्कि वे नब्बे के दशक से ही शिक्षक हितों के लिए संघर्षरत हैं। वे कई शिक्षक-कर्मचारी संगठनों के जनपदीय और प्रांतीय पदों पर आसीन रह चुके हैं। वर्तमान में वे जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ, रुद्रप्रयाग के निर्वाचित जिला महामंत्री के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे हैं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर जनपद के शिक्षा विभाग, शिक्षक संघों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाए प्रेषित की। भूगोल वेता प्रवीन रावत ने कहा कि इस सम्मान से न केवल डॉ. उत्तरांचली का कद बढ़ा है, बल्कि पूरे उत्तराखंड के शिक्षक समाज का गौरव भी बढ़ा है।

नई टिहरी में निर्माण कार्य से रिहायशी भवनों पर मंडराया खतरा

■ एसडीएम ने जारी किया नोटिस

कुलणा क्षेत्र में जेसीबी मशीन से खुदाई के कारण आवासीय भवन के आंगन को पहुंचा भारी नुकसान

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अंबिका सजवाण को निर्माण रो. कने के निर्देश बीस फरवरी को न्यायालय में किया तलब

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद मुख्यालय के समीपवर्ती ग्राम कुलणा क्षेत्र में एक निर्माण कार्य के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और आसपास के रिहायशी भवनों के लिए खतरा उत्पन्न करने का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है। इस पूरे प्रकरण का संज्ञान लेते हुए उपजिला मजिस्ट्रेट स्नेहिल कुंवर सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। प्रशासन ने इसे सीधे तौर पर लोक न्यूसेंस से जुड़ा मामला मानते हुए संबंधित निर्माणकर्ता पक्ष को तत्काल प्रभाव से एक कानूनी नोटिस जारी किया है। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है क्योंकि जिस स्थान पर यह निर्माण कार्य चल रहा है वहां सरकारी आवासों में कई परिवार निवास कर रहे हैं और प्रशासन के लिए उनके जान माल की सुरक्षा सबसे अहम है।

राजस्व उपनिरीक्षक डिबनू द्वारा गुरुवार को प्रशासन को सौंपी गई विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। जारी किए गए आधिकारिक नोटिस में इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि अठारह फरवरी को कुलणा क्षेत्र के अंतर्गत नई टिहरी कोतवाली से जिला कारागार की ओर जाने वाली सड़क के बायीं तरफ स्थित एक भूखंड पर भवन निर्माण के लिए भारी भरकम जेस. ीबी मशीन लगाकर जमीन के समतलीकरण का कार्य किया जा रहा था। इस मशीनरी से की जा रही गहरी खुदाई और समतल. ीकरण के दौरान वहां स्थित आवास संख्या चार ब्लाक सी टाइप तीन के आंगन और चौक को काफी क्षति पहुंची है। इस लाप. रवाही पूर्ण निर्माण कार्य के कारण वहां निवासरत परिवारों के भवनों की नींव पर असर पड़ा है जिससे उनके लिए एक बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है और स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल है।प्रशासन ने इस पूरे घटनाक्रम को बेहद गंभीरता से लेते हुए इसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बीएनएसएस 2023 की धारा 152 के तहत लोक न्यूसेंस की श्रेणी में रखा है और जानमाल की सुरक्षा के दृष्टिगत त्वरित विधिक कार्रवाई को नितांत आवश्यक बताया है। इस मामले में उपजिला मजिस्ट्रेट ने निर्माण कार्य करवा रही पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अंबिका सजवाण पत्नी शूरवीर सिंह सजवाण को सख्त नोटिस जारी कर तलब किया है। नोटिस के माध्यम से उन्हें स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि वे विवादित स्थल पर चल रहे सभी प्रकार के निर्माण और खुदाई कार्यों को तत्काल प्रभाव से रोक दें। इसके साथ ही उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए आगामी बीस फरवरी शुक्रवार की सुबह ग्यारह बजे न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।न्यायालय द्वारा जारी इस आदेश में यह भी कड़ी चेतावनी दी गई है कि यदि संबंधित पक्ष निर्धारित तिथि और समय पर अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिए न्यायालय में उपस्थित नहीं होता है तो प्रशासन द्वारा बिना किसी अतिरिक्त सूचना के एक पक्षीय विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसके बाद उत्पन्न होने वाली किसी भी कानूनी परिस्थिति की पूरी जिम्मेदारी स्वयं निर्माणकर्ता की होगी। इस महत्वपूर्ण नोटिस की एक प्रति नई टिहरी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ऐश्वर्य पाल को भी प्रेषित कर दी गई है। पुलिस विभाग को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे पूरी मुस्तैदी के साथ नियमानुसार इस नोटिस की तामील करवाएं और समय रहते इसकी विस्तृत रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें ताकि मामले की आगे की कानूनी कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके।

टीएचडीसी परियोजना को मिली बड़ी सफलता, टीआरटी का सफल ब्रेकथ्रू

शाह टाइम्स संवाददाता

पीपलकोटी/चमोली। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धि हासिल करते हुए 444 मेगावाट की विष्णुगाड़-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टेल रेस टनल (टीआरटी) का सफल ब्रेकथ्रू कर लिया है। यह रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना उत्तराखंड चमोली जिले के भू-वैज्ञानिक दृष्टि से संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में विकसित की जा रही है।लगभग 3.1 किलोमीटर लंबी तथा 9.2 मीटर व्यास (फिनिश्ड) की टेल रेस टनल परियोजना का एक महत्वपूर्ण भूमिगत घटक है, जिसके माध्यम से विद्युत उत्पादन के पश्चात जल को पुन: नदी में प्रवाहित किया जाता है। कुल 3.1 किलोमीटर लंबाई में से लगभग 1 किलोमीटर में ओवर लाइनिंग कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जो परियोजना की निर्धारित समयसीमा की दिशा में निरंतर प्रगति को दर्शाता है।टीआरटी का यह ब्रेकथ्रू अत्यंत चुनौतीपूर्ण भू-वैज्ञानिक परिस्थितियों के बीच हासिल किया गया। खुदाई के दौरान कई स्थानों पर कैविटी निर्माण, शियर जोन, भारी जल रिसाव तथा कीचड़ प्रवाह जैसी जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ा। एक फेस पर बार-बार कैविटी सक्रिय होने और तीव्र जल प्रवाह के कारण खुदाई कार्य अस्थाई रूप से रोकना पड़ा तथा रणनीतिक रूप से विपरीत दिशा से कार्य आगे बढ़ाया गया। कमजोर एवं जल-संतृप्त चट्टानी क्षेत्र को सुरक्षित पार करने हेतु पाइप रूफिंग, ग्राउटिंग, शॉटक्रीटिंग, प्रोब ड्रिलिंग तथा मल्टी-ड्रिफ्टिंग जैसी उन्नत स्थिरीकरण तकनीकों का वैज्ञानिक ढंग से प्रयोग किया गया। सतत निगरानी और तकनीकी दक्षता के बल पर अंतिम संवेदनशील खंड को स्थिर कर ऐतिहासिक ब्रेकथ्रू प्राप्त किया गया।इस अवसर पर अपने संबोधन में परियोजना प्रमुख अजय वर्मा ने परियोजना टीम, कांट्रेक्टर (एचसीसी), अभियंताओं एवं श्रमिकों को बधाई देते हुए कहा टेल रेस टनल का यह ब्रेकथ्रू हमारे अभियंताओं और कर्मियों की प्रतिबद्धता, तकनीकी दक्षता और टीम भावना का प्रमाण है। हिमालयी भूगर्भीय परिस्थितियों ने हमें कैविटी निर्माण, भारी जल प्रवाह और कीचड़ जैसी चुनौतियों के माध्यम से कई बार परखा, लेकिन वैज्ञानिक योजना, सुदृढ़ स्थिरीकरण उपायों और कड़े सुरक्षा मानकों के बल पर हमारी टीम ने इन चुनौतियों को सफलतापूर्वक पार किया। यह उपलब्धि न केवल विष्णुगाड़-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना को आगे बढ़ाती है, बल्कि राष्ट्र के लिए सतत एवं विश्वसनीय ऊर्जा उत्पादन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करती है।"

जीडीसी व सीएचसी का उच्चीकरण क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर: चौहान

■ यमुनोत्री क्षेत्र बनेगी उत्तराखंड की आदर्श विधान सभा, कई मांगों पर जल्द होगा शासनादेश

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि राजकीय महाविद्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उच्चीकारण को क्षेत्र के विकास मे मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए कई योजनाएं और भी हैं जिन पर जल्दी ही संस्तुति मिलेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताते हुए चौहान ने कहा कि महाविधालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के उच्चीकरण की मांग क्षेत्र के लोग लम्बे समय से कर रहे थे। आखिरकार आज यह मांग भी पूरी हो गयी और सीएम की घोषणा से इसका जल्दी से धरातलीय क्रियान्वयन होगा।

चौहान ने कहा कि क्षेत्र मे महाविधालय उच्चीकृत न होने से स्नातक करने के बाद छात्रों को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता था। उच्चीकरण के बाद अब उन्हे एमए और एमएससी तक शिक्षा अपने ही क्षेत्र मे मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उप जिला चिकित्सालय मे उच्चीकरण होने से क्षेत्र की जनता को बड़ा लाभ मिलेगा। क्षेत्र मे शिक्षा और स्वास्थ्य एक बड़ा मुद्दा रहा है और इनके हल होने से चिन्याली क्षेत्र को बड़ा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि पूर्व मे उन्होंने इस बारे मे सीएम को दिये पत्र के बाद कार्यवाही चल रही थी, लेकिन सीएम की घोषणा के बाद अब स्थिति स्पष्ट हो गयी है।

चौहान ने कहा कि सीएम को अन्य विंदुओ पर भी कार्यवाही का आग्रह किया गया है।

जिसमे राज्य मार्ग संख्या 16 बड़ेथी-बनचौरा-बद्रीगाड़ लम्बाई 96 किमी० का डेड लाइन में परिवर्तन, धरासू-जोगथ मोटर मार्ग डेड लाईन में परिवर्तन,क्यारी-दिचली से सेम-मुखेम तक मोटर मार्ग, जगड़गांव से सेम नागराजा मन्दिर तक ट्रैक मार्ग, बी०बी०बी० मोटर मार्ग जोखणी-जेष्टवाड़ी से बमणती तक लिंक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य, दिवारीखोल में राजीव गांधी नवोदय विद्यालय भवन का शिलान्यास कर अतिशीघ्र कैम्पस का निर्माण, कास्तकारों की 80 साल से पूर्व की लीज पट्टो की भूमि का नवीनी करण एवं नियमित. ीकरण,

10- 60 वर्ष से अधिक वन भूमि में जीवन यापन करने वालों को मालि. काना हक, बनगांव चोपड़ा कस्लाना मोटर मार्ग का निर्माण कार्य,

कोटधार दशगी एवं दिचली भौंगवाल गांव में राष्ट्रीयकृत बैंक की स्थापना, दिवारीखोल से जोखणीसौड़ कणकेश्वर धाम होते हुये कण्डारखोल तक पर्यटक क्षेत्र घोषित कर ट्रैक मार्ग निर्माण, बनचौरा में सा.स्वा केन्द्र की स्थापना तथा धरासू तराकोट मोटर मार्ग की बदलाह स्थिति का सुधारीकरण की मांग प्रमुख है। इन पर सीएम ने सकारात्मक आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र मे मोटर मार्ग, ट्रैक मार्ग गेस्ट हाउस और पर्यटन गतिविधियों को बढावा देने के लिए कई सौगाते शीघ्र ही मिलेगी। यमुनोत्री को राज्य की सर्वश्रेष्ठ विस बनाने के लिए कोई कोर कसर नही छोड़ी जायेगी। उन्होंने कहा कि आज जन जन की सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम मे हजारों लोगों ने शि. विर का लाभ उठाया। समस्याओं का निवारण मौके पर ही हो सीएम धामी की इस पहल का राज्य भर मे लोगों को लाभ हो रहा है। निश्चित तौर पर यमुनोत्री क्षेत्र के विकास के लिए सीएम की घोषणाएं मील का पत्थर साबित होगी।

जनगणना की तैयारियों को लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

शाह टाइमस संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद में आगामी जनगणना-2027 की तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू हो गई हैं। जिला कार्यालय सभागार में गुरुवार को आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से इस महत्वाकांक्षी परियोजना का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस बार की जनगणना ऐतिहासिक होगी, क्योंकि यह देश की पहली शत-प्रतिशत डिजिटल जनगणना होगी।जनगणना कार्य निदेशालय के संयुक्त निदेशक शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि जनगणना-2027 पूरी तरह से आधुनिक तकनीक पर आधारित होगी। उन्होंने कहा, यह प्रथम अवसर है जब संपूर्ण प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संपादित की जाएगी। प्रगणक और पर्यवेक्षक रजिस्टर के बजाय अपने मोबाइल फोन पर ऐप के माध्यम से डेटा दर्ज करेंगे। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जाएगा, जिसे जनगणना का मस्तिष्क माना जा रहा है। जनगणना का कार्य पूर्ववर्ती वर्षों की भांति दो चरणों में संपन्न होगा, लेकिन इस बार इसमें स्व-गणना का एक विशेष विकल्प भी जोड़ा गया है। स्व-गणना 10-24 अप्रैल तक परिवार पहली बार वेब पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। प्रथम चरण 25 अप्रैल - 24 मई तक मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य घर-घर जाकर किया जाएगा। द्वितीय चरण फरवरी 2027 में मुख्य जनसंख्या गणना 9 से 28 फरवरी 2027 के बीच होगी। पहाड़ी क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान उत्तराखंड के हिमाच्छादित क्षेत्रों में जनसंख्या गणना का कार्य 11-30 सितंबर के बीच ही पूरा कर लिया जाएगा।

वीबी–जी योजना में गारंटीशुदा रोजगार : जोशी

■ खटीमा में वीबी–जी' पर आधारित कार्यशाला में शामिल हुए प्रदेश के ग्राम्य विकास मंत्री

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

खटीमा। प्रदेश के ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने जनपद ऊधमसिंह नगर के खटीमा स्थित विकासखण्ड सभागार में आयोजित 'विकसित भारतख्ररोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी–जी' पर आधारित कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने किसानों एवं स्थानीय लोगों से संवाद कर सरकार की ग्रामीण रोजगार नीति की विस्तृत जानकारी दी। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में ग्रामीण रोजगार योजनाओं को और अधिक सशक्त बनाया गया है। उन्होंने विपक्ष द्वारा मनरेगा को समाप्त किए जाने संबंधी अफवाहों को निराधार बताया। उन्होंने जानकारी दी कि वीबी–जी योजना के तहत अब ग्रामीण परिवारों को 100 के स्थान पर 125 दिन का गारंटीशुदा रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। सामान्य राज्यों के लिए केंद्र–राज्य वित्तीय अनुपात 60:40 तथा हिमालयी और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 90:10 निर्धारित किया गया है। उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में रिटेनिंग वॉल को भी अनुमन्य कार्यों में शामिल किया गया है। मंत्री जोशी ने बताया कि कृषि के व्यस्त समय को ध्यान में रखते हुए वर्ष में 60 दिन ऐसे निर्धारित किए जा सकेंगे, जब योजना के अंतर्गत कार्य नहीं कराया जाएगा। जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत ढांचे के विकास और आजीविका संवर्धन को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने क्षेत्रवासियों एवं पूर्व सैनिकों की समस्याएं भी सुनीं और खटीमा क्षेत्र में लंबित शहीद द्वारों के शीघ्र निर्माण का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश जोशी, नन्दन खड़ायत, रविंद्र राणा, सतीश भट्ट, नवीन पोखरियाल सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक एवं मातृशक्ति उपस्थित रही।

समस्याओं को लेकर यूकेडी ने नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उचित मानकों के अनुसार स्पीड ब्रेकर निर्माण व कूड़ेदान से फैल रही गंदगी के विरोध में यूकेडी कार्यकर्ताओं ने नगर निगम पहुंचकर नगर आयुक्त परितोष वर्मा को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र ही समस्याओं का समाधान करने की मांग की। गुरूवार को यूकेडी महानगर अध्यक्ष हरीश जोशी व उपाध्यक्ष जसविन्द पाल सिंह के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने नगर आयुक्त को सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि शहर के वार्ड–4 में अनियोजित एवं अव्यवस्थित स्पीड ब्रेकरों के कारण आए दिन हादसे हो रहे है। उन्होंने कहा कि उचित मानकों के अनुसार स्पीड ब्रेकरों के निर्माण एवं सुधार किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वार्ड के मुख्य स्थान पर एक कूड़ेदान रखा गया है, कूड़ेदान से फैल रही गंदगी और दुर्गंध से आस–पास के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि उक्त कूड़ेदान को वहां से हटाकर उचित स्थान पर स्थापित किया जाए। ज्ञापन देने वालों में हरीश जोशी, जसविंदर पाल सिंह, हरीश पांडे आदि शामिल रहे।

विचाराधीन बंदी की इलाज के दौरान मौत

हल्द्वानी। जिला कारागार नैनीताल में बंद एक 30 वर्षीय विचाराधीन बंदी की उपचार के दौरान सुशीला तिवारी अस्पताल में मौत हो गई। मृतक युवक बनभूलपुरा क्षेत्र का निवासी था और एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल में बंद था। जानकारी के मुताबिक युवक लंबे समय से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था। वह नशे के इंजेक्शन का आदी था, जिसके कारण उसे एचआईवी संक्रमण हो गया था। उसकी तबियत बिगड़ने पर बीते 12 फरवरी को पहले उसे बीडी पांडे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे चिकित्सकों द्वारा हल्द्वानी सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा कि मृतक को पूर्व में काला पीलिया भी हो चुका था, लेकिन वह उससे उबर चुका था।

आवासीय योजनाओं में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ.कुमार

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देशन में उत्तराखण्ड आवास एवं विकास परिषद ने शहरी विकास को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। गुरुवार को आवास सचिव एवं आवास आयुक्त डॉ. आर. राज. ेश कुमार की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगी। आम जनता को सुनियोजित, सुविधायुक्त एवं किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए ठोस कार्ययोजना तय की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि परिषद की योजनाएं केवल भवन निर्माण तक सीमित न रहें, बल्कि नागरिकों को बेहतर जीवनस्तर और आधुनिक आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराएं।

'प्रमुख शहरों में बनेंगे आधुनिक सामुदायिक केंद्र'

बैठक की अध्यक्षता करते हुए आवास सचिव एवं आवास आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि परिषद द्वारा देहरादून, ऋषिकेश, रूड़की, काशीपुर सहित अन्य नगरों में आधुनिक सामुदायिक केंद्र विक. सित किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। इन केंद्रों को इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि आम नागरिक विवाह समारोह, सामा. जिक कार्यक्रम एवं अन्य आयोजनों के लिए कम दरों पर इनका उपयोग कर सकें। यह पहल मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए विशेष राहत लेकर आएगी। परिषद का मानना है कि इससे सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को निजी महंगे बैंक्वेट हॉल पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

'चौड़ी सड़क, पार्क और बेहतर सुविधाओं से युक्त आवासीय कॉलोनियां'

आवास सचिव एवं आवास आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि समीक्षा बैठक में देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार, रूड़की, काशीपुर, जसपुर और अल्मोड़ा में भूखण्डों और भवनों के आवंटन की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए गए।

इन योजनाओं में चौड़ी सड़कें, हरित पार्क, सामुदायिक केंद्र और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। परिषद का उद्देश्य है कि नागरिकों को सुनियोजित वातावरण में सुरक्षित और व्यवस्थित आवास मिल सके। इससे न केवल जीवनस्तर सुधरेगा बल्कि राज्य की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी

सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति को कुछ विभाग दिखा रहे आईना

टेंडरों में 'चहेते' ठेकेदारों का खेल, नियमों को तोड़ बनाई जा रहीं शर्तें

■ ई–टेंडर प्रक्रिया में दोहराव, ऑडिट की आपत्तियों के बावजूद नहीं बदली कार्यशैली ऑडिट रिपोर्ट में पहले भी पकड़ी जा चुकी हैं खामियां

मौहम्मद शाह नजर

देहरादून। उत्तराखण्ड सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति को कुछ विभाग ही आईना दिखा रहे हैं। उत्तराखंड के जल निगम, जल संस्थान और सिंचाई विभाग में जारी सरकारी टेंडरों की प्रक्रिया सवाल उठ रहे हैं। इन विभागों की अधिकांश निविदाएं बीते कई वर्षों से इस तरह तैयार की जा रही हैं कि लाभ केवल कुछ चुनिंदा ठेकेदारों अथवा उनसे जुड़ी फर्मों तक ही सीमित रह जाए।

जांच में सामने आया है कि टेंडरों में बार–बार वही कुछ विशिष्ट कंपनियों/निर्माताओं के उपकरण अनिवार्य किए जा रहे हैं, जिनकी अधिकृत आपूर्ति का अधिकार उन्हीं चुनिंदा ठेकेदारों के पास है।

इस शर्त के चलते अन्य सक्षम, अनुभवी और पंजीकृत ठेकेदार स्वत: ही प्रक्रिया से बाहर हो जाते हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा लगभग समाप्त हो जाती है।

ऑडिट रिपोर्ट में पहले भी पकड़ी जा चुकी हैं खामियां

यह कोई नई बात नहीं है। इससे पहले महालेखाकार (ऑडिट) ने राज्य की सरकारी खरीद और निर्माण कार्यों की ई–टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं पकड़ी थीं। ऑडिट में खुलासा हुआ था कि, प्रतिस्पर्धा सीमित करने के लिए न्यूनतम अवधि और शर्तें बदली जा रहीं हैं, बड़े कार्यों को छोटे–छोटे हिस्सों में बांटकर टेंडर जारी किए जा रहे हैं, एक ही एफडीआर और दस्तावेजों का कई निविदाओं में उपयोग किया जा रहा है, ई–टेंडर पोर्टल पर बिना आवश्यक दस्तावेजों के भी पंजीकरण किया जा रहा है।

पूर्व–निविदा की आपत्तियों को किया गया खारिज

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हालिया एक निविदा में पूर्व–निविदा बैठक से पहले लिखित आपत्ति दर्ज कराई गई थी। इसमें शासनादेश का हवाला देते हुए अधिकृत आपूर्ति की शर्त हटाने की मांग की गई थी। इसके बावजूद विभाग ने लिखित जवाब में साफ कर दिया कि 'निविदा की शर्तों में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा'।

समय–सीमा बढ़ाने में भी दोहरा रवैया

निविदा की समय–सीमा बढ़ाने को लेकर अपनाया गया दोहरा मापदंड इस मामले को और गंभीर बनाता है। पहले एक संस्था के अनुरोध को यह कहकर ठुकरा दिया गया कि समय–विस्तार पहले ही दिया जा चुका है, लेकिन इसके बाद विभाग ने स्वयं उसी निविदा की अंतिम तिथि दोबारा बढ़ा दी। सूत्रों का दावा है कि टेंडर शर्तें तैयार करने से लेकर समय–सीमा बढ़ाने तक की प्रक्रिया में कुछ विभागीय अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है।

आरोप है कि प्रभावशाली ठेकेदारों के लिए नियम बदले जाते हैं, जबकि अन्य के लिए सख्ती बरती जाती है। जिसके कारण उत्तराखण्ड सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति को आईना दिखाया जा रहा हैं।

मुख्यमंत्री भाजपा बूथ अध्यक्ष उत्तम रावत की पुत्री के विवाह समारोह में हुए शामिल

उत्तरकाशी। चिन्यालीसौड़ आगमन के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बड़ेथी भाजपा बूथ अध्यक्ष उत्तम सिंह रावत की सुपुत्री आशिका रावत के विवाह के शुभ अवसर पर उपस्थित रहकर आशीर्वाद दिया और परिवारजनों को बधाई व शुभकामनाए दी। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, दर्जाधारी राज्यमंत्री राम सुंदर नौटियाल, गीता राम गौड़, पूर्व जिला उपाध्यक्ष विजय बडोनी, गोपाल सिंह रावत,वार्ड न०7 बड़ेथी के सभासद मनवीर ,मंडल अध्यक्ष मनीष कुकरेती ,पूर्व प्रमुख डुण्डा शैलेन्द्र कोहली सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जेल में चिकित्सा सुविधाओं की कमी

निरीक्षण के दौरान आईजी जेल को बंदियों ने बताई समस्याएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। आईजी जेल करण सिंह नगन्याल ने गुरुवार को हल्द्वानी स्थित उपकारागार का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों से सीधे बातचीत की, जिनकी ओर से कई शिकायतें सामने आईं। इन शिकायतों में गारद की कमी के कारण इलाज में देरी और अन्य प्रशासनिक समस्याओं का जिक्र था। बंदियों ने खास तौर पर चिकित्सीय सुविधाओं पर सवाल उठाए, विशेषकर गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बाहरी अस्पताल भेजे जाने में सुरक्षा गारद की कमी को प्रमुख मुद्दा बताया।

आईजी ने शिकायतों के समाधान का भरोसा दिया और जेल का निरीक्षण किया। गुरूवार को आईजी जेल करण सिंह नगन्याल अचानक निरीक्षण के लिए हल्द्वानी उपक. ारागार पहुंचे। निरीक्षण के दौरान भोजन व्यवस्था, स्वच्छता और चिकित्सीय सुविधाओं की समीक्षा की। अस्पताल वार्ड का जायजा लिया गया, जहां बंदियों ने उपचार से जुड़ी कठिनाइयों को प्रमुखता से उठाया। बंदियों का कहना था कि गंभीर बीमारी की स्थिति में बाहरी अस्पताल ले जाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा गारद उपलब्ध नहीं हो पाती, जिससे इलाज में देरी होती है। बताया कि यदि उन्हें दिल्ली या ऋषिकेश जैसे बड़े चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया जाता है तो सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में प्रक्रिया अटक जाती है। इस पर आईजी ने जेल अधीक्षक प्रमोद कुमार पांडे से स्थिति स्पष्ट करने को कहा। पता लगा कि स्थानीय स्तर पर पुलिस गारद की कमी समस्या का मुख्य कारण है।

नैनीताल से कभी–कभी गारद मिल जाता है, लेकिन ऊधमसिंह नगर से सहयोग नियमित रूप से नहीं मिल पा रहा। इस पर आईजी ने तत्काल संबंधित अधिकारियों से पत्राचार कर समाधान निकालने के निर्देश दिए। बंदियों ने अदालतों में गवाही की प्रक्रिया में देरी की शिकायत भी की। आईजी ने स्पष्ट किया कि न्यायिक प्रक्रिया अदालत के अधिकार क्षेत्र में आती है, फिर भी प्रशासनिक स्तर पर जो औपचारिक पहल संभव होगी, वह की जाएगी। उन्होंने महिला बैरक का दौरा कर महिला बंदियों से व्यक्तिगत रूप से बात की। उन्होंने सभी शिकायतों का समाधान निकालने का भरोसा दिलाया और प्रशासनिक सुधार के लिए जरूरी कदम उठाने का आश्वा. सन दिया।

यूजीसी नियमों पर बरसे सवर्ण

सवर्ण शक्ति संगठन कल निकालेगा आक्रोश महारैली

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। यूजीसी की नई गाइडलाइन को लेकर सवर्ण शक्ति संगठन उत्तराखंड ने मोर्चा खोल दिया है। संगठन के संयोजक प्रकाश हर्बोला ने गाइडलाइन को भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की है। इसके विरोध में संगठन आगामी 21 फरवरी को रामलीला मैदान से डीएम कोर्ट कार्यालय तक एक विशाल आक्रोश महारैली निकालकर अपना विरोध वक्त करेंगा। जिसके बाद जिलाधिकारी को एक ज्ञापन भी प्रेषित किया जायेगा।

गुरूवार को रामपुर रोड स्थित एक होटल में पत्रकार वार्ता करते हुए संगठन के संयोजक प्रकाश हर्बोला ने कहा कि गाइडलाइन में भेदभाव झलकता है जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि झूठी शिकायत होने पर संबंधित व्यक्ति का कैरियर प्रभावित हो सकता है, जबकि शिकायतकर्ता के खिलाफ दंड का स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इससे शिक्षा संस्थानों में असंतुलन की स्थिति पैदा हो सकती है। श्री हर्बोला ने इक्विटी बोर्ड में सवर्ण वर्ग के प्रतिनिधित्व का अभाव भी मुद्दा उठाया।

उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रावधान से एक पक्ष को पहले से ही दोषी मान लिया जाए तो यह न्याय प्रक्रिया के अनुरूप नहीं है। उन्होंने रोहित वेमुला प्रकरण का उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार से गाइडलाइन पर पुनर्विचार की मांग की। संगठन के सह संयोजक भुवन भट्ट ने कहा कि संगठन किसी भी वर्ग के खिलाफ नहीं है, बल्कि न्याय व्यवस्था में समानता की पैरवी कर रहा है। शिक्षा संस्थान ज्ञान और संवाद के केंद्र होने चाहिए। उन्होंने सभी छात्रों और शिक्षकों के लिए निष्पक्ष और समान शिकायत तंत्र लागू करने की मांग उठाई। ऐलान किया कि संगठन ने 21 फरवरी को रामलीला मैदान से डीएम कार्यालय तक आक्रोश महारैली निकालेगा। आक्रोश महारैली के दौरान संगठन जिला. धिकारी को एक ज्ञापन भी प्रेषित करेंगा। पत्रकार वार्ता में जगत सिंह बिष्ट, त्रिलोक सिंह बिष्ट, तरुण वानखेड़े, मनोज अग्रवाल, प्रताप जोशी, योगेंद्र भट्ट सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

नाली में मिला भ्रूण

हल्द्वानी। रेलवे बाजार क्षेत्र में गुरुवार दोपहर नाली के किनारे एक भ्रूण मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने जब नाली के पास भ्रूण देखा, तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर बनभूलपुरा पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मुआयना किया। कोतवाल दिनेश फर्त्याल ने बताया कि पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आसपास के क्षेत्रों से जानकारी एकत्र की जा रही है, ताकि इस घटना के कारणों का पता चल सके। कोतवाल ने बताया कि भ्रूण मिलने के बाद कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं, लेकिन असली वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने पूरे क्षेत्र में तफ्तीश शुरू कर दी है और स्थानीय लोगों से भी महत्वपूर्ण सुराग जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में सच्चाई का खुलासा होगा और यह स्पष्ट किया जाएगा कि भ्रूण कैसे नाली तक पहुंचा कैसे।

अदालतों को धमकी: पुरानी कड़ियों से भी तार जोड़ रही पुलिस

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चार दिन पहले नैनीताल जिला कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिलने से पुलिस–प्रशासन में हड़कंप मच गया। धमकी के बाद पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई शुरू की, लेकिन इसके बाद से लगातार ई–मेल के माध्यम से धमकियां मिलने का सिलसिला जारी है। इन धमकियों के पीछे टॉर डार्कवेब का भी मामला सामने आया, लेकिन अब तक पुलिस को कोई ठोस सबूत नहीं मिल सके हैं। पुलिस के अनुसार वर्ष 2023 के अगस्त महीने में भी हाईकोर्ट नैनीताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। ये धमकी सीधे हाईकोर्ट को नहीं भेजी गई थी। बल्कि धमकी भेजने वाले ने नैनीताल पुलिस के ऑफीशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर भेजी थी। मामले में तल्लीताल पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और पड़ताल शुरू की गई तो इस मामले में दिल्ली के रहने वाले नितिन शर्मा का नाम सामने आया। जिसके बाद पुलिस ने धमकी देने वाले इस आरोपी को आंध्रप्रदेश से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन अब वह कहा है किसी को नहीं पता। पुलिस अब यह जांच रही है कि क्या इस नई धमकी और पूर्व में मिली धमकियों के बीच कोई संबंध तो नहीं है। इधर एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि धमकी भेजने वाले के डिजिटल फुट प्रिंट की तलाश की जा रही है और साइबर पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है। साथ ही पुलिस ने यह भी कहा कि पूर्व में मिली धमकी को भी वर्तमान मामले की जांच में शामिल किया गया है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई–राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक: एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन'

स्थानीय सम्पादक चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई–राजपुर रोड देहरादून

☎0135-2743363

R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656

मोबाइल–9720007290

www.shahtimesnews.com

email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

प्रपत्र संख्या यूआरसी–2

अध्याय XXI के भाग I के अंतर्गत पंजीकरण के बारे में सूचना देने वाला विज्ञापन

[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 374(बी) और कंपनी (पंजीकरण के लिए प्राधिकृत) नियम, 2014 के नियम 4(1) के अनुसार]

1. इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 366 की उपधारा (2) के अनुसरण में, उत्तराखंड के रजिस्ट्रार को एक आवेदन किया गया है कि **स्काईहाइक एलएलपी, एक एलएलपी**, एक एलएलपी को कंपनी अधिनियम 2013 के अध्याय XXI के भाग I के तहत शेयरों द्वारा सीमित कंपनी के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है।
2. कंपनी के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं: टूर और ट्रैवल सर्विस देना।
3. प्रस्तावित कंपनी के ड्राफ्ट मेमोरेंडम और आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन की एक कॉपी 87/1 NEHRU COLONY OLD, Dehradun, DEHRADUN, Uttarakhand, India, 248001
4. इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस आवेदन पर आपति करने वाला कोई भी व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से इक्कीस दिनों के भीतर लिखित रूप में सीआरसी, आईआईसीए, प्लॉट नंबर 6,7 और 8, सेक्टर 5, आईएमटी मानेसर को अपनी आपत्ति बता सकता है, जिसकी एक प्रति कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को भी भेजी जाए।

आवेदक का नाम
.विनय शर्मा
2.कुलदीप सिंह
दिनांक 19.02.2026

प्रपत्र संख्या यूआरसी–2

अध्याय XXI के भाग I के अंतर्गत पंजीकरण के बारे में सूचना देने वाला विज्ञापन

[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 374(बी) और कंपनी (पंजीकरण के लिए प्राधिकृत) नियम, 2014 के नियम 4(1) के अनुसार]

1. इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 366 की उपधारा (2) के अनुसरण में, उत्तराखंड के रजिस्ट्रार को एक आवेदन किया गया है कि **जीविसा इम्युनिटी इंडिया एलएलपी**, एक एलएलपी को कंपनी अधिनियम 2013 के अध्याय XXI के भाग I के तहत शेयरों द्वारा सीमित कंपनी के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है।
2. कंपनी के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं: सभी प्रकार के मानव रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले उत्पादों, चाहे वे आयुर्वेदिक, हर्बल या एलोपैथिक हों या किसी भी प्रकार के हों, को खरीदना, बेचना, बनाना, उत्पादन करना, उगाना, आयात करना, निर्यात करना, पैक करना, पुनः पैक करना, परिष्कृत करना, प्राप्त करना, प्रक्रिया करना, भंडारण करना, वितरित करना, आदान–प्रदान करना या अन्यथा सौदा करना।
3. प्रस्तावित कंपनी के ड्राफ्ट मेमोरेंडम और आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन की एक कॉपी डी 4, चंद्रलोक कॉलोनी राजपुर रोड, देहरादून, देहरादून, उत्तराखंड, इंडिया, 248001 पर ऑफिस में देखी जा सकती है।
4. इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस आवेदन पर आपत्ति करने वाला कोई भी व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से इक्कीस दिनों के भीतर लिखित रूप में सीआरसी, आईआईसीए, प्लॉट नंबर 6,7 और 8, सेक्टर 5, आईएमटी मानेसर को अपनी आपत्ति बता सकता है, जिसकी एक प्रति कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को भी भेजी जाए।

आवेदक का नाम
1. सारिका पंछी
2. विनीत कुमार पंछी
3. स्नेही सिंह
दिनांक 19.02.2026

न्यायालय श्रीमान असिस्टेन्ट कलक्टर टिहरी, टिहरी गढवाल।

राजस्व वाद सं०–62 सन्–2025

रतनमणी व अन्य

बनाम

दीपक व अन्य

चूंकि वादीगण द्वारा उक्त वाद में अपने ग्राम कोट पट्टी जुवा–उदयपुर तहसील कण्डीसौड़ जिला टिहरी गढवाल के वर्तमान खाता सं०–89 के बंटवारे के लिये अन्तर्गत धारा 176 उ०प्र० जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम का पेश किया गया जिसमें सहखातेदार दीपक पुत्र कुलानन्द, श्रीमती मगंसीरी पत्नी कुलानन्द, मोहन लाल, वासुदेब व चेतन लाल पुत्रगण विशेश्वर, गोकुलानन्द व सूरज पुत्रगण गोवर्द्धन निवासी ग्राम कोट पट्टी जुवा उदयपुर तहसील कण्डीसौड़ जिला टिहरी गढ़वाल रोजगार पर गांव से बाहर रहने के कारण उन परसमन की तामिली न हो पाने के कारण इस अखबार प्रकाशन से सूचना दी जाती है कि उक्त वाद में दिनांक 05–03–2026 की तिथि नियत है यदि उपरोक्त खाताधारको को कोई आपत्ति पेश करनी हो तो उक्त नियत तिथि तक स्वयं या द्वारा अधिवक्ता आपत्ति पेश करें एतद्वारा आपके द्वारा चूक करने पर वादीगण के उक्त वाद में एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी। अतः सूचना समझे।

आज दिनांक 05 माह 02 सन्–2026 को न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

आज्ञा से
प्रबंधक/रीडर
असिस्टेन्ट कलक्टर(प्रथम श्रेणी)
टिहरी, टिहरी गढ़वाल

न्यायालय श्रीमान असिस्टेंट कलक्टर महोदय, टिहरी, टिहरी गढवाल।

राजस्व वाद संख्या–48/2023

वाचस्पति कोठारी व अन्य

बनाम

दर्शनलाल व अन्य

समन प्रतिवादी बनाम– 1–श्री दर्शनलाल पुत्र श्री पुरुषोतम, **2/1**–विनित कोठारी पुत्र स्व० रमेश दत्त, **4**–गिरीश चन्द्र पुत्र भैरव दत्त, **5**–हरीश चन्द्र पुत्र भैरव दत्त, **6**–श्रीमती शोभा देवी पत्नी भैरव दत्त, **7**–जितेन्द्र पुत्र रोशन लाल, **8**–रवि पुत्र रोशन लाल, **9**–श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी रोशन लाल, **10**–सत्या देवी पत्नी कमल नारायण, **12**–प्रवीन पुत्र अमर देव, **14**–ओम प्रकाश पुत्र भोला दत्त, **15**–मुनेन्द्र पुत्र भोला दत्त, **17**–श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी भोला दत्त, **18**–अरविन्द पुत्र विजेन्द्र प्रसाद सभी निवासी ग्राम हडम, पट्टी–मनियार, तहसील–टिहरी, जिला–टिहरी गढवाल।

चूंकि वादीगण वाचस्पति कोठारी व अन्य के द्वारा एक वाद अन्तर्गत धारा–176 जमींदारी विनाश अधिनियम के तहत अपना खाता संयुक्त खाते से अलग करने हेतु एक वाद इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिनमें आपको भी बतौर प्रतिवादी बनाया गया है। उपरोक्त वाद में जवाबदावा प्रस्तुत करने हेतु दिनांक 05–03–2026 की तिथि नियत की गयी है। यदि आपको उपरोक्त वाद में कोई जवाबदावा प्रस्तुत करना हो तो उक्त तिथि को बवक्त 10:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा उपरोक्त मुकदमे में आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी और इसके बाद की गयी कोई आपत्ति समायत नहीं होगी।

आज दिनांक 17–02–2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

आज्ञा से
वाचक
असिस्टेन्ट कलक्टर(प्रथम श्रेणी)
टिहरी, टिहरी गढ़वाल

नाम शुद्धि/जन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र तेजपाल सिंह (हवलदार, असम राइफल) के सर्विस रिकॉर्ड (सेवा अभिलेखों) में मेरा नाम गलती से अंग्रेजी में DILLU DEVI दर्ज हो गया है। मेरा सही नाम DILLO DEVI है, जो कि मेरे आधार कार्ड (सं०–885116332310) व पैन कार्ड (सं०–JRBPD0059K) में भी अंकित है। भविष्य में सभी सरकारी व गैर–सरकारी कार्यों में मुझे मेरे सही नाम DILLO DEVI से ही जाना व पहचाना जाए।

श्रीमती दिल्लो देवी
पत्नी श्री मकान सिंह बिष्ट
निवासीः ग्राम स्यूटा बडा, पट्टी मनियार, तहसील टिहरी, जिला टिहरी गढ़वाल
हाल निवासीरू कॉलेज रोड सुमन कॉलोनी चम्बा, टिहरी गढ़वाल

न्यायालय असिस्टेन्ट कलक्टर टिहरी, टिहरी गढवाल।

राजस्व वाद सं०–51 सन्–2025

अजेन्द्र सिंह व अन्य

बनाम

बीर सिंह व अन्य

चूंकि वादीगण अजेन्द्र सिंह, विजय सिंह, रविन्द्र सिंह, संजीव सिंह पुत्रगण स्व० श्री उदय सिंह निवासी ग्राम बौर, पट्टी जुवा, तहसील टिहरी, जिला टिहरी गढवाल ने एक बंटवारा वाद अन्तर्गत 176 उ०प्र० जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम का इस न्यायालय में पेश किया है जिसकी आप प्रतिवादी बीर सिंह पुत्र स्व० श्री फते सिंह निवासी ग्राम बौर, पट्टी जुवा, तहसील टिहरी, जिला टिहरी गढवाल पर पुनः नोटिस तामिल करवाने हेतु इस प्रकाशन के द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि उक्त वाद में सुनवाई के लिये दिनांक 12–03–2026 की तिथि नियत की गई है।

अतः आपको सूचित किया जाता है कि यदि आपको उक्त वाद पत्र पर कोई आपत्ति पेश करनी हो तो आप उक्त नियत दिनांक को समय 11:00 बजे दोपहर तक स्वयं या द्वारा अधिवक्ता आपत्ति पेश करें, अन्यथा उक्त वाद में एक पक्षीय कार्यवाही अग्रसारित की जायेगी। सूचना समझे।

आज दिनांक 10 माह 02 सन्–2026 को न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

आदेशानुसार
प्रबंधक/रीडर
असिस्टेन्ट कलक्टर(प्रथम श्रेणी)
टिहरी, टिहरी गढ़वाल

खाचानोव से भिड़ेंगे अल्काराज

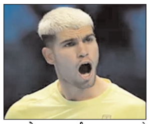

दोहा, वार्ता। बुधवार को दोहा में कतर एक्सॉनमोबिल ओपन में कार्लोस अल्काराज ने शानदार फर्निश करते हुए सीधे सेटों में जीत हासिल की। एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी ने वैलेंटिन रॉयर को 6-2, 7-5 से हराकर हार्ड-कोर्ट एटीपी 500 में क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

अल्काराज ने दूसरे सेट में 2-5 से लगातार पांच गेम जीते, और अपने लेवल को हमेशा की तरह शानदार तरीके से ऊपर उठाते हुए 96 मिनट में दूसरे राउंड में जीत हासिल की। जब अल्काराज से पूछा गया कि क्या उन्हें कभी शक हुआ कि वह जीत हासिल कर सकते हैं, तो उन्होंने कहा कि जाहिर है मुझे हर चीज के लिए तैयार रहना था।

कुछ पल ऐसे थे जब मैंने तीसरे सेट के बारे में सोचा, मैं झूठ नहीं बोलूंगा, लेकिन जाहिर है यह मेरे दिमाग में एक छोटी सी जगह थी जो ऐसा सोच रही थी। बाकी सब कुछ सॉल्यूशन खोजने, फिर से सही रास्ता खोजने पर काम कर रहा था। ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने के बाद अब लगातार नौ मैच जीतने वाले अल्काराज गुरुवार को आखिरी चार में जगह बनाने के लिए कैरेन खाचानोव से भिड़ेंगे। सातवें सीड वाले खाचानोव, जिन्होंने बुधवार को मार्टन फुकसोविक्स को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया था, कतर की राजधानी में 2024 के चैंपियन थे। अल्काराज अब आउटडोर हार्ड कोर्ट पर लगातार 27 मैच जीतने वाले हैं, जो पिछले अगस्त में सिनसिनाटी ओपन में उनके टाइटल जीतने के बाद से है। 22 साल के अल्काराज दोहा में अपनी पहली ट्रॉफी जीतने की कोशिश कर रहे हैं, जहां एक साल पहले इवेंट में डेब्यू करते समय वह क्वार्टर-फाइनल स्टेज में जिरी लेहेका से हार गए थे।

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को भी दी पटखनी

जबरदस्त प्रदर्शन जारी, टी-20 विश्वकप के ग्रुप बी में शीर्ष पर टीम

कोलंबो, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया को हराने वाले जिम्बाब्वे ने अपना जबरदस्त प्रदर्शन जारी रखते हुए आज श्रीलंका का भी शिकार कर लिया और टी-20 विश्वकप के ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया। ब्लेसिंग मुजारबानी, ब्रैड एवंस और ग्रीम क्रेमर (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ब्रायन बेनेट (नाबाद 63) कप्तान सिकंदर रजा (45) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप 38वें मुकाबले में श्रीलंका को तीन गेंदे शेष रहते छह विकेट से मात दे दी। जिम्बाब्वे के इस जीत के बाद सात अंक हो गये है और वह ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

श्रीलंका छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमों ने सुपर आठ में जगह बना ली है। 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट और तडिवनाशे मारुमानी की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 69 रन जोड़े। नौवें ओवर में दुनित वेल्लालगे ने तडिवनाशे मारुमानी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

तडिवनाशे मारुमानी ने 26 गें. दों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 34 रन बनाए। 12वें ओवर में दसून शानका ने रायन बर्ल 12 गेंदों में 23 रन को आउट कर श्रीलंका को दूसरी सफलता दिलाई। जिम्बाब्वे का तीसरा विकेट सिकंदर रजा के रूप में 19वें ओवर में गिरा। सिकंदर रजा ने 26 गेंदों में चार छक्के और दो चौके लगाते हुए 45 रनों की पारी खेली। इसी ओवर में दुशान हेमंता ने तालशगा मुसेकिवा (एक) को आउट कर अपना दूसरा विकेट झटका। लेकिन टोनी मुनयोंगा ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का और ब्रायन ने तीसरी गेंद पर चौका मारकर टूर्नामेंट का एक और बड़ा उलटफेर कर दिया। जिम्बाब्वे ने 19-3 ओवरों में चार विकेट पर 182 रन बनाए। ब्रायन बेनेट ने 48 गेंदों पर नाबाद 63 रन में आठ चौके लगाये। सिकंदर रजा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। इससे पहले आज यहां श्रीलंका ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 178 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। पथुम निसंका और कुसल परेरा की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़े।

पांचवें ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने कुसल परेरा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। कुसल परेरा ने 14 गेंदों में 22 रन बनाए। इसके बाद कुसल मेंडिस ने पथुम निसंका के साथ दूसरे विकेट लिए 46 रन जोड़े। 13वें ओवर में रायन बर्ल ने कुसल मेंडिस (14) को आउट कर श्रीलंका को दूसरा झटका दिया। अगले ही ओवर में ग्रीम क्रेमर ने पथुम निसंका का शिकार कर लिया। पथुम निसंका ने 41 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 62 रन बनाए। पवन रत्नायके ने 25 गेंदों में तीन चौके व दो छक्के लगाए।

टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो रियो ओपन से बाहर

रियो डी जेनेरो, वार्ता। टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो बुधवार को पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण रियो ओपन से रिटायर हो गए, जिससे उनका पहला एटीपी 500 टाइटल जीतने का सपना टूट गया। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी जॉकी क्लब ब्रासीलीरो में अपने राउंड-16 मैच में अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन तिरांटे से 6-2, 3-1 से पीछे चल रहे थे, जब उन्होंने फिजियोथेरेपिस्ट से इलाज कराने के लिए खेल रोक दिया और फिर फैसला किया कि वह आगे नहीं खेल सकते। ऑफिशियल मेडिकल रिपोर्ट तुरंत उपलब्ध नहीं थी। तिरांटे ने कहा कि इस तरह जीतना अच्छा नहीं है, खासकर पैन के साथ, जो मेरे दोस्तों में से एक है। ष्मुझे पता था कि वह पिछले हफ्ते से बहुत थका हुआ था, इसलिए मुझे कोर्ट पर खुद को बेहतर बनाना था और खुद पर फोकस करना था। अगले राउंड में टिरांटे का मुकाबला फ्रांसेस्को पासारो या एलेजांद्रो टेबिलो से होगा।

सेरुंडोलो पिछले हफ्ते अर्जेंटीना ओपन बिना कोई सेट गंवाए जीतने के बाद जबरदस्त फॉर्म में रियो पहुंचे थे, और उन्होंने मंगलवार को पहले राउंड में अपने ही देश के मारियानो नवोन को 6-3, 6-4 से हराया था। उनके हटने से ब्राजील के पसंदीदा और तीसरे सीड जोआओ फोंसेका, जो दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी हैं, के लिए ड्रॉ खुल गया है, जो गुरुवार को राउंड ऑफ 16 में पेरू के इग्नासियो बुसे का सामना करेंगे।

भारत से मुद्दा जल्द सुलझाना चाहते हैं बांग्लादेश के नए खेल मंत्री

- **अमीनुल हक बीसीसीआई और भारत के साथ रिश्ते ठीक करने को लेकर उत्सुक**

ढाका, वार्ता। बांग्लादेश के नए खेल मंत्री अमीनुल हक, बीसीसीआई और भारत के साथ रिश्ते ठीक करने को लेकर उत्सुक हैं, उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को जल्दी सुलझाना चाहते हैं, यह बात उन्होंने मौजूदा पुरुषों के टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के हिस्सा न लेने का जिक्र करते हुए कही।

आम चुनावों के बाद बांग्लादेश की नई कैबिनेट के शपथ लेने के बाद अमीनुल ने कहा कि आज शपथ लेने के बाद, मैं पार्लियामेंट बिल्डिंग में भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मिला। मैंने उनके साथ टी-20 वर्ल्ड कप पर बात की। ष्यह एक अच्छी बातचीत थी। मैंने उनसे कहा कि हम इस मुद्दे को बातचीत से जल्दी सुलझाना चाहते हैं क्योंकि हम अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं। भारत और श्रीलंका में खेले जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड ने ले ली, क्योंकि उनकी पिछली सरकार ने जियोपॉलिटिकल तनाव के कारण टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया था कि वे इसके बजाय श्रीलंका में खेलना चाहते थे। घटनाओं का सिलसिला तब शुरू हुआ जब भारत सरकार ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से आईपीएल 2026 में एकमात्र बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से हटाने के लिए कहा, और आईसीसी द्वारा टीम को इस बड़े टूर्नामेंट से बाहर करने के साथ खत्म हुआ।

रणजी : कर्नाटक फाइनल में खिताबी मुकाबले में जम्मू-कशमीर से भिड़ेगा

- **देवदत्त, केएल राहुल, आर स्मरण के शानदार शतकों की बदौलत कर्नाटक का उत्त-राखंड के खिलाफ खेला गया मैच ड्रॉ घोषित**

लखनऊ, वार्ता। देवदत्त पड़िक्कल, केएल राहुल, आर स्मरण के शानदार शतकों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत कर्नाटक का उत्तराखंड के खिलाफ खेला गया रणजी ट्रॉफी 2026 का 15 फरवरी को शुरु हुआ पहला सेमीफाइनल मैच गुरुवार को ड्रा घोषित हुआ।

दिन को खेल समाप्त होने किए जाने के समय उत्तराखंड ने दूसरी पारी में छह विकेट पर 260 रन बना लिए थे। कर्नाटक अब खिताबी मुकाबले में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर फाइनल में पहुंची जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगा। देवदत्त पड़िक्कल को दोहरे शतक के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। कर्नाटक ने कल के छह विकेट पर 299 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में उत्तराखंड के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करे हुए कर्नाटक की दूसरी पर को 323 के स्कोर पर समेट दिया। इसके बाद उत्तराखंड को मैच जीतने के लिए 827 रनों लक्ष्य मिला। उत्तराखंड के लिए मयंक मिश्रा ने चार विकेट लिए। अभय नेगी को दो विकेट मिले। जगदीश सुचित और अविनाश सुधा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तराखंड के बल्लेबाज दूसरी पारी में भी एक बार फिर लड़खडाते नजर आए और लगातार विकेट गंवाते गए।

कार्यालय नगर निगम ऋषिकेश, देहरादून

पत्रांक : 5155 भवनकर/07/2025-26 — दिनांक : 19/02/26

नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 213 (क) व (ख) के अर्न्तगत भवनकर अभिलेखों में नामान्तरण हेतु आवश्यक सूचना।

क्रम सं0	रसीद संख्या	बुक संख्या	सम्पत्ति संख्या	क्षेत्र का नाम	कर निर्धारण पंजिका में दर्ज नाम	आवेदक का नाम	आवेदन दिनॉक	नामान्तरण हेतु आधार	अभियुक्ति
1	94	2749	323	आवास विकास	श्री नौसाद अली पुत्र श्री शामशाद अली	श्रीमती फरीदा पत्नी स्व0 नौशाद पुत्री मौ0 हकीम, सुहाना असांरी एवं कशिश पुत्रीगण स्व0 नौशाद अहमद	08/09/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र, अनापत्ति प्रमाण-पत्र, एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग
2	27	2754	160/92	नेहरू मार्ग	श्री सोवन सिंह पुत्र श्री बचन सिंह	श्री राहुल रावत पुत्र श्री सोहन सिंह रावत	11/09/2025	रजि0 दाननामा विलेख एवं शपथ-पत्र	एक भाग (95.26 वर्ग मी0)
3	20	2754	247/1/245	हरिद्वार मार्ग	श्री दिनेश कुमार गुप्ता पुत्र श्री सन्त लाल	श्रीमती आभा कुमारी पत्नी डॉ0 रंजीत कुमार	30/05/2025	रजि0 विक्रय-पत्र, मुख्तारनामा एवं शपथ-पत्र	एक भाग (67.37 वर्ग मी0)
4	11	2754	226/216	आदर्श ग्राम	श्री प्रेमलाल भट्ट, श्री सुरेन्द्र नाथ, श्री शैलेन्द्र नाथ एवं श्री विजयेन्द्र नाथ	श्रीमती दुर्गेश चांदना पत्नी श्री सुनील कुमार एवं श्रीमती उर्वशी चांदना पत्नी श्री राकेश कुमार चांदना	30/07/2024	मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र, रजि0 विक्रय-पत्र एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (347.11 वर्ग मी0)
5	73	2749	55/242	चन्द्रेश्वर मार्ग	श्री गोपाल दास पुत्र श्री राम चरण दास	श्री नकुल दत्त, श्री जयदेव दत्त एवं श्री सहदेव दत्त पुत्रगण श्री नारायण दत्त	30/10/2025	रजि0 दाननामा विलेख एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (178.59 वर्ग मी0)
6	79	2749	303/157	वीरभद्र मार्ग	श्री स्वामी सच्चिदानन्द हरि साक्षी व श्री महेश चन्द मिश्रा पुत्र स्व0 श्री बाबू राम	श्री जवाहर लाल पुत्र श्री रच्छा राम	20/12/2025	रजि0 विक्रय-पत्र, मुख्तारेआम एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (250.92 वर्ग मी0)
7	95	2749	एल0आई0जी0 119	ऋषिलोक कॉलोनी	श्रीमती पिंकी देवी पत्नी श्री हंसराज	श्री गौतम रतूड़ी एवं श्रीमती अरूणा रतूड़ी पुत्र/पत्नी श्री देवेन्द्र दत्त रतूड़ी	20/06/2025	रजि0 दाननामा विलेख एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (41.25 वर्ग मी0)
8	10	2754	123/2	हरिद्वार मार्ग	मै0 होम्स इन्डिया कन्सट्रक्शन	श्रीमती गीतिका गुप्ता पत्नी श्री रजनीश प्रकाश पुत्री श्री राम अवतार गुप्ता	23/09/2025	रजि0 विक्रय-पत्र, रजि0 दाननामा विलेख एवं शपथ-पत्र	एक भाग (112 वर्ग मी0)
9	62	2760	992/438ए-3/1	गंगा नगर	श्री निर्भय सिंह व श्रीमति सुमन सैनी	श्री रोहन सिंह पुत्र श्री निर्भय सिंह	25/08/2025	रजि0 दाननामा विलेख एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (96.65वर्ग मी0)
10	17	2754	281/114	देहरादून मार्ग	श्री रतन सिंह भण्डारी पुत्र श्री गोपाल सिंह भण्डारी	श्री विक्रम भण्डारी, श्री सुरेन्द्र सिंह भण्डारी एवं श्री जय भगवान भण्डारी पुत्रगण स्व0 श्री रतन सिंह भण्डारी	12/12/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र, अनापत्ति प्रमाण-पत्र, एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग
11	12	2754	448/504	गंगा नगर	श्री ओकारानन्द पुरी पुत्र श्री कृश्ण चन्द सावंत, श्रीमती सुषमा सावंत पत्नी श्री दिलीप कुमार सावंत, कु0 शारदा सावंत एवं श्रीमती चन्दर पोदार पुत्रीगण स्व0 श्री दिलीप कुपा सावंत	श्री प्रदीप कुमार सामन्त उर्फ स्वामी ओमकारानन्द पुरी	25/09/2025	मा0 न्यायालय श्रीमान सिविल जज/जे0एन0 ऋषिकेश के निर्णय एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (100 वर्ग गज
12	13	2754	217/2/192	मनीराम मार्ग	श्री मनोहर लाल पुत्र स्व0 श्री लाहोरी लाल	श्री गोवर्धन लाल पुत्र स्व0 श्री लाहौरी लाल	16/01/2025	रजि0 उपहार-विलेख एवं शपथ-पत्र	एक भाग (46.84 वर्ग मी0
13	76	2749	670/437	गंगा नगर	श्री बारू लाल शर्मा पुत्र श्री मंगल राम शर्मा	श्रीमती मंजूलता शर्मा पत्नी श्री विजय शर्मा	05/12/2025	रजि0 दाननामा-विलेख एवं शपथ-पत्र	एक भाग (105.07 वर्ग मी0)
14	86	2749	55/416	चन्द्रेश्वर नगर	श्री जोगेन्द्र गोंड पुत्र श्री गुलाब गोंड	श्रीमती उर्मिला गौड़ पत्नी स्व0 श्री जनार्दन गौड़	11/09/2025	रजि0 दाननामा-विलेख एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (22.58 वर्ग मी0
15	18	2753	249बी/250	हरिद्वार मार्ग	श्री जितेन्द्र कक्कड़ पुत्र श्री रमेश कुमार कक्कड़	श्रीमती सीमा ग्रोवर पत्नी श्री प्रदीप कुमार ग्रोवर	29/12/2025	रजि0 विक्रय-पत्र एवं शपथ-पत्र	एक भाग (41.07 वर्ग मी0
16	77	2749	670/437	गंगा नगर	श्री बारू लाल शर्मा पुत्र श्री मंगल राम शर्मा	श्रीमती भावना शर्मा पत्नी श्री हरिदेव शर्मा	05/12/2025	रजि0 दाननामा-विलेख एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (105.07 वर्ग मी0)
17	21	2754	86	रेलवे मार्ग	श्रीमती उमा गर्ग, श्री राजीव गर्ग, दिप्ती गर्ग, श्री सुमित गर्ग एवं आरती गर्ग	श्री दीपक अरोड़ा पुत्र श्री मनोहर लाल अरोड़ा	15/01/2026	रजि0 विक्रय-पत्र, मुख्तारनामा एवं शपथ-पत्र	एक भाग (14.86 वर्ग मी0)
18	60	2760	80/110	शास्त्री नगर	श्री रमेश सेमवाल पुत्र श्री आनन्द राम	श्रीमती लक्ष्मी सेमवाल पत्नी स्व0 श्री रमेश सेमवाल	21/11/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र, अनापत्ति प्रमाण-पत्र, एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग
19	59	2760	820/241	चन्द्रेश्वर नगर	श्री हरीश पुत्र मंगुलाल	श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री लल्लन प्रसाद	29/08/2025	रजि0 विक्रय-पत्र एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (46.84 वर्ग मी0)
20	94	2754	367	देहरादून मार्ग	श्री रमेश चन्द्र वशिष्ठ	श्रीमती प्रेमवती पाण्डेय पत्नी स्व0 श्री भरत पाण्डेय एवं श्री संजीव पाण्डेय पुत्र स्व0 श्री भरत पाण्डेय	05/01/2026	रजि0 विक्रय-पत्र, मुख्तारनामा, मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र, अनापत्ति प्रमाण-पत्र, एवं शपथ-पत्र	एक भाग (18.58 वर्ग मी0)
21	75	2754	552	चन्द्रेश्वर नगर	श्री राम वृक्ष पुत्र श्री सिंहासन	श्रीमती संगीता देवी पत्नी स्व0 श्री हर्षचन्द्र	15/07/2025	रजि0 विक्रय-पत्र एवं शपथ-पत्र	एक भाग (10.87 वर्ग मी0)
22	87	2754	181-ए/191/1 + 181-बी/191/1/1	वीरभद्र मार्ग	श्री विनोद अग्रवाल पुत्र श्री शिवचरण + श्रीमती मिनाक्षी अग्रवाल पत्नी श्री विनोद अग्रवाल	TANDT INFRA DEVELOPERS PRIVATE LIMITED द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि श्री रमन राघव पुत्र श्री विक्रम सिंह राघव	09/12/2025	रजि0 विक्रय-पत्र एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (621 वर्ग मी0)
23	92	2754	92/63	नेहरू मार्ग	श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री कालू राम	श्रीमती साहिबा पत्नी मौ0 इरशाद	21/11/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र, रजि0 विक्रय-पत्र एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (37.64 वर्ग मी0)
24	84	2754	2/57	महन्त परशुराम मार्ग	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री जाती राम अग्रवाल	श्रीमती आशा अग्रवाल पत्नी श्री श्याम लाल अग्रवाल	06/12/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, रजि0 वसीयत एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग
25	83	2754	118/118	मनीराम मार्ग	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री जाती राम अग्रवाल	श्री श्याम लाल पुत्र स्व0 श्री ओम प्रकाश	06/12/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, रजि0 वसीयत एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग
26	85	2754	2/57	महन्त परशुराम मार्ग	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री जाती राम अग्रवाल	श्री सुशील कुमार पुत्र स्व0 श्री ओम प्रकाश अग्रवाल	06/12/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, रजि0 वसीयत एवं शपथ-पत्र	एक भाग
27	82	2754	2/57	महन्त परशुराम मार्ग	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री जाती राम अग्रवाल	श्री श्याम लाल पुत्र स्व0 श्री ओम प्रकाश	06/12/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, रजि0 वसीयत एवं शपथ-पत्र	एक भाग
28	67	2760	228	बनखण्डी ग्राम	श्री हरिप्रसाद मिश्रा पुत्र श्री राम नारायण	श्री राहुल त्रिवेदी पुत्र श्री श्याम कुमार त्रिवेदी	17/01/2026	मृत्यु प्रमाण-पत्र, रजि0 वसीयत एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (317.84 वर्ग मी0)
29	36	2754	156/201	आदर्श ग्राम	श्रीमती बीना देवी पत्नी श्री नन्द किशोर	श्रीमती लता सूद पत्नी श्री महेश सूद	18/12/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र, एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग
30	43	2754	148/135	बनखण्डी ग्राम	श्री सुरेन्द्र कुमार सेठी	श्रीमती सत्या सेठी पत्नी स्व0 श्री सुरेन्द्र कुमार सेठी	19/07/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, रजि0 वसीयत एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (231.32 वर्ग मी0)
31	96	2754	553/466	बनखण्डी ग्राम	श्री राजू पुत्र श्री लाहौरी राम	श्री संजय गुप्ता पुत्र स्व0 श्री रामचंद्र गुप्ता	22/11/2025	रजि0 विक्रय-पत्र एवं शपथ-पत्र	एक भाग (36.80 वर्ग मी0)
32	74	2754	723/581	बनखण्डी ग्राम	श्रीमती निशा वर्मा पत्नी श्री अमित पुत्री श्री अशोक कुमार	श्रीमती जया श्रीवास्तव पत्नी डॉ0 ऋषभ कुमार चौहान	08/09/2025	रजि0 विक्रय-पत्र एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (46.46 वर्ग मी0)
33	31	2754	357/50	आदर्श ग्राम	श्री सुन्दर सिंह पुत्र श्री रघुवीर सिंह	श्री रॉबिन सिंह जेठुडी पुत्र श्री भरत सिंह जेठुडी	25/09/2025	रजि0 दाननामा-विलेख एवं शपथ-पत्र	एक भाग (69.42 वर्ग मी0)
34	59	2754	641/523	बनखण्डी ग्राम	श्रीमती चावली देवी पत्नी श्री जीरू	श्रीमती गंगा देवी पत्नी स्व0 श्री सुरेश	22/02/2024	मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र, अनापत्ति प्रमाण-पत्र, एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग
35	60	2754	373	बनखण्डी ग्राम	श्रीमती सुषमा डंगवाल पत्नी स्व0 श्री पूर्णानन्द डंगवाल	श्री समीर कुमार डंगवाल व श्री सुशील डंगवाल पुत्रगण स्व0 श्री पूर्णानन्द डंगवाल	29/11/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग
36	44	2760	3/3	तिलक मार्ग	श्री सूर्यप्रकाश प्रभाकर	श्री लोकेश प्रभाकर पुत्र स्व0 श्री सूर्य प्रकाश प्रभाकर	27/11/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र, अनापत्ति प्रमाण-पत्र, एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग
37	47	2760	552	चन्द्रेश्वर नगर	श्री राम वृक्ष पुत्र श्री सिंहासन	श्री रामशीष पुत्र स्व0 श्री सिंहासन	15/07/2025	रजि0 विक्रय-पत्र एवं शपथ-पत्र	एक भाग (10.87 वर्ग मी0)
38	43	2760	147/192	आदर्श ग्राम	श्री वीरेन्द्र सिंह बिष्ट पुत्र श्री चन्दन सिंह बिष्ट	श्री महेन्द्र सिंह बिष्ट पुत्र श्री चन्दन सिंह बिष्ट	19/07/2025	रजि0 दाननामा-विलेख एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (77.11 वर्ग मी0)
39	49	2760	423/206	चन्द्रेश्वर मार्ग	श्री काशी राम वन रक्षक	श्रीमती कलावती पत्नी श्री राजकुमार	18/07/2025	रजि0 विक्रय-पत्र, मुख्तारनामा एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (41.34 वर्ग मी0)
40	57	2760	891ए/433/41	गंगा नगर	श्री उदयभान यादव पुत्र श्री राम कुमार यादव	श्रीमती कविता कोठारी पत्नी श्री दिनेश कोठारी व श्री दिनेश कोठारी पुत्र स्व0 श्री गुणानन्द कोठारी	22/02/2025	रजि0 विक्रय-पत्र एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग (608.97 वर्ग मी0)
41	71	2760	266/248	बनखण्डी ग्राम	श्रीमती दीपा पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह	श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह	16/12/2025	मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग
42	47	2605	103/78	जीवनी माई मार्ग	श्रीमती उर्मिला जुयाल पत्नी श्री हरगोविन्द जुयाल	श्री रवि जुयाल एवं श्री अनिरूद्ध जुयाल पुत्रगण स्व0 श्री हरगोविन्द जुयाल	03/03/2024	मृत्यु प्रमाण-पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र एवं शपथ-पत्र	सम्पूर्ण भाग

कर अधीक्षक
नगर निगम ऋषिकेश।

इंडोनेशिया में तिरंगा लहराकर सुल्तानपुर लौटे

डॉ. अकलीम का ढोल-नगाड़ों से स्वागत

❖विधायक शहजाद व नगर पंचायत अध्यक्ष ताहिर ने किया इस्तकबाल

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर/सुल्तानपुर। खेल के मैदान में जज्बा और मेहनत हो, तो सफलता सात समंदर पार भी कदम चूमती है। लक्सर क्षेत्र की नगर पंचायत सुल्तानपुर के डॉ. अकलीम ने इसे सच कर दिखाया है। इंडोनेशिया इंटरनेशनल पैरा थ्रोबॉल सीरीज 2026 में स्वर्ण पदक (ळवसक डमकंस) जीतकर स्वदेश लौटे डॉ. अकलीम का उनके पैतृक निवास पहुँचने पर ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया।

शिक्षा और खेल से रोशन हो रहा सुल्तानपुर का नाम-स्वागत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे लक्सर विधायक हाजी मोहम्मद शहजाद ने डॉ. अकलीम को बधाई देते हुए कहा कि सुल्तानपुर पढ़ाई और प्रतिभा के मामले में एक मिसाल पेश कर रहा है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा:सुल्तानपुर के युवा हर क्षेत्र में नौकरी कर रहे हैं। अब बस कमी है तो केवल आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की। मैं बच्चों से यही कहूंगा कि पढ़ाई के बिना कुछ भी संभव नहीं है; निरंतर पढ़ते रहें और आगे बढ़ते रहेंप्रतिभाओं की खान है यह नगर पंचायतनगर पंचायत सुल्तानपुर के चेयरमैन प्रतिनिधि ताहिर हसन ने गौरव के साथ बताया कि अकेले इस पंचायत

से 60 से अधिक बच्चे एमबीबीएस कर चुके हैं, जिनमें से 30 से ज्यादा वर्तमान में विभिन्न अस्पतालों में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। डॉ. अकलीम की जीत इस सफलता की कड़ी में एक नया अध्याय है।वहीं, कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालेश्वर सिंह ने कहा कि डॉ. अकलीम की टीम ने केवल सुल्तानपुर या जनपद हरिद्वार का ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड और भारत देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। अगला लक्ष्य अप्रैल में मलेशिया फतह करना-स्वर्ण पदक विजेता डॉ. अकलीम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार और ग्रामीणों की दुआओं को दिया। भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत का मंत्र: अगर किसी को भी जीवन में मुकाम हासिल करना है, तो उसे शिक्षा और खेल दोनों में कड़ी मेहनत करनी होगी। आगामी चुनौती: आने वाले अप्रैल माह में मुझे मलेशिया में खेलने जाना है। मुझे पूरी उम्मीद है कि आप सभी की दुआओं से वहां भी तिरंगा लहराऊंगा।ष्इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति और भारी संख्या में युवा उपस्थित रहे, जिन्होंने डॉ. अकलीम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

260 किलो गोमांस के साथ एक गिफ्तार तीन फरार

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। थाना भगवानपुर पुलिस और गौवंश स्क्वाड की संयुक्त टीम ने अवैध गौकशी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 260.74 किलोग्राम गोमांस और गौकशी के उपकरणों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके तीन साथी मौके से फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम खेड़ी शिकोहपुर के आम के बाग में गौकशी की जा रही है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना भगवानपुर पुलिस एवं गौवंश स्क्वाड की संयुक्त टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही चार संदिग्ध भागने लगे। टीम ने पीछा कर एक आरोपी अहसान पुत्र अजीज उर्फ बुच्चा निवासी ग्राम खेड़ी शिकोहपुर, को धर दबोचा, जबकि तीन अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मौके से पुलिस टीम ने 260.74 किलोग्राम गोमांस, गौवंशीय खुर तथा गौकशी में प्रयुक्त दो छुरियां, दो कुल्हाड़ियां, एक तराजू मय पलड़ा और लगभग एक किलो प्लास्टिक की पन्नी बरामद की। उत्तराखण्ड गौवंश संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। कार्रवाई में उ0नि0 विनय मोहन द्विवेदी व उनकी टीम तथा उ0नि0 शरद सिंह (प्रभारी गौवंश स्क्वाड) व उनकी टीम की मुख्य भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनपद में गौकशी जैसे अपराधों के विरुद्ध अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

चोरी की मोटर सहित दबोचा शातिर चोर

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। अपराध चाहे छोटा हो या बड़ा, पीड़ित को न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है। इसी क्रम में कोतवाली मंगलौर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक शातिर चोर को चोरी की पानी की मोटर सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली मंगलौर क्षेत्र के अंतर्गत मंगलौर आजाद, ग्राम अकबरपुर ढाढेकी निवासी एक व्यक्ति द्वारा अपने प्लास्टिक गोदाम से पानी की मोटर चोरी किए जाने के संबंध में आरोपी सुशील कुमार आदि के विरुद्ध चोरी की धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मंगलौर ने तत्काल पुलिस टीम गठित कर आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने सक्रियता और तत्परता दिखाते हुए दिनांक 18 फरवरी 2026 को आरोपी को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी की गई पानी की मोटर बरामद कर ली गई। पूछताछ में प्रकाश में आया कि आरोपी नशे का आदी है और अपने नशे की पूर्ति के लिए छोटी-मोटी चोरियों की घटनाओं को अंजाम देता रहा है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस टीम: उपनिरीक्षक वीरपाल सिंह, कांस्टेबल केडी राणा व कांस्टेबल आमिर ने संयुक्त रूप से सराहनीय भूमिका निभाई।

रहमतों व बरकतों का महीना है रमजान

इबादत व रौनक से गुलजार हुई मस्जिदें व कलियर के बाजार

शाह टाइम्स संवाददाता

पीरान कलियर। रहमत, मगफिरत और नेमतों का पवित्र महीना रमजान शुरू होते ही हर ओर रूहानी माहौल नजर आने लगा है। दरगाह नगरी पिरान कलियर में इन दिनों बाजारों की रौनक देखते ही बन रही है। शाम ढलते ही गलियां जगमगा उठती हैं, दुकानों पर रंग-बिरंगी सजावट और इत्र की खुशबू माहौल को खास बना रही है। खजूर, सेवई, मेवे, फलों और इफ्तार की खास तैयारियों से बाजार आबाद हैं।

रोजेदार सहरी और इफ्तार के लिए जरूरी सामान की खरीदारी में जुटे हैं। दुकानदारों के चेहरों पर भी खुशी साफ झलक रही है, क्योंकि रमजान न सिर्फ इबादत का महीना है बल्कि आपसी भाईचारे और मोहब्बत का भी संदेश देता है। मुसलमानों के लिए रमजान बेहद अहम माना जाता है, क्योंकि इसी मुबारक महीने में पवित्र ग्रंथ कुरान ए पाक नाजिल हुआ था। यही वह महीना है जब हजरत पैगंबर मुहम्मद को अल्लाह की ओर से पहली वह्य (प्रकाशना) प्राप्त हुई थी। कुरान ए पाक अल्लाह का वह पवित्र कलाम है जिसमें इंसानियत के लिए मार्गदर्शन, नेक राह की सीख और जीवन जीने के उसूल बताए गए हैं। रमजान में रोजा रखकर और कुरान की तिलावत कर मुसलमान अल्लाह की इबादत में लीन रहते हैं और अपनी रूह को पाक करने की कोशिश करते हैं। रमजान की रातें तरावीह की नमाज से खास बन जाती हैं। हर रात मस्जिदों में तरावीह अदा की जाती है, जिसमें आमतौर पर 20 रकात नमाज पढ़ी जाती है और कुरान ए पाक की तिलावत की जाती है। इमाम साहब की आवाज में कुरान की आयतें गूंजती हैं और नमाजी पूरे ध्यान से उसे सुनते हैं। मस्जिदों में उमड़ती भीड़ इस बात का सबूत है कि रमजान केवल रोजा रखने का नाम नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, सब्र, त्याग और इबादत का महीना है। कई लोग घरों में भी तरावीह का एहतमाम कर रहे हैं। रमजान हमें भूख और प्यास का एहसास कराकर गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करने की सीख देता है। जकात और सदका देकर लोग जरूरतमंदों की सहायता करते हैं। इफ्तार के वक्त मस्जिदों और घरों में साझा दावतें आपसी प्रेम और एकता का संदेश देती हैं। रौनक से सजे बाजार, इबादत में डूबे रोजेदार और हर चेहरे पर सुकूनख्रयह नजारा बता रहा है कि रमजान का महीना सच में रहमतों और बरकतों का महीना है। यह सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को सुकून देने और समाज में प्रेम बढ़ाने का पावन अवसर है।

बीमारी से परेशान युवक ने खुद को गोलीकर दी जान

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। कोतवाली क्षेत्र की आकाशदीप कॉलोनी में गुरुवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां राजेश प्रजापति नामक युवक ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई, वहीं परिजनों में कोहराम मच गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक राजेश प्रजापति लंबे समय से किडनी की बीमारी से परेशान चल रहा था, जिससे वह मानसिक रूप से काफी तनाव में बताया जा रहा है।मंगलौर कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि मामले मेंआवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हर पहलू से घटना की जांच कर रही है।घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं स्थानीय लोगों में भी शोक की लहर है।

पुलिस ने वाहन चोर पकड़ा, तीन बाइक बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। झबरेड़ा में अपराध पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे सघन चेकिंग एवं सत्यापन अभियान ने एक बार फिर सकारात्मक परिणाम दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के निर्देशन में पूरे जिले में चल रहे अभियान के तहत थाना झबरेड़ा पुलिस ने वाहन चोरी के एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तीन चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने बताया कि झबरेड़ा पुलिस चेकिंग अभियान के दौरान झबरेड़ा पुलिस ने मानकपुर गांव जाने वाली सड़क पर एक संदिग्ध बाइक सवार को रोका। पुलिस टीम द्वारा वाहन के कागजात मांगे जाने पर युवक घबरा गया और संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। सख्ती से पूछताछ करने पर

खुलासा हुआ कि वह मोटरसाइकिल चोरी की है और झबरेड़ा क्षेत्र से ही चुराई गई थी। पुलिस ने आरोपी की पहचान दीपक पुत्र ललित उर्फ मन्नू, निवासी खेड़ा मूगल थाना देवबंद जिला सहारनपुर (उ.प्र.), हाल निवासी लाठरदेवा हूण थाना झबरेड़ा, जनपद हरिद्वार के रूप में की। पूछताछ में आरोपी की निशानदेही पर दो अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं। बरामद तीनों स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिलें विभिन्न मुकदमों में दर्ज चोरी की घटनाओं से संबंधित पाई गईं,जिलेभर में चलाए जा रहे इस अभियान की स्वयं एसएसपी नवनीत सिंह मॉनिटरिंग कर रहे हैं, जिसके चलते आपराधिक तत्वों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस का कहना है कि आमजन की सुरक्षा और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। इस सफल कार्रवाई में थाना झबरेड़ा के थानाध्यक्ष अजय शाह

के नेतृत्व में उ0नि0 रविन्द्र सिंह, उ0नि0 जय सिंह राणा, हे0का0 रामवीर, हे0का0 हरेन्द्र कुमार एवं का0 रामवीर, हेड कांस्टेबल हरेंद्र कुमार एवं कांस्टेबल रणवीर शामिल है।

राकउमावि लंढौरा के उच्चीकरण का रास्ता हुआ साफ

खानपुर। पीएमश्री राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय लंढौरा के उच्चीकरण के लिए खानपुर विधायक उमेश कुमार ने शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेजा है। इधर, नगर पंचायत ने भी अनापत्ति प्रमाण पत्र दे दिया है। विधायक उमेश कुमार के इस प्रस्ताव को सीईओ आशुतोष भंडारी ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक को भेज दिया है। अब विभाग से उच्चीकरण से संबंधित इस प्रस्ताव को हरी झंडी मिलने की उम्मीद है। विधायक उमेश कुमार ने कहा कि लंढौरा नगर पंचायत क्षेत्र में पांच कार्यों की मंजूरी का प्रयास किया जा रहा है। इसमें चौकी से थाना बनाने का प्रस्ताव मंजूर हो गया है।

विजिलेंस टीम ने पकड़ी बिजली चोरी

खानपुर। ऊर्जा निगम की विजिलेंस टीम ने खानपुर क्षेत्र के चार गांवों में छापेमारी कर बिजली चोरी के मामले पकड़ लिए। ऊर्जा निगम की ओर से सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। देहरादून से आई विजिलेंस टीम ने खानपुर क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव में छापा मारा। यहां पर टीम ने सोमपाल, मैनपाल, काला सिंह, ललित कुमार, सोमपाल व मांगेराम के घर पर बिजली चोरी पकड़ ली। इसके अलावा टीम ने भारूवाला गांव में अरविंद कुमार, सेतपाल व सुरेंद्र के घर पर बिजली चोरी पकड़ी ली।

विद्यार्थियों ने मॉडल के जरिए दिखाई भविष्य की राह

रुड़की। चौधरी भरत सिंह डीएवी इंटर कॉलेज में बुधवार को करियर शाला में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। इसके साथ ही विशेषज्ञों से भविष्य की चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चौधरी भरत सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन कोर्सेज के प्राचार्य संदीप कुमार चौहान और प्रधानाचार्य ओम सिंह सैनी ने दीप जलाकर किया। संदीप कुमार ने विद्यार्थियोंके मॉडलों का अवलोकन कर उनकी रचनात्मकता की सराहना की।

व्यापारियों ने यूजर चार्ज व टैक्स बढ़ोतरी पर जताया आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल उत्तराखंड रुड़की इकाई ने नगर निगम की नीतियों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन का आरोप है कि नगर निगम रुड़की पिछले कुछ समय से शहर के निवासियों और व्यापारियों के खिलाफ दमनात्मक एवं दंडात्मक कार्रवाई कर रहा है तथा विशेष रूप से व्यापारियों को निशाना बनाया जा रहा है।

सिविल लाइंस स्थित एक रेस्टोरेंट में आयोजित मंडल की बड़ी बैठक में यूजर चार्ज, भवन कर में 5 प्रतिशत वृद्धि और प्रस्तावित व्यावसायिक कर का जोरदार विरोध किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि नगर निगम न तो सड़कों के गड्ढे भर पा रहा है, न सफाई व्यवस्था में सुधार दिख रहा है और न ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में कोई खास परिवर्तन नजर आ रहा है। ऐसे में टैक्स बढ़ोतरी पूरी तरह अनुचित है। व्यापार मंडल के अनुसार, पहले आश्वासन दिया गया था कि आगामी चार वर्षों तक टैक्स में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी, लेकिन इसके बावजूद 5 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई। साथ ही कूड़ा उठान के नाम पर छोटे व्यापारियों से ₹200 प्रतिमाह, अन्य व्यापारियों से ₹500 प्रतिमाह तथा प्रत्येक घर से ₹100 प्रतिमाह यूजर चार्ज वसूलने की तैयारी की जा रही है। यह कार्य एक निजी कंपनी को सौंपे जाने पर भी आपत्ति जताई गई। पदाधिकारियों का कहना है कि यूजर चार्ज को लेकर विवाद और टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है।बैठक में

यह भी प्रश्न उठाया गया कि जब भवन कर पहले से लिया जा रहा है तो अलग से यूजर चार्ज लगाने की क्या आवश्यकता है। व्यापारियों ने कहा कि भवन कर में ही सभी मूलभूत सेवाओं का खर्च शामिल होना चाहिए। शहर में अतिक्रमण की समस्या पर भी चिंता जताई गई। व्यापार मंडल का कहना है कि सड़कों पर अतिक्रमण के कारण आमजन को आवागमन में कठिनाई हो रही है, लेकिन इस ओर नगर निगम का ध्यान नहीं है। वहीं प्रत्येक व्यवसाय के अनुसार अलग-अलग व्यावसायिक कर लगाने की तैयारी को भी व्यापारियों ने 'भारी आर्थिक बोझ' बताया। बैठक में निर्णय लिया गया कि यूजर चार्ज, भवन कर वृद्धि और प्रस्तावित व्यावसायिक कर के विरोध में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, माननीय मेयर, मुख्य नगर आयुक्त, जिला अधिकारी तथा मुख्यमंत्री के शहरी विकास सचिव को ज्ञापन सौंपा जाएगा। मांगें पूरी न होने तक अहिंसात्मक जनआंदोलन चलाने की चेतावनी भी दी गई।बैठक में प्रदेश महामंत्री नवीन गुलाटी, संयोजक रामगोपाल कंसल, महानगर अध्यक्ष धीर सिंह, महानगर महामंत्री दीपक अरोड़ा व कविस मित्तल, सिविल लाइंस अध्यक्ष विशाल वर्मा, संदीप शर्मा (ड्रग एसोसिएशन), सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे।महानगर अध्यक्ष धीर सिंह ने कहा कि व्यापारियों पर "भारी-भरकम टैक्स" थोपना न्यायोचित नहीं है और संगठन अपनी मांगें मनवाने के लिए हर लोकतांत्रिक कदम उठाएंग।

चांद का दीदार होते ही शुरू हुआ माहे रमजान

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। बुधवार की शाम चांद का दीदार होते ही बरकतों का पाक महीना शुरू हो गया। गुरुवार को इस पाक महीने की शुरुआत होते ही रमजान माह के पहले दिन कस्बा व क्षेत्र में मस्जिदों में मुस्लिम भाइयों द्वारा नमाज अदा की गई। कस्बे के मुख्य बाजार के पास स्थित मदरसा में रमजान माह के शुरू होने पर रमजान के पहले दिन मौलवी कारी इस्तकार द्वारा नमाज अदा कराई गई। मौलवी ने बताया कि मुस्लिम समाज को 11 महीने इस पाक महीने का बेसब्री से इंतजार रहता है। रमजान माह अल्लाह की इबादत का महीना है ।यह महीना अल्लाह की ओर से मुस्लिम समाज के लिए अनमोल तोहफा होता है। यह महीना हमें सीख देता है कि नेकी पर चले तथा गरीब व भूखे लोगों की मदद करें। उन्होंने बताया कि तड़के शहरी में उठकर अजान से पहले कुछ खाना खा सकते हैं उसके बाद रोजे की नियत करें। पूरे दिन अल्लाह को याद रखें। शाम को शाम की अजान होने पर ही रोजा इफ्तार करें। उसके बाद मगरिब की नमाज अदा करें। रमजान के इस पाक महीने में इस बार 5 जुमा की नमाज अदा की जाएगी। पहला जुमा 20 फरवरी को होगा। रमजान माह के पहले दिन मस्जिदों में काफी संख्या में मुस्लिम भाइयों द्वारा नमाज अदा की गई।

भगवानपुर पुलिस ने अलसुबह चलाया सत्यापन अभियान

14 मकान मालिकों के काटे चालान, वसूला जुर्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। कोतवाली भगवानपुर पुलिस द्वारा दिन निकलते ही सत्यापन अभियान चलाया जिस मकान मालिकों में खलबली मच गई , इस दौरान सत्यापन न करने वाले 14 मालिकों का 83 पुलिस अधिनयम के अन्तर्गत 140,000 रुपये (एक लाख चालीस हजार रुपये) से दण्डित किया व 08 व्यक्तियों का धारा 81 पुलिस एक्ट में चालान किया गया। कुल 132 का सत्यापन किया गया ।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय हरिद्वार द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन की कार्रवाई तेज किए जाने के निर्देश दिए गए थे महोदय के निर्देश के क्रम में श्रीमान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण महोदय व क्षेत्राधिकारी मंगलौर महोदय के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भगवानपुर के कुशल नेतृव मे आज दिनांक 19.02.2026 को प्रात: काल मे चौकी मण्डावर क्षेत्र में सत्यापन की प्रभावी कार्रवाई करते हुए , घरेलू किरायेदार घरेलू नौकर फड फेरी व अन्य संस्थानो पर कार्यकर रहे मजदूरो के सत्यापन की कार्रवाई की गई जिसके फल स्वरुप जिन 14 मालिको द्वारा अपने किरायेदारों का सत्यापन नहीं कराया गया था उनका '83 पुलिस अधिनियम में 14 चालान

पर ₹ 140,000 रुपये (एक लाख चालीस हजार रुपये) तथा 08 व्यक्तियों का धारा 81 पुलिस एक्ट में चालान किया गया।। इस कार्रवाई के दौरान 132 व्यक्तियों के सत्यापन किया गये। सत्यापन की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

14.81 ग्राम स्मैक के साथ एक नशा तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। जनपद हरिद्वार में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली गंगनहर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 14.81 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई माननीय मुख्यमंत्री के "ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025" अभियान के अंतर्गत की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं पुलिस उपाधीक्षक रुड़की के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गंगनहर के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा 18 फरवरी 2026 को गश्त के दौरान रेलवे स्टेशन के बाहर तेलीवाला रोड स्थित पार्किंग क्षेत्र से आरोपी को दबोचा गया कड़ी पूछताछ के बाद आरोपी ने अपना नामकदीम (30 वर्ष), पुत्र स्व. प्रवेज, निवासी ग्राम पाड़ली गुर्जर, थाना कोतवाली गंगनहर, जनपद हरिद्वार बताया पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 14.81 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है। इस संबंध में कोतवाली गंगनहर में मु0अ0सं0 075/2026, धारा 8/21/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस टीमउप निरीक्षक पंकज

कुमार, हेड कांस्टेबल अरविन्द,हेड कांस्टेबल इसरार, हेड कांस्टेबल ज्ञानचन्द्र शामिल रहे।

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

समिट में बदइंतजामी

दिल्ली में होने वाली एआई समिट में जिस तरह की बदइंतजामी देखने में आई, उसकी कल्पना शायद ही किसी भारतीय ने की हो। 16 से 20 फरवरी तक भारत मंडप और सुषमा स्वराज भवन में होने वाले इंडिया एआई इंपेक्ट समिट 2026 जहां एआई तकनीक को लेकर चर्चाओं के लिए जाना जाता है, वहां यह अपनी बदइंतजामी के लिए याद किया जाएगा। कांग्रेस ने तो हमला भी बोल दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने साफ किया कि पीएम मोदी की प्रचार पाने की भूख इस एआई समिट पर अपने निशान छोड़ गई है और देश-विदेश में जग हंसाई का कारण बनी। देशी मीडिया में भी इस समिट की चर्चा कई वजहों से हो रही है। सम्मेलन के पहले ही दिन बदइंतजाम की खबरें मीडिया में चलने लगी। कितनी अजीब बात है कि वहां इंटरनेट नेटवर्क ही उपलब्ध नहीं था। एआई में सबसे बड़ी चीज यही थी। यही सम्मेलन की कमी बन गई। कहा तो यह भी जा रहा है कि पीएम मोदी की सम्मेलन में मौजूदगी ने भी वहां की व्यवस्था बिगाड़ने में भूमिका निभाई। पीएम मोदी वहां उद्घाटन करने पहुंचे थे। इस दौरान हॉल खाली कराया गया, जिसमें एक स्टॉल से सामान चोरी होने का मामला भी सामने आया। उस समय तो हद ही हो गई, जब गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन का एक रोबोट खरीदकर उसको अपना निर्माण बता दिया। जब चीन ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी और उसके दावे को गलत बताया, तब विवादों का बवंडर उठ गया और देश में शर्मिन्दगी का सबब बन गया। हालांकि बाद में यूनिवर्सिटी मुकर गई और कहा कि उसने कभी इस तरह का दावा नहीं किया। दुनिया की सबसे उन्नत तकनीक पर होने वाले सम्मेलन में भगदड़ और वहां बोला गया झूठ तकनीकी विकास के दावे आदि जितनी भी शर्मनाक लगे, लेकिन यह हमारे देश की ठोस सच्चाई है। जाहिर है, सम्मेलन में जिस तरह की अफरातफरी मची, उसने भारत की छवि को तो धक्का लगाया ही, साथ ही इससे यह संदेश भी गया कि हम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नहीं करा सकते। एआई समिट के लिए सरकार ने अपनी तरफ से इसको सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी और जमकर प्रचार किया जा रहा है। जोकि स्वाभाविक भी है, क्योंकि इस तरह के सम्मेलन वैश्विक स्तर पर भी किसी देश का मान बढ़ाने वाले होते हैं और मेजबान देश को यह अवसर प्रदान करते हैं कि वह बड़े सम्मेलन कराने में पूरी तरह सक्षम हैं। जाहिर है इस तरह के सम्मेलनों पर पूरे विश्व की नजर होती है। इस लिहाज से अगर देखें, तो यह समिट भारत के लिए कोई विशेष उपलब्धि लेकर नहीं आया, बल्कि इसके उलट हंसी का कारण बनता दिखाई दे रहा है। पीएम मोदी पर यह आरोप विपक्ष बार-बार लगाता रहा है कि वह अपने आपको प्रचार के केंद्र में रखने का कोई मौका नहीं गंवाते। विपक्ष के ये आरोप पूरी तरह गलत भी नहीं कहे जा सकते।

गोवंश की स्थिति पर योगी मौन

गाय को राज्य माता घोषित करने और गो-मांस निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध की उनकी मुख्य मांगों पर 20 दिन बीत जाने के बाद भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है, इन मांगों को लेकर दिया गया 40 दिनों का अल्टीमेटम आधा बीत चुका है, लेकिन सरकार की ओर से ठोस पहल दिखाई नहीं दी, गोवंश की स्थिति पर सरकार की ओर से अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई है, मुख्यमंत्री की गोरक्षा के मुद्दे पर चुप्पी और अन्य विषयों पर मुखरता को लेकर संत समाज में सवाल उठ रहे हैं, 40 दिनों की समय सीमा के 21वें दिन से आंदोलन एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है, एक मार्च को लखनऊ कूच के संबंध में विस्तृत कार्यक्रम सार्वजनिक किया जाएगा।

-अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, शंकराचार्य, ज्योतिर्मठ

कोई पीछे न छूटेः असमानताओं के दौर में सामाजिक न्याय की पुकार

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 20 फरवरी को सामाजिक न्याय का विश्व दिवस मनाया जाता है ताकि समाजों में समानता, समावेशन और न्याय की तत्काल आवश्यकता की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया जा सके। यह दिवस केवल एक औपचारिक अंतर्राष्ट्रीय आयोजन नहीं है बल्कि मानव सभ्यता की उस मूल चेतना का स्मरण है, जिसके बिना न तो शांति संभव है और न ही टिकाऊ विकास। सामाजिक न्याय का विचार इस विश्वास पर आधारित है कि किसी भी समाज की प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन उसकी आर्थिक वृद्धि से नहीं बल्कि इस बात से किया जाना चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना सुरक्षित, सम्मानजनक और समान अवसरों से युक्त जीवन प्रदान करता है।

इस दिवस की स्थापना संयुक्त राष्ट्र द्वारा की गई थी ताकि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, असमानता और भेदभाव जैसी जटिल समस्याओं के समाधान के लिए वैश्विक स्तर पर साझा प्रतिबद्धता को मजबूती दी जा सके। संयुक्त राष्ट्र का यह स्पष्ट मानना रहा है कि जब तक समाज में सामाजिक और आर्थिक न्याय स्थापित नहीं होता, तब तक लोकतंत्र, मानवाधिकार और विकास अधूरे ही रहेंगे। इसी दृष्टि से सामाजिक न्याय का विश्व दिवस एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। चेतावनी इसलिए कि बढ़ती असमानताएं समाज को भीतर से खोखला कर रही हैं और अवसर इसलिए कि समय रहते ठोस नीतियों व सामूहिक प्रयासों से इस प्रवृत्ति को बदला जा सकता है।

वर्ष 2026 का सामाजिक न्याय का विश्व दिवस विशेष महत्व रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रही है, जहां वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक संरचनाओं को तेजी से बदल दिया है। इन परिवर्तनों का लाभ जहां कुछ वर्गों को मिला है, वहीं बड़ी आबादी, विशेषकर गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएं, प्रवासी, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यक समुदाय और अधिक असुरक्षित होते जा रहे है। ऐसे में सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल नैतिक आदर्श नहीं बल्कि नीतिगत प्राथमिकता बन चुका है।

सामाजिक न्याय के विश्व दिवस 2026 का विषय समावेश को सशक्त बनाना सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना इसी यथार्थ को प्रतिबिंबित करता है। यह विषय इस बात पर जोर देता है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है बल्कि यह आवश्यक है कि विकास की प्रक्रिया में हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ देना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में हाशिए पर खड़े समुदायों की आवाज को स्थान देना है। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बैठकर बनाई जाएंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा सपना ही बना रहेगा।

सामाजिक न्याय की अवधारणा मूल रूप से अवसरों, संसाधनों और अधिकारों के निष्पक्ष वितरण से जुड़ी हुई है। इसका अर्थ यह नहीं कि सभी को समान परिणाम मिलें बल्कि यह है कि सभी को समान अवसर प्राप्त हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुंच सामाजिक न्याय की बुनियाद है। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति, लिंग, धर्म, जन्मस्थान या आर्थिक स्थिति से निर्धारित होने लगे, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि समाज में न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज के वैश्विक परिदृश्य में असमानताओं की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जिसके पास संसाधनों और अवसरों की भरमार है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग ऐसे हैं, जो बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी, असुरक्षित रोजगार और कम वेतन ने विशेष रूप से युवाओं के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

इसी संदर्भ में 'सम्मानजनक कार्य' की अवधारणा सामने आती है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 'अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन' द्वारा लगातार बढ़ावा दिया गया है। सम्मानजनक कार्य का अर्थ केवल नौकरी होना नहीं बल्कि ऐसी नौकरी होना है, जो सुरक्षित हो, उचित वेतन दे और मानवीय गरिमा को बनाए रखे। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस यह भी रेखांकित करता है कि सामाजिक सुरक्षा तंत्र किसी भी समाज की रीढ़ होते हैं। आर्थिक संकट, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय वही समाज अधिक टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जिनके पास मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणालियां होती हैं। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारी सहायता और खाद्य सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं बल्कि सामाजिक स्थिरता के आवश्यक उपकरण हैं। 2026 के संदर्भ में, जब दुनिया जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिमों से भी जूझ रही है, सामाजिक सुरक्षा का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत के संदर्भ में सामाजिक न्याय का विचार केवल अंतर्राष्ट्रीय दायित्व नहीं बल्कि संवैधानिक मूल्य भी है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देती है और यह स्पष्ट करती है कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी है, जब वह समानता और बंधुत्व के साथ जुड़ी हो। मौलिक अधिकार नागरिकों को भेदभाव और शोषण से सुरक्षा प्रदान करते हैं जबकि राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत सरकार को असमानताओं को कम करने और कल्याणकारी राज्य की दिशा में कार्य करने का मार्गदर्शन देते हैं। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने सामाजिक न्याय की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, चाहे वह आरक्षण नीति हो, सामाजिक कल्याण योजनाएं हों, शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश हो या हाल के वर्षों में कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम। इन पहलों से करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है लेकिन यह भी सत्य है कि चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। क्षेत्रीय असमानताएं, शहरी-ग्रामीण विभाजन, डिजिटल डिवाइड और लैंगिक असमानता आज भी गंभीर प्रश्न बने हुए हैं। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम वास्तव में 'सबका साथ, सबका विकास' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं? क्या हमारी विकास नीतियां अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच पा रही हैं? क्या शिक्षा प्रणाली सभी बच्चों को समान अवसर दे रही है? क्या रोजगार के अवसर केवल कुछ शहरों और क्षेत्रों तक सीमित हैं या पूरे देश में संतुलित रूप से फैल रहे हैं? यह प्रश्न केवल सरकारों के लिए नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए आत्ममंथन का विषय हैं। इस दिवस का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना भी है। वैश्विक समस्याओं का समाधान किसी एक देश के प्रयासों से संभव नहीं है। गरीबी, प्रवासन, जलवायु परिवर्तन और श्रम असुरक्षा जैसी चुनौतियां सीमाओं से परे हैं। ऐसे में देशों के बीच नीति-साझाकरण, संसाधनों का सहयोग और अनुभवों का आदान-प्रदान सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस 2026 इस सत्य को दोहराता है कि सच्ची प्रगति तभी संभव है, जब कोई भी पीछे न छूटे। 'समावेश को सशक्त बनानारू सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना' केवल एक नारा नहीं बल्कि सरकारों, संस्थानों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज के लिए एक नैतिक आह्वान है। सामाजिक न्याय कोई अमूर्त विचार नहीं रोजमर्रा के निर्णयों, नीतियों और व्यवहारों में प्रकट होने वाली जिम्मेदारी है। जब समाज यह स्वीकार करता है कि हर व्यक्ति समान गरिमा का अधिकारी है और जब शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य व सुरक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित की जाती है, तभी न्याय केवल कानून की किताबों में नहीं बल्कि लोगों के जीवन में उतरता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

तो क्या मशरूम भी करते हैं आपस में संवाद

एक संभावना यह भी हो सकती है कि फफूंद कुछ भी न कहते हों बल्कि यह हो सकता है कि कवकजाल के सिरे विद्युत आवेशित होते हैं, इसलिए जब आवेशित सिरे इलेक्ट्रोड्स से संपर्क में आते होंगे तो विभवांतर में तीक्ष्ण वृद्धि हो जाती होगी। बहरहाल इन विद्युत संकेतों का कुछ भी मतलब हो, लेकिन ये बेतरतीब या रैंडम नहीं लगते। फिर भी इन संकेतों को भाषा के रूप में स्वीकार करने के लिए और अधिक प्रमाणों की जरूरत है।

यहां-वहां उग रहे कुकुरमुत्तों (मशरूम) को देखकर ऐसा लगता है कि वे भी कहीं आपस में बात करते होंगे। लेकिन एक नए अध्ययन से पता चलता है कि वे बातूनी हो सकते हैं। मशरूम दरअसल एक प्रकार की फफूंद हैं। इनके द्वारा एक-दूसरे को भेजे जाने वाले विद्युत संकेतों के गणितीय विश्लेषण में ऐसे पैटर्न पहचाने गए हैं जो मानव भाषा से आश्चर्यजनक संरचनात्मक समानता दर्शाते हैं। पूर्व अध्ययनों में देखा गया था कि फफूंद अपनी लंबी, भूमिगत तंतुनुमा रचनाओं या हाइफे के माध्यम से विद्युत संकेतों का संचालन करते हैं। ठीक वैसे ही जैसे मनुष्यों में तंत्रिका कोशिकाएं सूचना प्रसारित करती हैं। यहां तक देखा गया है कि जब लकड़ी पचाने वाली फफूंद के कवकतंतु किसी लकड़ी के टुकड़े के संपर्क में आते हैं, तो इन संकेतों के प्रेषण की दर बढ़ जाती है।

इससे लगता है कि फफूंद इस विद्युत भाषा का उपयोग भोजन उपलब्ध होने या क्षति पहुंचने की जानकारी अपने अन्य हिस्सों के साथ या कवक तंतुओं के माध्यम से जुड़ी वनस्पतियों के साथ साझा करने के लिए करती हैं, लेकिन क्या ये विद्युत गतिविधियां मानव भाषा से कुछ समानता रखती हैं? यह जानने के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ दी वेस्ट ऑफ इंग्लैंड के प्रोफेसर एंड्रयू एडमात्जकी ने फफूंद की चार प्रजातियों-एनोकी, स्प्लिट गिल, घोस्ट और कैटरपिलर फफूंद द्वारा बहुत कम समय के लिए उत्पन्न विद्युत आवेगों के पैटर्न का विश्लेषण किया।

रॉयल सोसाइटी ओपन साइंस में प्रकाशित नतीजों के अनुसार ये विद्युत आवेग अक्सर समूहों में होते हैं और ऐसा लगता है कि 50 शब्दों का ककहरा हो और इन कवक शब्दों की लंबाई मानव भाषा से काफी मेल खाती है। सड़ती-गलती लकड़ी पर पनपने वाली फफूंद स्प्लिट गिल उपरोक्त चार में से सबसे जटिल वाक्य बनाती हैं। इन विद्युत गतिविधियों का सबसे संभावित कारण फफूंद द्वारा अपने समूह को जोड़े रखना लगता है जैसे भेड़िए करते हैं। या यह भी हो सकता है कि इनकी भूमिका कवकजाल के अन्य हिस्सों को भोजन या खतरों के बारे में आगाह करने की है।

(स्रोत फीचर्स)

एआई : जीवनसाथी या रचनात्मकता का शत्रु

रजनीश कपूर

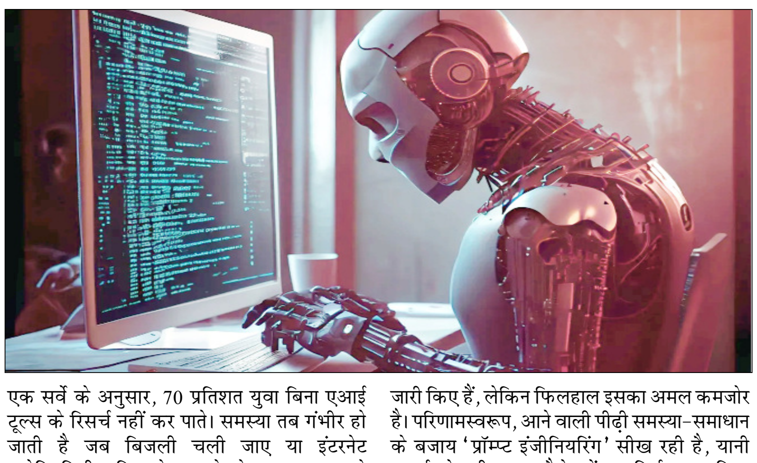

आजकल कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। स्मार्टफोन से लेकर स्मार्ट होम तक, हर जगह एआई की छाप दिखाई देती है। इस सप्ताह नई दिल्ली में शुरू हुए अंतर्राष्ट्रीय एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन में विश्व के नेता और विशेषज्ञ इसी पर चर्चा कर रहे हैं। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एआई के वैश्विक प्रभावों को समझना और नीतियां बनाना है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या हम एआई को अपनाते हुए अपनी स्वतंत्रता और रचनात्मकता को खो नहीं रहे? एआई ने सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन साथ ही हमें इतना आश्रित बना दिया है कि बिना इसके सोचना भी मुश्किल हो गया है। सोचने वाली बात यह भी है कि कैसे एआई जीवन को सरल बना रहा है, लेकिन रचनात्मकता को नष्ट कर रहा है। एआई की निर्भरता अब दैनिक जीवन का हिस्सा बन गई है। कल्पना कीजिए, सुबह उठते ही गूगल असिस्टेंट या सिरी आपको मौसम, ट्रैफिक और समाचार बता देता है। कार्यालय में ईमेल लिखने से लेकर डेटा विश्लेषण तक, चैटजीपीटी जैसे टूल्स सब कुछ तुरंत कर देते हैं। भारत में, जहां डिजिटल इंडिया अभियान ने 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता पैदा किए हैं, एआई आधारित ऐप्स जैसे उबर, जोमैटो, ब्लिंकिट आदि ने जीवन को अभूतपूर्व सरलता प्रदान की है। दिल्ली में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में अमेरिकी विशेषज्ञों ने बताया कि एआई ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में 15 ट्रिलियन डॉलर का योगदान दिया है, लेकिन यह निर्भरता खतरनाक साबित हो रही है। एक सर्वे के अनुसार, 70 प्रतिशत युवा बिना एआई टूल्स के रिसर्च नहीं कर पाते। समस्या तब गंभीर हो जाती है जब बिजली चली जाए या इंटरनेट कनेक्टिविटी बाधित हो जाए तो लोग हतप्रभ रह जाते हैं। यह निर्भरता शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक दिखाई दे रही है। छात्र अब निबंध लिखने के बजाय एआई से कॉपी-पेस्ट कर लेते हैं। कोटा के कोचिंग संस्थानों से लेकर आईआईटी तक, एआई टूल्स ने होमवर्क को आसान बना दिया, लेकिन समझ की गहराई कम कर दी। शिखर सम्मेलन के एक सत्र में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि एआई जनित सामग्री से छात्रों की आलोचनात्मक सोच 30 प्रतिशत घटी है। भारत में एनसीईआरटी ने एआई उपयोग पर दिशानिर्देश जारी किए हैं, लेकिन फिलहाल इसका अमल कमजोर है। परिणामस्वरूप, आने वाली पीढ़ी समस्या-समाधान के बजाय 'प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग' सीख रही है, यानी एआई को सही सवाल कैसे पूछें। यह निर्भरता मानसिक आलस्य को जन्म दे रही है, जहां स्वयं सोचने की क्षमता क्षीण हो रही है। एआई का सबसे घातक प्रभाव रचनात्मकता पर पड़ रहा है। पहले कलाकार, लेखक और संगीतकार अपनी कल्पना से कृतियां रचते थे। अब मिडजर्नी या डैल-ई जैसे टूल्स प्रॉम्प्ट पर चित्र बना देते हैं, वो भी सुंदरता भरे। लेकिन क्या यह रचनात्मकता है? शिखर सम्मेलन में भारतीय कलाकारों ने प्रदर्शन किया कि एआई जनित कला में आत्मा का अभाव है। यह डेटा पर आधारित नकल मात्र है। उदाहरणस्वरूप, बॉलीवुड में एआई स्क्रिप्ट राइटर आ रहे हैं, जो पुरानी फिल्मों के पैटर्न दोहराते हैं। नतीजा? नवीनता का लोप। एक अध्ययन बताता है कि एआई सहायता से बनी कहानियां 40 प्रतिशत कम मूल होती हैं। लेखन में भी यही समस्यादिखाई दी जाती है। एआई से उत्पन्न संपादकीय या कविताएं सतही लगती हैं, क्योंकि उनमें व्यक्तिगत अनुभव का पुट नहीं। रचनात्मकता नष्ट होने का एक कारण एआई की 'परफेक्शन' है। यह त्रुटिरहित उत्तर देता है, जिससे मानव प्रयास कमजोर लगने लगते हैं। कल्पना कीजिए एक चित्रकार को, वह घंटों ब्रश चलाता है, गलतियां सुधारता है और यही प्रक्रिया रचनात्मकता को परिपक्व बनाती है। परंतु एआई में यह संघर्ष नहीं होता। शिखर सम्मेलन के दौरान रिलीज हुई एक रिपोर्ट में कहा गया कि एआई ने वैश्विक पेटेंट आवेदनों में 25 प्रतिशत वृद्धि की, लेकिन अधिकांश 'इंक्रीमेंटल' हैं, यानी नई खोजें कम हैं। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां स्टार्टअप संस्कृति फल-फूल रही है, एआई निर्भरता नवाचार को कुचल सकती है। उदाहरण के तौर पर, फिनटेक क्षेत्र में एआई एल्गोरिदम ऋण स्वीकृति करते हैं, लेकिन सृजनात्मक समाधान गायब हैं। इसके अलावा, एआई नैतिक दुविधाओं को भी जन्म दे रहा है। डीपफेक वीडियो से राजनीतिक हेरफेर भी हो रहे हैं। 2024 के अमेरिकी चुनावों में एआई ने काफी अफवाहें फैलाईं। इसे देखते हुए भारत में भी आगामी चुनावों से पहले सतर्कता बरतना सार्थक बन जाता है। शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के 'जिम्मेदार उपयोग' पर जोर दिया, लेकिन निर्भरता रोकने के उपाय कम चर्चित हुए। क्या हम एआई को मास्टर बना लेंगे? एआई की निर्भरता का एक नमूना आज हर घर में दिखाई देता है। बच्चे आजकल हर जरूरत का सामान ऑनलाइन मंगवा लेते हैं। दुकान पर जाए बिना, किसी वस्तु की गुणवत्ता व मोल-भाव का युग अब बहुत कम दिखाई देता है। मुझे याद है हमारे बचपन में हमें बाजार भेजा जाता था और किसी भी वस्तु को खरीदने के बाद सही हिसाब से बच्चे हुए पैसे वापिस लेने में जो संतोष मिलता था उसका अपना ही आनंद था। परंतु आजकल के बच्चों में यह दिखाई नहीं देता। ऐसे में इसका समाधान क्या है? सबसे पहले, शिक्षा में एआई को सहायक न मानकर चुनौती बनाएं। स्कूलों में 'एआई-मुक्त' घंटे रखें, जहां बच्चे स्वयं रचें। दूसरा, नीतियां बनाएंय जैसे यूरोप का जीडीपीआर, जो एआई पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। भारत को शिखर सम्मेलन से प्रेरणा लेनी चाहिए और 'एआई साक्षरता' अभियान चलाना चाहिए। तीसरा, रचनाकारों को प्रोत्साहित करें, उन्हें सरकारी अनुदान दें जो एआई-रहित कला को बढ़ावा दें। व्यक्तिगत स्तर पर, हमें 'डिजिटल डिटॉक्स' को भी अपनाना होगा। एआई जीवन का हिस्सा बने रहना चाहिए, लेकिन इस पर निर्भरता और रचनात्मक विनाश को रोकना होगा। रचनात्मकता मानव का मूल गुण है, इसे बचाना हमारा कर्तव्य है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

गाजा में अपना कंट्रोल बढ़ा रहा हमास

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सड़कों पर लौट आई हैं: दियाब

गाजा। अक्टूबर में अमेरिका की पहल पर लागू हुए सीजफायर के बाद गाजा में हमास ने अंदरूनी मोर्चे पर अपनी पकड़ फिर मजबूत कर ली है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, गाजा के एक कार्यकर्ता मोहम्मद दियाब ने कहा कि हमास ने उन क्षेत्रों के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है जहां वह मौजूद है। दियाब ने कहा कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सड़कों पर लौट आई हैं।

वे अपराध रोकने और जिन लोगों को सहयोगी या विरोधी मानते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 'बोर्ड ऑफ पीस' गुरुवार को वाशिंगटन में अपनी पहली बैठक करेगा। इसमें करीब 60 देशों को आमंत्रित किया गया है। बैठक में गाजा पटी के लिए ट्रम्प की शांति योजना पर रिपोर्ट पेश की जाएगी। हालांकि, टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक, पीस बोर्ड के शुरुआती दस्तावेज में गाजा का ही स्पष्ट जिक्र नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि बोर्ड का मिशन गाजा से कहीं आगे, पूरी दुनिया में शांति लाना है। कई यूरोपीय देशों ने इसे ट्रम्प का पर्सनल प्रोजेक्ट बताया और इसमें शामिल होने से इन्कार कर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 22 जनवरी को स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच के दौरान बोर्ड ऑफ पीस चार्टर की घोषणा करते हुए। चार्टर के अनुसार, डोनाल्ड ट्रम्प को इनागुरल चेयरमैन (प्रथम अध्यक्ष) नामित किया गया है, और यह पद लाइफटाइम उनके द्वारा चुने गए उत्तराधिकारी तक रह सकता है।

मैक्रों का एआई को जिम्मेदार बनाने पर बल

वैश्विक नियम-कायदे बनाने पर जोर, फ्रांस के राष्ट्रपति ने भारत के साथ सहयोग के विस्तार की इच्छा जताई

एआई को इंसानी तरक्की के लिए एक बदलाव लाने वाली ताकत के तौर पर लिया जाना चाहिए: मैक्रों

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता दौड़ में डिजिटल सार्वजनिक मूलभूत ढांचों पर आधारित पहचान-पत्रा, जनधन खातों , स्वास्थ्य कार्ड और यूपीआई जैसी सुलभ डिजिटल भुगतान सुविधाओं का संदर्भ देते हुए प्रौद्योगिकी को जन-जन के लिए सुलभ बनाने के क्षेत्रा में भारत की तारीफ की तथा एआई जैसी प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक नियम-कायदे बनाने पर जोर दिया।

मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में गुरुवार को यहां भारत एआई इम्पैक्ट समिट एवं प्रदर्शनी-2026 में हिस्सा लेते हुए कहा कि एआई को नवाचार और रफ्तार के साथ साथ जिम्मेदार बनाने के लिए फ्रांस, यूरोप और भारत को मिल कर चलना चाहिए। उन्होंने पिछले साल पेरिस में आयोजित एआई सम्मेलन में एआई को विश्व समाज को मजबूत करने का माध्यम बनाने के लिए भारत और फ्रांस की साझा पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि एक साल में ही इसका असर दिखा है। उन्होंने फ्रांस में 15 साल तक के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की अपनी सरकार की पहल को 'सभ्यता से जुड़ा विषय' बताया। उन्होंने एआई को नागरिकों पर केंद्रित बनाने के लिए सरकारों और कंपनियों के बीच मजबूत भागीदारी पर बल दिया। मुंबई से हो कर दिल्ली पहुंच फ्रांसिसी राष्ट्रपति ने अपने भाषण की शुरुआत मुंबई के रेहड़ी-पटरीवाले की कहानी से शुरू की जो दस साल पहले बैंक खाता नहीं खोल पा रहा था क्योंकि उसके पास कोई पहचान या औपचारिक पता नहीं था। आज उसका खाता है और वह बैंक खाते के जरिए देश भार के अपने ग्राहकों से निश्चित रूप से डिजिटल भुगतान प्राप्त करता है। इसके माध्यम से उन्होंने भारत में 1-4 अरब लोगों की डिजिटल पहचान प्रणाली खड़ी करने और उससे नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे क्षेत्राों में उत्पन्न सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे लोगों का दैनिक जीवन बदल गया है। उन्होंने भारत को एक 'सभ्यतागत शक्ति' बताते हुए कहा कि भविष्य उन देशों का होगा जो 'नवाचार को जम्मिदारी के साथ, प्रौद्योगिकी को इंसानियत के साथ' जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने 1.4 अरब लोगों को डिजिटल अर्थव्यवस्था में जोड़कर कर वह कर दिखाया है जिसे दुनिया कभी नामुमकिन कहती थी। उन्होंने कहा कि भारत अब भुगतान की एक ऐसी बुनियादी सुविधा का संचालन करता है जो 'हर महीने 20 अरब लेन-देन' का काम संभाती है और देश में '50 करोड़ डिजिटल हेल्थ कार्ड' जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसे इंडिया स्टैक-ओपन इंटरऑपरेबल सॉवरेन (सार्वजनिक अवसंरचनात्क प्रणाली) कहते हैं और इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन इसी बारे में है। फ्रांसिसी राष्ट्रपति ने कहा कि एआई को इंसानी तरक्की के लिए एक बदलाव लाने वाली ताकत के तौर पर लिया जाना चाहिए। उन्होंने पिछले साल पेरिस में भारत और फ्रांस के सहयोग से आयोजित एआई एक्शन समिट का जिक्र करते हुए उस सम्मेलन को प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक नियम तय करने में एक अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि पेरिस एआई सम्मेलन में हमने उन टेक्नोलॉजी के लिए एक वैश्विक मार्गदर्शक सिद्धांत तय किया था जो हमारे समाज और हमारी अर्थव्यवस्था को बदल देंगें।

अमेरिका से समझौता करने में ही है ईरान की भलाई: कैरोलिन

वाशिंगटन/नई दिल्ली। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का किसी भी देश के साथ समझौता करने के लिए पहला विकल्प कूटनीति होता, इसलिए ईरान को अमेरिका के साथ नए समझौते पर बातचीत करना चाहिए। यह बात व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने गुरुवार (भारतीय समय के अनुसार) कही। उन्होंने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ट्रम्प हमेशा बहुत स्पष्ट रहे हैं। ईरान या दुनिया के किसी भी देश के मामले में कूटनीति हमेशा उनका पहला विकल्प होता है और ईरान के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प और इस प्रशासन (अमेरिकी प्रशासन) के साथ समझौता करना बहुत समझदारी भरा कदम होगा। सुलेविट ने यह टिप्पणी ऐसे में की है, जब जब जिनेवा में अमेरिका-ईरान के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता फिर से शुरू हुई है।

ईरान पर इसी हफ्ते हमला करेगा अमेरिका!

रिपोर्ट में दावा: 2003 के बाद सबसे बड़ी एयर फोर्स तैनात, कई हफ्ते चलेगा मिलिट्री ऑपरेशन

ईरान-रूस ने ओमान और उत्तरी हिंद महासागर में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास करने का ऐलान किया

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बहुत तेजी से बढ़ रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक इस हफ्ते अमेरिका ईरान पर हमला कर सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से इसे अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। मिडिल ईस्ट में अमेरिका ने 2003 के इराक युद्ध के बाद अपनी सबसे बड़ी एयर फोर्स तैनात की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में एफ-35, एफ-22, एफ-15 और एफ-16 जैसे एडवांस्ड फाइटर जेट्स की कई स्क्वाड्रन तैनात की हैं। बड़े पैमाने पर एयर ऑपरेशन के लिए जरूरी कमांड एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट भी भेजे जा रहे हैं। हाल के हफ्तों में एयर डिफेंस सिस्टम भी इलाके में लगाए गए हैं अमेरिकी न्यूज एजेंसी एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर अमेरिका सैन्य कार्रवाई करता है तो यह कई हफ्तों तक चलने वाला बड़ा ऑपरेशन होगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ऑपरेशन पिछले महीने वेनेजुएला में हुई सीमित कार्रवाई से कहीं बड़ा होगा और संभव है कि इसे इजरायल के साथ मिलकर अंजाम दिया जाए। इसका निशाना ईरान का परमाणु और मिसाइल ढांचा हो सकता है। इजरायल की सैन्य खुफिया एजेंसी के पूर्व अधिकारी आमोस यादलिन ने कहा कि टकराव अब पहले से कहीं ज्यादा करीब है। हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं, लेकिन एक महाशक्ति कुछ ही दिनों में युद्ध शुरू नहीं करती। कूटनीतिक रास्ता अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। यादलिन ने यह भी कहा कि कई लोग हमले के खिलाफ हैं और पेंटागन भी पूरी तरह साफ नहीं है कि वह इस कार्रवाई से क्या हासिल करना चाहता है, लेकिन राष्ट्रपति काफी दृढ़ नजर आ रहे हैं। ट्रम्प का 'सभी आप्शन खुले हैं' वाला बयान असली सैन्य तैयारी के बारे में बताता है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने और टकराव टालने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हो गए हैं। मंगलवार को ट्रम्प के सलाहकार जेरेड कुशनर और स्टीव विटकाफ ने जिनेवा में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से करीब तीन घंटे तक बातचीत की। दोनों पक्षों ने कहा कि बातचीत में कुछ डेवलपमेंट हुआ है, लेकिन अमेरिकी अधिकारी अब भी कुछ बड़े मुद्दों पर सहमति बनने को लेकर डाउट में हैं। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि कुछ मामलों में बातचीत अच्छी रही, लेकिन कई मुद्दों पर राष्ट्रपति ने जो रेड लाइन तय की हैं, उन्हें ईरान मानने को तैयार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति समझौता चाहते हैं, लेकिन यह भी संभव है कि कूटनीति अपनी अंतिम सीमा तक पहुंच चुकी हो। रिपोर्ट के मुताबिक, मध्य-पूर्व में अमेरिका की सैन्य मौजूदगी काफी बड़ी हो चुकी है। दो एयरक्राफ्ट कैरियर, करीब एक दर्जन युद्धपोत, सैकड़ों फाइटर जेट और कई एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किए गए हैं और और भी सैन्य उपकरण भेजे जा रहे हैं। ओपन-सोर्स ट्रैकिंग के मुताबिक 150 से ज्यादा कार्गो उड़ानें हथियार और गोला-बारूद लेकर क्षेत्र में पहुंची हैं। साथ ही 50 से ज्यादा फाइटर जेट, जिनमें एफ-35, एफ-22, एफ-15 और एफ-16 शामिल हैं, मिडिल ईस्ट की ओर भेजे गए हैं। ट्रम्प के एक एक एडवाइजर ने कहा कि कुछ लोग राष्ट्रपति को ईरान से युद्ध न करने की सलाह दे रहे हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि आने वाले कुछ हफ्तों में सैन्य कार्रवाई की संभावना 90 प्रतिशत है। इजरायल के दो अधिकारियों ने भी कहा कि देश 'कुछ ही दिनों में' युद्ध की स्थिति के लिए तैयारी कर रहा है और ऐसी कार्रवाई की वकालत कर रहा है जो ईरान की सत्ता को चुनौती दे सके। रिपोर्ट में याद दिलाया गया कि जून 2025 में ईरानी मिसाइलों से 32 लोगों की मौत हुई थी और 3000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। लिकुड पार्टी के सांसद बोआज बिस्मुथ ने कहा कि इजरायल का कोई भी नागरिक ऐसा नहीं है जो दिन में कई बार यह न सोचता हो कि ईरान के साथ संघर्ष कब होगा।

ईरानी अधिकारियों समेत उद्योग जगत के दिग्गजों पर लगाया वीजा प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने गुरुवार को नए वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की, जिसमें उन ईरानी अधिकारियों और नेताओं को निशाना बनाया गया है जिन पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान ईरानी लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का आरोप है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कार्रवाई दिसम्बर 2025 और जनवरी 2026 में व्यापक विरोध प्रदर्शनों पर ईरानी शासन की हिंसक कार्रवाई के जवाब में की गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरानी अधिकारियों ने हजारों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया और लगभग पूरे देश में इंटरनेट को बंद कर दिया। इससे स्वतंत्र रिपोर्टिंग सीमित हो गई और नागरिक बाहरी दुनिया से अलग-थलग पड़ गए। 'इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट' की धारा 212 के तहत लगाए गए वीजा प्रतिबंध आदेश पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हस्ताक्षर किए। ये उपाय ईरानी शासन के 18 अधिकारियों और दूरसंचार उद्योग के दिग्गजों के साथ-साथ उनके परिवार के करीबी सदस्यों पर लागू हैं।

धनाढ्यों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता एआई का भविष्य: गुटेरेस

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गुरुवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर सबका अधिकार होना चाहिए और इसका भविष्य कुछ गिनती के देशों या धनाढ्यों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। गुटेरेस ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई समिट 2026 के चौथे दिन विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों, प्रौद्योगिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों, विशेषज्ञों, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों और अन्य अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक दक्षिण में एआई शिखर सम्मेलन का पहली बार आयोजन विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि एआई का भविष्य कुछ गिने-चुने देशों द्वारा तय नहीं किया जा सकता, और न ही इसे कुछ अरबपतियों की इच्छाओं पर छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'एआई का लाभ सभी को मिलना चाहिए' और यदि इसे सही ढंग से किया जाए तो यह सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकता है, अन्यथा यह असमानता को और बढ़ा सकता है। एक तरफ यह चिकित्सा में महत्वपूर्ण प्रगति को तेज कर सकता है, शिक्षा के अवसरों का विस्तार कर सकता है, खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ कर सकता है, जलवायु कार्रवाई और आपदा तैयारी को मजबूत कर सकता है ।

इमरान की रिहाई के लिए यूथ फोर्स बनी

खैबर में अटक ब्रिज पर समर्थकों ने कब्जा किया पाक के आर्मी चीफ ने पांच हजार फौजी भेजे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर पाकिस्तान में हालात बेकाबू हो रहे हैं। इमरान की पार्टी पाक तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के हजारों समर्थकों ने खैबर सूबे में सामरिक और रणनीतिक रूप से अहम अटक ब्रिज पर बुधवार को कब्जा जमा लिया है।

ब्रिज के दोनों ओर इमरान समर्थकों के जमावड़े के कारण वाहन अटके हुए हैं। पीटीआई के तेवरों को देखते हुए पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने इस्लामाबाद, पेशावर व रावलपिंडी कैंट से लगभग 5 हजार फौजी रवाना किए हैं। उधर, खैबर के मुख्यमंत्री सुहैल अफरीदी ने रिहाई के लिए युवाओं की इमरान रिलीज फोर्स बनाने का ऐलान किया है। इमरान के समर्थन में तहाफुज पार्टी (टीटीपी) ने भी इस्लामाबाद कूच का ऐलान किया है। इमरान समर्थकों के अटक ब्रिज पर कब्जे से खैबर सूबा से पाक से कट गया है। इससे पाकिस्तान में अफरा-तफरी मच गई है। आनन फानन में आर्मी चीफ को फौज भेजने का फैसला लेना पड़ा। पूर्व पीएम इमरान खान अगस्त, 2023 से इस्लामाबाद की अडियाला जेल में बंद हैं। अभी वे तोशाखाना भ्रष्टाचार केस में 14 साल की जेल काट रहे हैं। इमरान की पत्नी बुशरा बीबी भी अडियाला जेल में सजा काट रही है। इमरान के खिलाफ लगभग एक सौ से अधिक मामले दर्ज हैं। इसमें से लगभग एक दर्जन मामले लोअर-हाईकोर्ट में कोर्ट में चल रहे हैं। इमरान को जेल में रखने में आर्मी चीफ मुनीर की बड़ी भूमिका है। पीएम रहते हुए इमरान ने मुनीर को खुफिया एजेंसी आईएसआई चीफ के पद से हटाया था। जानकारों के अनुसार इमरान की जेल पर भले ही मुनीर का ताला हो, पर इसकी चाबी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पास है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फ्री इमरान मूवमेंट के बाद भी ट्रम्प मुनीर पर रिहाई का दबाव डालने के मूड में नहीं हैं।

नई दिल्ली। एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम के पास इंद्रप्रस्थ रोड पर जाम में फंसे वाहन।

ईडी ने फेमा उल्लंघन के तहत 590 करोड़ रुपये के अकाउंट व डिपॉजिट जब्त किए

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 की धारा 37ए के तहत विजो प्राइवेट लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों के 590 करोड़ रुपये के बैंक खाते, फिक्स्ड डिपॉजिट, म्यूचुअल फंड और बॉड जब्त कर लिए हैं। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून (फेमा) की धारा 4 के उल्लंघन के मद्देनजर की गई है। ईडी के बेंगलुरु कार्यालय ने कहा कि विजो रियल मनी गेम्स (आरएमजी)/ऑनलाइन जुआ के कारोबार में लगी हुई है।

रिजिजू ने निगरानी एप का शुभारंभ किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री विकास योजना (पीएमजेवीके) के तहत निगरानी ऐप का शुभारंभ किया जो देश भर में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने में योगदान देता है। रिजिजू ने बिहार के राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय 'चिंतन शिविर' में आज पीएमजेवीके योजना के तहत निगरानी ऐप का शुभारंभ किया, जो भारत भर में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने में योगदान देता है। उन्होंने अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के हज रिस्ट बैंड और एआई चैटबॉट का भी शुभारंभ किया। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय में चितन शिविर के आयोजन के लिए मंत्रालय की टीम की सराहना की।

तारिक रहमान पर चुनाव में गड़बड़ी का आरोप

विपक्ष बोला: वो इलेक्शन में हेरफेर करने वाले इंजीनियर, बीएनपी ने 20 साल बाद चुनाव जीता

कई लोगों ने एआई से बनी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें तारिक रहमान को इंजीनियर का हेलमेट पहने दिखाया गया

ढाका। बांग्लादेश में विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान पर चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि तारिक रहमान चुनाव नतीजों में हेरफेर करने वाले इंजीनियर हैं। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव में 'इंजीनियरिंग' यानी हेरफेर की गई और इसी वजह से बीएनपी को 200 से ज्यादा सीटें मिलीं।

बांग्लादेश में करीब 20 साल बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने आम चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। जमात ए इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन और उसकी सहयोगी पार्टी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने आरोप लगाया है कि कई सीटों पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई। एनसीपी नेता नसीरुद्दीन पटवारी ने सबसे पहले फेसबुक पर तारिक रहमान को 'इंजीनियर' कहा। उनका पोस्ट लाखों लोगों तक पहुंचा और इसके बाद सोशल मीडिया पर मीम्स और मजाक की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने एआई से बनी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें तारिक रहमान को इंजीनियर की हेलमेट पहने दिखाया गया। कुछ लोगों ने तंज कसते हुए लिखा कि 'लंदन से इंजीनियर पास', क्योंकि तारिक रहमान 17 साल तक लंदन में निर्वासन में रहे थे। एक अन्य पोस्ट में लिखा गया कि शबिना पढ़ाई के इंजीनियर बन गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपने हलफनामे में तारिक रहमान ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 'हायर सेकेंडरी' यानी 12वीं तक बताई है। तारिक रहमान ने 17 फरवरी को पीएम पद की शपथ ली। बांग्लादेश में 35 साल बाद कोई पुरुष प्रधानमंत्री बना। एनसीपी नेता आसिफ महमूद ने दावा किया कि उनके पास नतीजों से छेड़छाड़ के सबूत हैं। उनका कहना था कि कुछ जगहों पर वोटों की गिनती पूरी होने से पहले ही विजेता घोषित कर दिए गए और आंकड़ों में बदलाव किया गया। जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने भी कहा कि वोटिंग तो ठीक हुई, लेकिन गिनती के दौरान गड़बड़ी हुई। उन्होंने 32 सीटों को लेकर चुनाव आयोग में औपचारिक शिकायत भी दर्ज कराई है। 14 फरवरी को प्रेस कान्फ्रेंस में जब तारिक रहमान से पूछा गया कि क्या उन्होंने चुनाव जीतने के लिए 'इंजीनियरिंग' की, तो उन्होंने शांत लहजे में जवाब दिया कि उनकी श्इंजीनियरिंगश सिर्फ इतनी थी कि उन्होंने लोगों को अपने पक्ष में वोट देने के लिए मनाया।

अमेरिकी होटल चेन हयात के चेयरमैन का इस्तीफा

एपस्टीन फाइल्स: 2008 से यौन अपराधी के संपर्क में थे, अब तक 10 देशों में लोगों ने पद छोड़े

2018 में एपस्टीन ने प्रित्जकर से अपनी प्रेमिका की दक्षिण-पूर्व एशिया यात्रा की व्यवस्था में मदद का अनुरोध किया था

न्यूयॉर्क। अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों का खुलासा होने के बाद दुनियाभर में इस्तीफों का दौर जारी है। ताजा इस्तीफा अमेरिकी होटल चेन हयात होटल्स के कार्यकारी अध्यक्ष अरबपति थामस प्रित्जकर का है। वे इस पद पर 1999 से थे।

अमेरिकी न्याय विभाग की फाइल से पता चला है कि 2008 से एपस्टीन और प्रित्जकर लगातार संपर्क में थे। 2018 में एपस्टीन ने प्रित्जकर से अपनी प्रेमिका की दक्षिण-पूर्व एशिया यात्रा की व्यवस्था में मदद का अनुरोध किया था। 2015 का एक अन्य ईमेल बताता है कि एपस्टीन ने दुबई में निवेश बढ़ाने के लिए डीपी वर्ल्ड के सीईओ बिन सुलेयम और प्रित्जकर को जोड़ने की कोशिश की थी। उसने सुलेयम और जेस स्टेली के बीच कारोबारी संबंध बढ़ाने की भी कोशिश की, जो उस समय जेपी मारर्गन चेस एंड कंपनी में वरिष्ठ कार्यकारी थे। थामस जे. प्रित्जकर, परिवार के 13 अरबपति होटल उत्तराधिकारियों में दूसरे सबसे धनी हैं। संपत्ति 6.2 अरब डालर है। 1999 से हयात के अध्यक्ष और 1999 से 2006 तक सीईओ रहे। जेफ्री एपस्टीन न्यूयार्क का करोड़पति फाइनेंसर था। उसकी बड़े नेताओं और सेलिब्रिटीज से दोस्ती थी। उस पर 2005 में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा। 2008 में उसे नाबालिग से सेक्स की मांग करने का दोषी ठहराया गया। उसे 13 महीने की जेल हुई। 2019 में जेफ्री को सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। लेकिन मुकदमे से पहले ही उसने जेल में आत्महत्या कर ली। उसकी पार्टनर घिसलीन मैक्सवेल को 2021 में उसकी मदद करने के आरोपों में दोषी करार दिया गया। वह 20 साल की सजा काट रही है। इसकी शुरुआत 2005 में तब हुई जब फ्लोरिडा में एक 14 साल की लड़की की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसमें कहा गया कि एपस्टीन के आलीशान घर में उसकी बेटी को 'मसाज' के बहाने बुलाया गया था, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उस पर सेक्स का दबाव डाला गया।

फिल्टर बंद होते ही चीनी कंटेंट क्रिएटर की असलियत सामने आई

घटना के बाद उनके करीब 1.4 लाख फालोअर्स कम हो गए

बीजिंग। चीन की एक कंटेंट क्रिएटर का लाइव सेशन उस समय चर्चा में आ गया, जब उनके चेहरे पर लगा ब्यूटी फिल्टर अचानक बंद हो गया। कुछ सेकंड के लिए दर्शकों को उनका बिना फिल्टर वाला चेहरा दिखाई दिया। इस घटना के क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। इसके बाद डिजिटल ब्यूटी स्टैंडर्ड और आनलाइन परफार्मेंस के दबाव को लेकर बहस तेज हो गई है।

वीडियो में दिखता है कि क्रिएटर सामान्य तरीके से लाइव सेशन होस्ट कर रही थीं। तभी अचानक फिल्टर हट गया। पहले जो चेहरा स्मूद, पोरिर्सलेन जैसा और हल्के रंग का दिख रहा था, वह प्राखृतिक टेक्सचर और सामान्य रंगत के साथ नजर आया। फिल्टर हटते ही उनकी आंखें छोटी और जालाइन कम शार्प दिखी। चेहरा पहले दिख रहे डाल जैसे लुक की बजाय आम लोगों जैसा नजर आने लगा। हालांकि यह बदलाव कुछ सेकंड का ही था। कुछ ही क्षण बाद फिल्टर फिर से एक्टिव हो गया। आंखें फिर बड़ी दिखने लगीं, चेहरे की शेप ज्यादा शार्प हो गई और त्वचा पहले जैसी साफ और चमकदार दिखने लगी। इस दौरान क्रिएटर ने कोई घबराहट नहीं दिखाई। उन्होंने बाल ठीक किए, कैमरे की ओर मुस्कुराई और ऐसे ही लाइव जारी रखा, जैसे कुछ हुआ ही न हो। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स एक्स और इंस्टाग्राम पर वायरल पोस्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस घटना के बाद उनके करीब 1.4 लाख फालोअर्स कम हो गए। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब चीन में लाइव स्ट्रीमिंग इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। कई क्रिएटर डायिन जैसे प्लेटफार्म पर घंटों तक लाइव रहते हैं।